नई सोच एक्सप्रेस

हर खबर पर पैनी नजर

(पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

यामी गौतम ने अपनी फिल्मों को लेकर बयां किया सच

WWW.naisochlive.com | पटना, रविवार, 05 मई 2024, वर्ष - 07, अंक- 76 , पृष्ठ- 8, मूल्य- 3.00 । naisochexpreess@gamil.com

मौज के लिए नहीं मिशन के लिए आया : मोदी

एजेंसी। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी दौरे के दौरान आज पलामू पहुंचे, जहां उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वो मौज के लिए नहीं मिशन के लिए पैदा हुए हैं। चियांकी एयरपोर्ट मैदान में आयोजित जनसभा के माध्यम से पीएम मोदी ने भाजपा प्रत्याशी बीडी राम के पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की है। यहां प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इंडिया अलायंस को निशाने पर लिया और कहा कि आपने तो कांग्रेस और जेएमएम को दिन में ही तारे दिखा दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह शहीद नीलांबर और पीतांबर की धरती है, यहां की माताओं और बहनों का प्यार के साथ मिला आशीर्वाद मैं नहीं भूल सकता हूं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आप अपने वोट के महत्व को अच्छी तरह जानते हैं। आप जानते हैं कि 2014 में आपके एक वोट ने ऐसा कमाल किया था कि पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की ताकत को सलाम करने लग गई। तब आपके एक वोट ने कांग्रेस की महाभ्रष्ट सरकार को हटा दिया था। आपके ही एक वोट ने भाजपा-एनडीए की सरकार बनी। आपके इस एक वोट की ताकत का परिणाम है कि पूरी दुनिया में भारत का डंका बज रहा है। यहां पीएम मोदी ने यहां राममंदिर का जिक्र

विरोधियों को दिन में ही तारे दिखा दिए : मोदी

करते हुए कहा कि 500 साल से हमारी कितनी ही पीढ़ियां संघर्ष करती रहीं हैं, वो इंतजार करती रहीं, शायद दुनिया में इतना लंबा संघर्ष कहीं नहीं हुआ होगा जो अयोध्या में हुआ। आपके वोट की शक्ति को देखिए कि आज अयोध्या में भव्य राममंदिर बना है। यहां पीएम मोदी ने कहा, कि देश आजाद होने के बाद भी जम्मू कश्मीर में आए दिन खतरे की घंटी बजती रहती थी। क्या होगा जम्मू कश्मीर का इस बात की चिंता रहती थी। कश्मीर से हमेशा ही बम धमाके-गोला बारूद की आवाज सुनाई देती थी। आपके वोट की ही ताकत थी कि 370 की दीवार को जमींदोज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आए दिन झारखंड में, छत्तीसगढ़ में आंध्र में पशुपति से लेकर तिरुपति तक नक्सलवाद आतंकवाद फैलाकर यहां की धरती को लहु-लुहान किया जाता रहा। न जाने कितनी माताएं अपना जवान बेटा खो देतीं थीं। पाल-पोसकर बड़ा किया बेटा गलत संगत में बंदूक उठा जंगल भाग जाता था। आपके एक वोट ने ही ऐसी न जाने कितनी माताओं के बच्चों को बचा लिया है। आपके एक वोट ने ही नक्सलवाद से मुक्ति दिला दी। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के समय में तो निर्दोषों को मौत के घाट उतार दिया जाता था। पाकिस्तान जितने नेता जाते थे उससे ज्यादा वो आतंकी भेज देता था। वो यहां बम गोले लेकर आते और खून की होली खेलते थे। आपके वोट ने ताकत दी और अब यह नया भारत है जो घर में घुसकर मारता है। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक ने पाकिस्तान को हिलाकर कर रख दिया। इससे पहले तक कोई ऐसा दिन नहीं होता था जबकि हमारे नौजवान सीमा पर शहीद न होते हों।

रांची में पीएम के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

रांची । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय कार्यक्रम को लेकर झारखंड दौरे पर चाईबासा पहुंचे और जनसभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री मोदी रांची एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से उन्होंने बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद ओपन जीप में सवार हो कर पीएम मोदी राजधानी की सड़क पर दिखाई दिए।इस दौरान उनपर पुष्पवर्षा की गई। पीएम मोदी ने हाथ हिला कर जनता का अभिवादन किया। जीप में प्रधानमंत्री के साथ सांसद और रांची से लोकसभा प्रत्याशी संजय सेठ और नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी मौजूद रहे । उनका काफिला धीरे-धीरे हरमु रोड होते हुए रातू रोड की ओर बढ़ते हुए राजभवन पहुंचकर संपन्न हुआ। रोड शो को लेकर राजधानी में कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई है।भारत माता चौक से लेकर हरमु रोड में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। वहीं हर चौक-चौराहे पर हजारों की संख्या में लोग पीएम मोदी की एक झलक पाने के लिए उत्साहित हैं।

झारखंड को भाजपा ने बनाया : पीएम मोदी ने अपने संबोधन की

शुरुआत बिरसा मुंडा को नमन कर किया। उन्होंने कहा कि भाजपा और झारखंड का रिश्ता दिल का है। झारखंड के लोगों की भावनाओं को अगर कोई समझता और सुलझाता है तो वो सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही हैp उन्होंने कहा कि झारखंड को अटल जी ने बनाया, भाजपा ने बनाया. कांग्रेस ने झारखंड का घोर विरोध किया। ये भाजपा की ताकत थी, अटल जी की दीर्घ-दृष्टि थी कि झारखंड बनाकांग्रेस को मंजूर नहीं था कि यहां के संसाधन आपके काम आए. पहले वो एक रुपये देते थे तो उसमें से वो 85 पैसे मार लेते थे. आज मैं एक रुपये भेजता हूं तो पूरा 100 पैसा आपके अकाउंट में जाता है.

गरीबों को मिल रहा 5 लाख तक का मुफ्त इलाज : पीएम मोदी कहा कि हमने बाबा साहेब की जयंती पर आयुष्मान भारत योजना लॉन्च की और वो भी झारखंड की भूमि से की. आज गरीबों को 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त मिल रहा है. मुद्रा योजना की शुरुआत हमने झारखंड के दुमका से की. इसी तरह मोदी की गारंटी की गाड़ी भी हमने झारखंड के खूंटी से शुरू की. इसलिए तो मैं कहता हूं- झारखंड और भाजपा का दिल का नाता है. आज झारखंड हर कोने में विश्वास के साथ, उमंग के साथ, उत्साह के साथ एक ही बात कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार.

बिहार ने जिनको 15 साल मौका दिया वे परिवार को आगे बढ़ाने में ही लगे रहे : नीतीश कुमार

एजेंसी। पटना/मुंगेर

बिहार में मुंगेर लोकसभा सीट से जदयू उम्मीदवार ललन सिंह के पक्ष में शनिवार को चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जिनको 15 साल (लालू यादव) मौका मिला, उन्होंने कुछ काम नहीं किया और सिर्फ परिवार को ही आगे बढ़ाते रहे। मुंगेर लोकसभा सीट के राजग उम्मीदवार राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के समर्थन में वोट मांगने पहुंचे नीतीश ने हवेली खड़गपुर के खंड बिहारी में राजद सुप्रीमो लालू यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को 15 साल मौका मिला वह बिहार में क्या काम किए, सबको मालूम है। शाम होने के बाद लोग घर बाहर नहीं निकल पाते थे। इनके शासनकाल में लोग डरे रहते थे। वर्ष 2005 के पहले क्या हाल था। सिर्फ प्रचार करते रहते थे। हम ही बनवाए थे। गड़बड़ करने लगे तो हम ही छोड़ दिए। लालू ने पत्नी को सीएम बनाया। बाल-बच्चा को बनाया, परिवारवाद को बढ़ावा दिया। कांग्रेस भी परिवारवाद पर चल रही है। सीएम ने कहा कि पहले बिहार में सबसे ज्यादा हिंदू-मुस्लिम के बीच तनाव होता रहता था और हमें जब मौका मिला तो बिहार के हित में सिर्फ काम किया जो सबके सामने है। हमने 2005 में सबसे पहले कानून का राज्य कायम किया। सभी जगहों पर हिंदू-मुस्लिम मामले को समाप्त कर मुस्लिम समुदाय के लिए सभी जगहों पर कब्रिस्तान का घेराबंदी किया, मदरसे के लिए भी काम किया। उनके हित में कई काम किए लेकिन ये लोग तो सिर्फ नाम पर वोट का इस्तेमाल किया। अशोक महतो की पत्नी को मुंगेर लोकसभा सीट से राजद उम्मीदवार बनाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनाव के लिए कोई ब्याह कर लिया और कोई जेल में रहे। ये सब कोई चुनाव लड़ेगा, इसका कोई मतलब है। आज बिहार में चारों तरफ विकास की रोशनी जगमगा रही है। चाहे वह पुल-पुलिया और सड़क मार्ग का मामला हो। सभी जगहों पर लगातार कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि मुंगेर में हर प्रकार का कार्य किया जा रहा है।

ख़ास ख़बर

मालवाहक जहाज से पकड़े गए 17 भारतीयों को ईरान ने किया रिहा

नई दिल्ली। हाल ही में ईरान ने पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज एमएससी एरीज को पकड़ा था। इस जहाज के चालक दल में 17 भारतीयों सहित कुल 25 लोग सवार थे। भारतीय चालक दल के सदस्यों में शामिल एकमात्र महिला कैडेट एन टेसा जोसेफ को ईरान की सेना ने पहले ही रिहा कर दिया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्री अमीर अब्दुल्लाहियन ने शुक्रवार को एस्टोनिया के विदेश मंत्री मार्गस त्साहकना के साथ पर फोन पर बातचीत की और इसी दौरान उन्होंने चालक दल की रिहाई की जानकारी दी। ईरान के इस्लामी गणराज्य के क्षेत्रीय जल क्षेत्र में जब्त किए गए पुर्तगाली जहाज के बारे में अमीरअब्दोल्लाहियान ने बातचीत में कहा कि जहाज ने हमारे जल क्षेत्र में अपना रडार बंद कर सुरक्षा को खतरे में डाला था। इसलिए उन्हें न्यायिक नियमों के तहत हिरासत में लिया गया था। भारतीय विदेश मंत्रालय ने सलाह दी है कि भारत के लोग अगर इजरायल और ईरान की यात्रा करते हैं तो सावधानी जरूर बरतें और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रिएन वाटसन ने बताया था कि चालक दल में भारतीय, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनियाई नागरिक शामिल थे।

कांग्रेस को झटका, पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी ने किया चुनाव लड़ने से इनकार

पुरी। लोकसभा चुनाव के दो चरणों के मतदान हो चुका है। इस लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का झटके पर झटके लग रहे हैं। कहीं नेता कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी ज्वाइन कर रहे हैं तो कहीं प्रत्याशी अपने नाम वापस ले रहे हैं। इसी बीच अब कांग्रेस को एक ओर जोरदार झटका लगा है। ओडिशा की पुरी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। लोकसभ चुनाव-2024 का तीसरा चरण का मतदान 7 मई होने वाला है इससे पहले विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को झटका लगा है। सूरत और इंदौर के बाद अब ओडिशा की हॉट सीट मानी जा रही पुरी से कांग्रेस के उम्मीदवार ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है। कांग्रेस ने पुरी लोकसभा सीट से सुचारिता मोहंती को मैदान में उतारा था।

शाह हैदराबाद की जनता को बदनाम कर रहे : ओवैसी

हैदराबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को लेकर यहां हंगामा मचा हुआ है। इसे लेकर एआईएमआईएम के

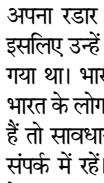

मुखिया ओवैसी ने उन्हें जमकर निशाने पर लिया हुआ है। ओवैसी ने कहा है कि शाह आईएसआईएस का अड्डा बताकर हैदराबाद की जनता को बदनाम करने में लगे हुए हैं। हैदराबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनके बच्चे तो यही कहते हैं कि यदि निकल गया तो फिर बिना ब्रेक के किसी को भी नहीं छोड़ूंगा। ओवैसी ने केंद्रीय गृह अमित शाह के रजाकार वाले बयान का जवाब देते हुए उन्हें घेरा और कहा कि अमित शाह आईएसआईएस का अड्डा बताकर हैदराबाद की जनता को बदनाम कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने चुटकी लेते हुए आगे कहा कि अमित शाह को मेरे खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए था, लेकिन वो तो डरकर गुजरात चले गए।

लालू यादव ने रेल मंत्री रहते हुए मुस्लिमों को आरक्षण से निकालकर कोटा देने की मांग की थी : प्रधानमंत्री

एजेंसी। दरभंगा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के शहजादे (तेजस्वी यादव) के पिता (लालू यादव) ने रेल मंत्री रहते हुए मुस्लिमों को आरक्षण से निकालकर रेलवे में उन्हें कोटा देने की मांग की थी। ये एससी, एसटी और ओबीसी का हक छिनकर मुस्लिमों को देना चाहते हैं। धर्म के आधार पर आरक्षण कटेगा तो यादव और कुर्मी जैसे समाज का हक भी बंटेगा। पासवान, मुसहर और रविदास समाज के हक पर ये डाका डालने की फिराक में हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को बिहार के दरभंगा स्थित राज मैदान में भाजपा उम्मीदवार गोपाल जी ठाकुर के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जिस तरह एक शहजादे (राहुल गांधी) हैं, उसी तरह पटना में भी एक शहजादे (तेजस्वी यादव) हैं। एक शहजादा पूरे देश को तो दूसरा पूरे बिहार को अपनी जागीर समझता है। कोरोना काल में बिहार के लोगों के साथ इंडी गठबंधन वालों ने गलत किया था। महाराष्ट्र समेत जिन राज्यों में इंडी गठबंधन की सरकार थी, वहां से बिहार के लोगों को भगा दिया गया। बिहार के लोगों को बसों में बैठाकर बीच रास्ते में छोड़ दिया गया। पीएम मोदी ने अपने शासनकाल की उपलब्धियों पर कहा कि आज भारत ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। दस साल पहले भारत दुनिया की 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थी। बीते 10 साल में हम पांचवें नंबर पर पहुंच गए। कोरोना काल में 100 साल के बाद बड़ा संकट आया था। दुनिया सोचती थी भारत बर्बाद हो जाएगा लेकिन उस समय हमने अपना सामर्थ्य दिखाया और देश उस संकट से बाहर निकला। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबी चर्चा के बाद हमारा संविधान बना। बाबा साहेब आंबेडकर और राजेंद्र प्रसाद जैसे बड़े-बड़े विद्वानों ने धर्म के आधार पर आरक्षण पर लंबी चर्चा की। 77 साल पहले उन्होंने तय किया कि हमारे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दे सकते हैं।

एल्विश यादव मामले में ईडी की एंट्री, मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रवर्तन निदेशालय ने दवा के रूप में सांप के जहर के संदिग्ध उपयोग के आरोप में यूट्यूबर सिद्धार्थ यादव उर्फ एल्विश यादव और कुछ अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। केंद्रीय एजेंसी ने पिछले माह गौतम बौद्ध नगर (नोएडा) जिला पुलिस द्वारा उनके और उनसे जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर एक एफआईआर और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप लगाए हैं। अपराध की आय का कथित सृजन और रेव या मनोरंजक पार्टियों के आयोजन के लिए अवैध धन का उपयोग ईडी की जांच के दायरे में है। ईडी सूत्रों ने कहा कि जांच के तहत यादव और मामले से जुड़े कुछ अन्य लोगों से पूछताछ होगी।

लोकसभा चुनाव देखने के लिए भारत पहुंचे 23 देशों के प्रतिनिधि

एजेंसी। नई दिल्ली

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोकसभा चुनावों को प्रथमदृष्टया देखने के लिए 23 देशों के प्रतिनिधि भारत पहुंच गये हैं। आज से शुरू हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य विदेशी प्रबंधन निकायों (ईएमबी) को भारत की चुनावी प्रणाली की बारीकियों के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव के लिए अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों से परिचित कराना है। चुनाव आयोग ने विभिन्न देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) से 75 अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों को आमंत्रित किया था। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि

वह लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम (आईईवीपी) के आयोजन के माध्यम से लगातार अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। आयोग ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. सुखबीर सिंह संधू 5 मई को इन विदेशी प्रतिनिधियों को संबोधित करेंगे। इसके बाद, ये प्रतिनिधि छोटे-छोटे समूहों में छह राज्यों- महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की यात्रा पर निकलेंगे तथा वहां के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान और संबंधित तैयारियों का निरीक्षण करेंगे। यह कार्यक्रम 9 मई को समाप्त होगा। भागीदारी के पैमाने और परिमाण के मामले में यह ऐसा पहला आयोजन है। यह 23 देशों भूटान, मंगोलिया, ऑस्ट्रेलिया, मेडागास्कर, फिजी, किर्गिज़ गणराज्य, रूस, मोल्दोवा, ट्यूनीशिया, सेशेल्स, कंबोडिया, नेपाल, फिलीपींस, श्रीलंका, जिम्बाब्वे, बांग्लादेश, कजाकिस्तान, जॉर्जिया, चिली, उज्बेकिस्तान, मालदीव, पापुआ न्यू गिनी और नामीबिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

नीट यूजी की परीक्षा में नकलचियों पर नजर रखेगी एआई तकनीक

एजेंसी। नई दिल्ली

नीट परीक्षा को पूरी तरह पारदर्शिता के साथ आयोजित कराने के लिए फर्जीवाड़ा और अनियमितताओं के प्रति जीरो टोलरेंस नीति पर काम किया जा रहा है। परीक्षा में पेपर एवं पेपर के बाद नकल करने वाले छात्रों की पहचान एआई से होगी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) परीक्षा में वास्तविक समय में एनालिटिकल टूल्स और टेक्नोलॉजी प्रयोग करते हुए छात्र-छात्राओं के व्यवहार पर नजर रखेगा। परीक्षा केंद्र भी एआई की नजर में रहेंगे। एनटीए के अनुसार परीक्षा केंद्रों से लेकर पेपर और इसके बाद छात्र एआई टूल की नजर में रहेंगे। पकड़े जाने पर छात्रों को हमेशा के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है। एग्जाम में स्टूडेंट्स और स्टाफ का कई चरणों में बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन भी होगा। केंद्रों पर संदिग्ध गतिविधि एआई सिस्टम से नहीं बच सकेगी। बॉयोमेट्रिक, फोटो का विश्लेषण करके एआई सिस्टम फर्जी छात्रों को चिह्नित कर सकेगा। देशभर में नीट में करीब 24 लाख परीक्षार्थी शामिल हो रहे हैं। छात्रों को बताया गया है कि प्रवेश पत्र के दूसरे पेज पर छात्रों को निर्धारित स्थान पर पोस्टकार्ड साइज फोटो लगाना जरूरी है। यदि निर्धारित स्थान पर फोटो नहीं आ रहा है तो छात्र दोबारा से प्रवेश पत्र के दूसरे पेज को डाउनलोड कर सकते हैं।परीक्षा के लिए छात्रों को 11 बजे केंद्रों पर रिपोर्टिंग करनी होगी। 1.30 बजे केंद्र के गेट बंद कर दिए जाएंगे। छात्रों को बॉयामेट्रिक सहित विभिन्न जांच से गुजरना होगा। पेपर शुरू होने के एक घंटे बाद और पेपर खत्म होने से आधा घंटे पहले छात्र कक्ष छोड़कर ब्रेक के लिए नहीं जा सकेंगे। इस अवधि को छोड़ यदि कोई छात्र ब्रेक को जाता है तो उसे वापसी में फिर समस्त सत्यापन प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ेगा। ऐसे छात्रों को ना केवल दुबारा बॉयोमेट्रिक देनी होगी बल्कि अन्य जांच भी पूरी करानी होंगी।

राहुल गांधी पर तंज से भड़की कांग्रेस, प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी एक बार फिर अपने नेता राहुल गांधी के बचाव में उतर आई है। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डरो मत, भागो मत वाले बयान पर पलटवार किया। कहा कि उनके दो प्रेरक नेता भी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के आइकन लालकृष्ण आडवाणी और अटल बिहारी वाजपेयी दो सीटों से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। वहीं, खुद पीएम मोदी ने साल 2014 के आम चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़ा था। वह केरल के वायनाड से भी चुनाव लड़ रहे हैं।बता दें, पीएम मोदी ने 2014 में वाराणसी और वडोदरा सीट से चुनाव लड़ा था और जीत हासिल की थी।

किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा : खड़गे

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी को देश के किसानों की खुशहाली के लिए समर्पित बताया और कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर फसल बीमा की राशि सीधे किसानों के खाते में भेजी जाएगी। खड़गे ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के माध्यम से कहा कि किसानों के लिए बीमा भुगतान का सीधा ट्रांसफर होगा। कांग्रेस गारंटी देती है कि फसल बीमा को खेत और किसान के अनुरूप बनाया जाएगा। किसान से बीमा राशि के अनुसार प्रीमियम लिया जाएगा और सभी दावों का निपटान 30 दिनों के भीतर किया जाएगा। केंद्र सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पीएम फसल बीमा योजना को प्राइवेट बीमा कंपनी मुनाफा योजना बना दिया और 2016 से अब तक 57,619.32 करोड़ रुपये मुनाफा चंद मुट्ठीभर बीमा कंपनियों को कमवाया।

ज़ेनोफ़ोबिक पर जयशंकर बोले, भारत में सबका होता है आतिथ्य सत्कार

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ सुब्रमण्यम जयशंकर ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के भारत को लेकर दिए गए बयान का खंडन किया है। बाइडेन ने भारत को ज़ेनोफ़ोबिक कहा था। इस पर जयशंकर ने कहा कि भारत खुले विचारों वाले लोगों का देश है और अपने आतिथ्य सत्कार के लिए जाना जाता है। पिछले 2 अप्रैल को बाइडेन ने कहा था कि अमेरिका अपनी धरती

पर अप्रवासियों का स्वागत करता है इसलिए हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ती है। वहीं भारत, चीन, जापान और रूस की जेनोफोबिक प्रकृति उनकी आर्थिक समस्याओं के लिए जिम्मेदार है। यह देश अधिक आप्रवासन स्वीकार करें तो यह आर्थिक रूप से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। इस पृष्ठभूमि पर एक न्यूज कार्यक्रम में एस. जयशंकर ने कहा कि दुनिया के इतिहास में भारत हमेशा से जरूरतमंदों की मदद करने वाला देश रहा है। विभिन्न समुदायों के लोग भारत आते हैं और यही बात हमारे देश को विशेष बनाती है। दुनिया के इतिहास में भारत हमेशा से जरूरतमंदों की मदद करने वाला देश रहा है। भारत खुले विचारों वाले लोगों का देश है और अपने आतिथ्य सत्कार के लिए जाना जाता है। सीएए के आलोचकों को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि ऐसे लोग हैं, जिन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि सीएए के कारण इस देश में 10 लाख मुसलमान अपनी नागरिकता खो देंगे। उनसे जवाब क्यों नहीं लिया जाता? क्या अभी तक किसी ने अपनी नागरिकता खोई है? उन्होंने पश्चिमी मीडिया पर टिप्पणी करते हुए कहा कि एक खास विचारधारा से प्रभावित पश्चिमी मीडिया का एक समूह भारत को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा है।

दूसरी बार भाजपा में शामिल हुए लवली

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर कयासों का बाजार गरम करने वाले अरविंदर सिंह लवली आखिकार भाजपा में शामिल हो गए। इसी के साथ लवली के अगले कमद को लेकर जारी अटकलों का दौर भी थम गया। लवली के साथ ही कांग्रेस नेता राजकुमार चौहान, तीन बार के विधायक रहे नसीब सिंह, अमित मलिक, और नीरज बैसोया ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली है। तमाम कयासों और अटकलों को विराम लगाते हुए दिल्ली कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंद सिंह लवली शनिवार 04 मई को भाजपा में शामिल हो गए। उनके साथ में कांग्रेस नेता नसीब सिंह नीरज बसोया और राजकुमार चौहान ने भी भाजपा ज्वाइन कर ली है।

हादसा: पहाड़ से नीचे गिरी कार में 5 की मौत, एक की हालत गंभीर

एजेंसी। देहरादून

मसूरी-देहरादून रोड पर झड़ीपानी के निकट एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। जिसमें 5 लोगों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर है। पुलिस के मुताबिक चूनाखाल-झाड़ीपानी मार्ग पर कमल कॉटेज के पास शनिवार सुबह 5 बजे के करीब एक फोर्ड एंडेवर एसयूवी गाड़ी अनियंत्रित होकर पहाड़ से नीचे सड़क पर गिर गई। इसमें बैठे 4 युवक और 2 युवतियों में से 5 की मौत हो गई और एक युवती गंभीर रुप से घायल है। स्थानीय लोगों और राहगीरों से हादसे की सूचना मिलने

पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि गाड़ी ऊपरी लेन से नीचे वाली सड़क पर आकर उल्टी गिरी, जिसमें छह लोग सवार थे। सभी देहरादून के एक शिक्षण संस्थान के छात्र बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद एसयूवी में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य को गाड़ी के मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। यहां दो और घायलों ने दम तोड़ दिया। हादसे में जान गंवाने वालों में चार युवक और एक युवती शामिल हैं। मसूरी फायर सर्विस, एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू शुरू किया। पुलिस ने बताया कि दो युवतियों को गाड़ी के मलबे से निकालकर 108 एंबुलेंस के जरिए देहरादून हायर सेंटर भेजा गया, लेकिन उनमें से एक को बचाया नहीं जा सका। हादसे में जान गंवाने वाले सभी 5 लोगों के शव पोस्टमार्टम के लिए मसूरी उप जिला चिकित्सालय भेजे गए। मसूरी पुलिस सभी के पहचान की कोशिश कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

लालू ने मंत्री पद की लालच देकर हड़प ली करोड़ों की जमीन :प्रभाकर मिश्रा

पटना। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि लालू परिवार देश का सबसे बड़ा जमीन माफिया है। लालू प्रसाद ने मंत्री पद का लालच देकर करोड़ों की जमीन हड़प ली। श्री मिश्र ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि चारा घोटाले के आरोप में जब लालू प्रसाद को जेल जाने की नौबत आयी, तब जिस रघुनाथ झा ने पूरे बिहार में खून का दरिया बहाने की धमकी दी थी, उन्होंने ही यूपीए -1 में मंत्री बनने के लिए 18 जून, 2005 को लालू प्रसाद के दो नाबालिग बेटों (तेज प्रताप यादव और तेजस्वी प्रसाद यादव) को गोपालगंज में राष्ट्रीय राजमार्ग-28 से सटी अपनी करोड़ों की संपत्ति महज 8 लाख 75 हजार रुपए कीमत बताकर दान कर दी थी। तीन कट्ठा 2 धुर और 10 धुरकी राष्ट्रीय मार्ग के किनारे की जमीन और उसके 500 वर्ग फीट में सारी सुविधाओं से सुसज्जित तीन मंजिला मकान की कीमत 8 लाख 75 हजार रुपए दिखलाई गयी थी। श्री मिश्र ने कहा कि कांति सिंह की तरह दानकर्ता रघुनाथ झा ने भी डीड में दान करने की वजह में दान प्राप्त करनेवाले नाबालिग तेज प्रताप और तेजस्वी द्वारा उनकी सेवा करना बताया है। श्री मिश्र ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधते पांच सवाल पूछे। पूछा कि आखिर एक सांसद ने अपनी करोड़ों रुपयों की संपत्ति लालू प्रसाद के दो नाबालिग बेटों (आप दोनों भाइयों) को ही क्यों दान कर दी ? कहा कि क्या यह सच नहीं है कि दान प्राप्त करनेवालों (आप दोनों भाई) के नाबालिग होने की स्थिति में आपकी मां पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती राबड़ी देवी ने दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किये। श्री मिश्र ने तेजस्वी से पूछा, आप दोनों भाई जब नाबालिग थे, तब आपने रघुनाथ झा की ऐसी कौन सी सेवा की, जिससे प्रभावित होकर उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे की अपनी करीब 1 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन और मकान को उन्होंने दान में दे दिया ? क्या यूपीए -1 में मंत्री बनाने के एवज में रघुनाथ झा को भी अपनी संपत्ति आपके पिता के दबाव में आप दोनों भाइयों को दान करने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ा था? उन्होंने पूछा कि तेजस्वी यादव बताएं कि क्या यह भ्रष्टाचार के जरिए अर्जित सम्पत्ति नहीं है? श्री मिश्र ने कहा कि तेजस्वी को इन सारे सवालों का जवाब जनता के सामने देना होगा।

गर्मी से मिलेगी राहत के लिए राजधानी में चालू होंगे आठ स्थाई प्याऊ

राजा बाजार, गायघाट, बबुआगंज, गांधी मैदान के पास बनकर तैयार

पटना। पटना नगर निगम की सशक्त स्थाई समिति की 9वीं बैठक शनिवार को हुई। इस दौरान बारिश से पहले नाला उड़ाही और गर्मी में जलापूर्ति शाखा की समीक्षा की गई। समिति के सदस्य आशीष सिन्हा ने बताया कि गुरु पर्व के समय निगम द्वारा पटना में प्याऊ की व्यवस्था की गई थी, जो अब पूरी तरह से स्थाई हो जाएगी। कुल आठ जगहों पर पेयजल के लिए प्याऊ बनाए गए हैं। जहां डायरेक्ट बोरिंग से पीने का पानी आएगा। राजा बाजार, गायघाट, बबुआगंज, गांधी मैदान, मंगल तालाब पंप के पास, चौक शिकारपुर और सिटी गर्ल्स हाई स्कूल में यह प्याऊ तैयार हो गया है। झाऊगंज में अभी बनना बाकी है। सबमर्सिबल बोरिंग के माध्यम से प्याऊ में पानी की व्यवस्था की जा रही है। कुछ दिन में यह सभी प्याऊ चालू हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के कारण पटना शहर में पानी का जलस्तर तेजी से घट रहा है। निगम के अंतर्गत 10 बोरिंग केंद्र से शिकायत आई थी। यहां हमने 10 फीट का पाइप लगाकर, जलस्तर को सामान्य बनाने का काम किया है। अगले 15 दिन में बसावान पार्क, निराला नगर और सरिस्ताबाद पूर्वी टोला में बोरिंग चालू हो जाएगा। गर्दनीबाग, पाटीं पुल और कच्ची तलाब में अभी काम चल रहा है।आशीष सिन्हा ने कहा कि निगम के अंतर्गत दो नालों के उड़ाही का काम अभी बाकी है। इसमें नूतन राजधानी अंचल के अंतर्गत बाकरगंज नाला और कंकड़बाग अंचल के अंतर्गत बाईपास नाला है। इन दो नालों में काफी दिक्कतें आ रही है। बाकरगंज नाले का निर्माण हो रहा है और दूसरा बाईपास नाले के पास मेट्रो का काम हो रहा है। इस कारण नाला उड़ाही का काम यहां बाधित हुआ है। हालांकि, निगम ने लक्ष्य रखा है कि 15 मई तक सभी नालों की उड़ाही कर दी जाएगी ताकि बारिश में जल जमाव की समस्या ना हो। इस बैठक में मेयर सीता साहू, डिप्टी मेयर रेशमी चंद्रवंशी, नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर, स्थाई समिति के सदस्य आशीष सिन्हा और इंद्रदीप चंद्रवंशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पटना यातायात प्रशासन आपदा में तलाश रहा है अवसर

पटना। शनिवार को पटना जंक्शन स्थित टाटा पार्क ऑटो स्टैंड में राजकुमार झा की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से 16 अप्रैल को पटना के बाईपास में ऑटो एवं मेट्रो निर्माण कंपनी के क्रेन के बीच हुई दुर्घटना की आड़ लेकर ओवर लोड के नाम पर यातायात प्रशासन द्वारा चालकों को आर्थिक शोषण करने के मुद्दे पर गंभीर चर्चा हुई। ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन बिहार के महासचिव राजकुमार झा ने कहा कि दुर्घटना निश्चित रूप से पीड़ादायक थी। लेकिन उससे भी पीड़ादायक जिला प्रशासन द्वारा असली गुनहगार को बचाने के लिए इस घटना का सारा ठीकरा ऑटो के ओवर लोड पर फोड़ कर पूरे ऑटो एवं ई रिक्शा पर कारवाई करना है। श्री झा ने कहा कि मैं ये नहीं कह रहा हूं की ओवरलोड करना सही है, परंतु दुर्घटना के सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि ये घटना क्रेन के गलत तरीके से पीछे करना एवं पीछे करने वक्त वहां किसी भी कर्मी का न होना है। जबकि कायदे से ये होता है कि जब भी चालू सड़क में क्रेन को आगे पीछे किया जाता है तो उस रास्ते पर थोड़ी देर के लिए परिचालन को बाधित कर दिया जाता है। परंतु सुबह के समय में क्रेन को गलत तरीके से पीछे किया गया जिसके चलते इतनी बड़ी दुर्घटना घटी। परंतु जिला प्रशासन ने मेट्रो निर्माण कंपनी को बचाने के लिए पूरे ऑटो चालकों पर ओवरलोड के नाम पर कारवाई शुरू कर दी ताकि लोगों को लगे कि ये दुर्घटना ओवरलोड के वजह से हुई है। अगर जिला प्रशासन ओवरलोड पर इतना हीं सीरियस है तो फिर बसों में ठूस ठूस कर पैसेंजर क्यों बिठाए जा रहे हैं?उन पर कोई कारवाई क्यों नहीं हो रही है? श्री झा ने कहा कि अगर इस घटना की निष्पक्ष जांच की जाए तो जिला प्रशासन का असली चेहरा सामने आ जाएगा। जहां तक सवाल ऑटो में तीन पैसेंजर बिठाने का है तो हम तैयार हैं।मगर परिवहन विभाग पहले तीन पैसेंजर पर किराया तो तय करे। हमारे संगठन किराए में 40% बढ़ोतरी का प्रस्ताव RTA बोर्ड को आज से तीन महीने पहले दे चुका है। मगर अभी तक इस पर कोई पहल नहीं की गई है। पाटलिपुत्र स्टेशन पर एक बार जाने पर टेम्पो व ई रिक्शा चालक से 70 रुपए ठेकेदारी लिया जाता है। इसी तरह से दानापुर स्टेशन पर 50 रुपए ठेकेदारी लिया जाता है।मीठापुर गुमटी एवं मीठापुर बाईपास पर 30 -30 रुपए अवैध रूप से ठेकेदारी लिया जाता है परंतु जिला प्रशासन को इससे कोई लेना देना नही है। जिला प्रशासन का मानना है कि जबरदस्ती सड़क पर पैसा वसूलना गलत नही है। मगर ड्राइवर ऑटो पर एक भी सवारी आगे बिठा लेते हैं तो वो सबसे बड़ा अपराध है। जिला प्रशासन अगर ईमानदारी से समस्या का समाधान चाहती है तो सबसे पहले इस मुद्दे पर एक बैठक आयोजित करे, नही तो इसी तरह से मनमानी चलती रही तो ऑटो एवं ई रिक्शा चालक आंदोलन को विवश हो जायेंगे और इसकी सारी जवाबदेही पटना जिला प्रशासन की होगी। बैठक में पटना जिला ऑटो रिक्शा चालक संघ के अध्यक्ष पप्पु यादव, महासचिव बिजली प्रसाद, रविंद्र तिवारी संतोष चौधरी,राकेश कुमार, अरबिंद कुमार,राजकुमार, बेदानंद झा,बिहार स्टेट ऑटो चालक संघ से चुन्नू सिंह, सत्येंद्र लाल,ई रिक्शा कल्याण मंच से रवि रंजन सोनी, पटना जिला ई रिक्शा चालक संघ से हिमांशु कुमार, मनोज कुमार आदि मौजूद थे।

जियालाल आर्य के उपन्यास - 'सफेद चादर' का लोकार्पण तथा लघुकथा संगोष्ठी

नई सोच एक्सप्रेस

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने बिहार के पूर्व गृह सचिव और वरिष्ठ लेखक जियालाल आर्य के उपन्यास 'सफेद चादर ' का लोकार्पण करते हुए कहा कि उपन्यासकार जियालाल आर्य की लेखन शैली मोहित करती है। उनका उपन्यास 'सफ़ेद चादर' एक ऐसी रचना है, जिसे पढ़ना आरंभ करने के बाद समाप्त किए बिना छोड़ने का मन नहीं करता। समाज को केंद्र में रखकर अनेक उपन्यास लिखे गए हैं, किंतु श्री आर्य का यह उपन्यास हिन्दी साहित्य में विशेष महत्त्व रखता है । श्री यादव ने बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन , पटना (बिहार) द्वारा आयोजित सम्मेलन सभागार में कहा कि पुस्तक के लेखक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के रूप में, समाज के विभिन्न स्तरों से जुड़े रहे हैं। इनके सामाजिक सरोकारों और अनुभवों से इनकी लेखनी समृद्ध हुई है। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने समारोह की अध्यक्षता की । उन्होंने कहा कि, लोकार्पित पुस्तक के लेखक एक संवेदनशील और गहन सामाजिक-दृष्टि रखने वाले रचनाकार हैं। 'सफ़ेद चादर' में इनकी लोक-चेतना और जीवन के अनेक मूल्यों को अभिव्यक्ति मिली है। यह एक मर्म-स्पर्शी और हिन्दी उपन्यास में विशेष स्थान रखने वाली अत्यंत मूल्यवान कृति है, जिसमें आंचलिकता और ग्राम्य-जीवन के विविध पहलुओं के साथ जीवन-संघर्ष, जिजीविषा और जीवटता को शक्ति मिली है। कथा-नायिका के माध्यम से लेखक ने यह सिद्ध किया है कि जीवन और समाज के प्रति आस्था रखने वाले लोग कभी पराजित नही होते। वे समाज के होते हैं और समाज उनका हो जाता है। समारोह के मुख्य अतिथि और राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि लोकार्पित पुस्तक के लेखक अपनी प्रशासनिक सेवा की भाँति साहित्य-सेवा में भी प्रशंसनीय

प्रतिष्ठा अर्जित की है। लोकार्पित पुस्तक से हिन्दी के पाठक अवश्य ही लाभान्वित होंगे। पुस्तक के लेखक जियालाल आर्य ने कृतज्ञता-ज्ञापित करते हुए बताया कि, यह पुस्तक एक सच्ची कहानी पर आधारित है। इस कथा की नायिका की संघर्ष-गाथा और उनके त्याग-बलिदान का मैं साक्षी रहा हूँ। यह एक भारतीय गाँव की कहानी है, जिसके अनेक पात्र अब भी जीवित हैं। कथा-नायिका के महान संघर्ष और उनकी समाज-सेवा ने मुझे इसे उपन्यास का रूप देने के लिए प्रेरित किया। यह संघर्षरत लोगों के लिए प्रेरणादायक सत्य-कथा है। समारोह के विशिष्ट अतिथि और दूरदर्शन, बिहार के कार्यक्रम-प्रमुख डा.राजकुमार नाहर, सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा. शंकर प्रसाद, डा. मधु वर्मा, डा. ध्रुव कुमार तथा डा. मनोज गोवर्द्धनपुरी ने भी अपने विचार व्यक्त किए । मंच का संचालन ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद ज्ञापन सम्मेलन के प्रबंध मंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया। इस अवसर पर एक लघुकथा-गोष्ठी भी आयोजित की गई

- **समाज की विसंगतियों को दर्शाती है डा.बिन्देश्वर प्रसाद गुप्त, डॉक्टर पुष्पा जमुआर , मीना कुमारी परिहार, डा. मनोज गोवर्द्धनपुरी की लघुकथायें- डा.बिन्देश्वर प्रसाद गुप्त**

जिसमें में डा. शंकर प्रसाद ने 'रंग' शीर्षक से, कुमार अनुपम ने 'थप्पड़', डा. पुष्पा जमुआर ने 'नज़रिए की बात', डॉक्टर बिंदेश्वर प्रसाद गुप्ता ने ' समाज का दंश ', मीना कुमारी परिहार ने 'अक़्ल पर पत्थर', प्रभा कुमारी ने 'जाड़े की रात', प्रियंका ने 'हिन्दी का महत्त्व', तथा डा. मनोज गोवर्द्धनपुरी ने 'सुख का अनुभव' शीर्षक से अपनी -अपनी लघुकथा का पाठ किया। समारोह में, डा. शालिनी पाण्डेय, नीता सहाय, नरेंद्र कुमार झा, डा. चंद्रशेखर आज़ाद, डा. कुंडन लोहानी, आनन्द शर्मा, अधिवक्ता दीपक कुमार, सच्चिदानन्द शर्मा, कवि पंकज वसंत, भास्कर त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में सुधीजन और साहित्यकार उपस्थित थे। कहना न होगा कि बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन पटना , लगातार नियमित रूप से देश के सर्वाधिक लोकप्रिय एवं सुप्रतिष्ठित हिन्दी के साहित्यकारों व हिन्दीसेवियों की जन्म तिथि के अवसर पर उनका जन्म दिवस तथा साहित्यकारों की पुस्तकों का लोकार्पण , कवि गोष्ठी तथा लघुकथा गोष्ठी जैसे साहित्यिक समारोहों का आयोजन कर हिंदी को समृद्ध करता आ रहा है अतः इस प्रकार के आयोजनों से सम्मेलन के पदाधिकारियों और सदस्यों की सक्रियता से अवगत कराते हुए उनकी हिंदी की प्रगति और हिंदी की सेवा के संदर्भ में पूरे देश में एक सकारात्मक , सोद्देश्यपूर्ण , सार्थक, प्रेरणास्पद व अनुकरणीय संदेश भी स्वतः भेजा जा रहा है , यदि कहा जाये तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

बिहारियों से रही है मोदी को चिढ़: डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डा0 अखिलेश प्रसाद सिंह ने दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए भाषण में बिहारियों के बारे में की गई टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। प्रधानमंत्री के बयान को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि मोदी जी के दिल में बिहारियों के प्रति हमेशा से चिढ़ रही है और किसी न किसी बहाने वे इसको दर्शाने से भी नहीं चुकते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार में आकर बिहार की जनता के जख्म को कुरेदने और उनको भड़काने का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने बयान में महाराष्ट्र में बिहार और उत्तरप्रदेश के लोगों के साथ हुए दुव्यवहार के लिए इंडिया गठबंधन को जिम्मेदार ठहराया है। जबकि हकीकत यह है कि बिहारियों के प्रति तब नफरत फैलाने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के

प्रमुख राज ठाकरे आज भारतीय जनता पार्टी की गोद में खेल रहे हैं। इससे पहले भी मोदी बिहारियों के डीएनए पर सबाल खड़ा कर चुके हैं। प्रधानमंत्री बिहार के साथ सौतेला व्यवहार करते रहे हैं। बातें बहुत की मगर किया कुछ नहीं। डा0 सिंह ने कहा कि अब बिहार की जनता देश के उनसे जानना चाहती है कि दस वर्षों में उनकी उपलब्धी क्या रही। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2019 में बिहार की जनता ने 40 में से 39 सीटें प्रधानमंत्री जी की झोली में डालने का काम किया था, लेकिन बिहार की उपलब्धी को इन पांच वर्षों में जनता को बताने के लिए प्रधानमंत्री जी के पास कुछ भी नहीं है। इन्होंने न केवल बिहार को बल्कि पूरे देश को धोखा देने का काम किया है।यहां तक कि प्रधानमंत्री ने बिहार के अलग-अलग जगहों पर बंद पड़े कल-कारखानों को शुरू करने के अलावा राज्य में अन्य नये उद्योगों के शुरूआत की भी बात बिहार की जनता से किया था। लेकिन उनके वादे ढाक के तीन पात से ज्यादा कुछ भी नहीं रहे। डा0 सिंह ने यह भी कहा कि देश के प्रधानमंत्री जी के रिपोर्ट कार्ड में केवल अल्पसंख्यक और बहुसंख्यकों के बीच खाई पैदा करने एवं देश के लोगों को आपस में तोड़ने के अलावा कोई उपलब्धी के शब्द नहीं हैं। अब बिहार की जनता उनके फरेब को समझ चुकी है और इस बार के चुनाव में मुंहतोड़ जबाव देगी।

प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसेवक दिल्ली रवाना

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। एक्सपोजर विजिट के लिए प्रेम यूथ फाउंडेशन के स्वयंसवको के जत्था को सीए संजय कुमार झा ने हरी झंडी दिखाकर एनजीओ हेल्पलाइन पटना से रवाना किया । उन्होंने अपने संबोधन कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश और आज पूरी दुनिया भारत के प्रति आशा भरी नजरों से देख रही है । लेकिन आज भी कुछ लोग जाति गिनकर राजनीति में बना रहना चाहते है । जात,पात, धर्म,भाषा,क्षेत्र,रंग के नाम पर लोगो को लड़ाने का प्रयास किया जाता है । सामाजिक समरसता को बनाये रखने में फाउंडेशन उल्लेखनीय योगदान दे रहा है देश भर युवाओं की टीम भेजकर प्रेम शांति और भाईचारे का संदेश दे रहा है । उन्होंने युवाओं से अपील किया कि राष्टीय एकता और अखंडता को अक्षुण्य बनाये रखने के लिए युवाओं को आगे आना होगा । युवाओं के अथाह शक्ति और साहस को सही दिशा में उपयोग कर

हम अग्रणी देशों में सुमार हो सकते हैं । वहीं फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने बताया कि दिल्ली में देश भर से युवा/युवति जुट रहे है । वे एक दूसरे के रहन सहन, सँस्कृतिक सभ्यता ,खान पान से अवगत होंगे साथ ही अपने अपने क्षेत्र के लोककलाओं का भी प्रदर्शन करेंगे । उन्होंने जातिवादी नेताओं को आतंकी से भी खतरनाक बताया । मनुष्य जन्म के समय जैविक रूप से एक समान होता । हम अपने सुविधानुसार उस बच्चे के दिमाग मे जाति और धर्म को फीड करते हैं और व्यक्ति पूरा उम्र उसी केचुल में बिता देता है जबकि जाति और धर्म मानव निर्मित । उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि जाति के दुकान चलाने बाले लोगों को उखाड़ फेंके । वही पत्रकार मो आशिफ ने कहा कि विघटनकारी शक्तियों से सतर्क रहें नौजवान । जातिवाद ओर धार्मिक उन्माद जहर के समान है । जाति तोड़ो मानव जोड़ो अभियान चलाया जाएगा। दल के दलनायक गोपी कुमार होंगे । दल में सुधांशू कुमार, रत्न विशाल ,आर्यन राज,शौरभ कुमार समेत दर्जनों स्वयंसवक शामिल है ।

तेजस्वी प्रसाद यादव के बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर मोदी जी बेचैनी में तेजस्वी जी पर उपहास की भाषा इस्तेमाल कर रहे हैं: एजाज अहमद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा श्री तेजस्वी प्रसाद यादव को बिहार का शहजादा कहने पर आपत्ति प्रकट करते हुए कहा कि इस तरह की भाषा प्रधानमंत्री के मुंह से बोला जाना स्पष्ट करता है कि उनको कहीं न कही बेचैनी और बौखलाहट है जो तेजस्वी प्रसाद यादव की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे हैं। इस तरह के बयान से प्रतीत होता है और ऐसा लगता है कि इस तरह की भाषा बोलकर वो कहीं न कहीं आम जनता और नौजवानों को मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। जबकि बिहार की जनता और नौजवान मुद्दों से भटकने वाले नहीं है और लोग प्रधानमंत्री की सभा में नहीं आकर स्पष्ट रूप से संदेश दे रहे हैं कि धर्म और भ्रम की राजनीति को बिहार की जनता पसंद नहीं करती है। बिहार की जनता प्रधानमंत्री

से जानना चाहती है कि हर साल दो करोड़ नौकरी देने की बात करने वाले नौकरी नहीं देकर श्री तेजस्वी जी को शहजादा कहकर स्वयं का मजाक क्यों बनवा रहे हैं। एजाज ने आगे कहा कि नेता प्रतिपक्ष श्री तेजस्वी प्रसाद यादव उस पिता श्री लालू प्रसाद जी के पुत्र हैं जिसने संघर्षों और गरीबी में जिंदगी बिताकर शोषितों, वंचितों पिछड़ों, अतिपिछड़ों, दलितों, आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों के प्रति सामाजिक न्याय की अवधारणा की मजबूती दी और लोगों को गले लगाने का जो सीख दिया उसी को आगे बढ़ाते हुए तेजस्वी प्रसाद यादव ने 17 महीने के कार्यकाल में आर्थिक न्याय के माध्यम से हर वर्ग के नौजवानों के चेहरे पर मुस्कुराहट दी, उनका भविष्य बेहतर किया साथ ही साथ 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था को बढ़ाकर लोगों को हक और अधिकार दिया। आज प्रधानमंत्री जी को आरक्षण व्यवस्था को नौवीं अनुसूची में केन्द्र सरकार के द्वारा शामिल किये जाने पर बात करनी चाहिए थी। साथ ही महंगाई, युवाओं के रोजगार, शिक्षा व्यवस्था को महंगी किये जाने पर तथा हम दो और हमारे दो के बढ़ावा पर चर्चा करनी चाहिए थी और बताना चाहिए था कि लोगों के साथ इनकी सरकार दस सालों के बाद भी न्याय क्यों नहीं कर सकी। इन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी आपने दरभंगा में एम्स के निर्माण की घोषणा की थी, क्या आपने उस एम्स के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की या सिर्फ बातों की जुमलाबाजी करके जनता को भरमाने का काम किया। कोविड कार्यकाल में देश में स्वास्थ्य व्यवस्था किस तरह की थी यह बताने की आवश्यकता नहीं है और पूरा देश परेशान रहा। लेकिन आप उस परेशानी को चर्चा में लाने की जगह अपना बखान करते रहे। बिहार के मजदूर किन परेशानियों में बिहार आये उसमें आप अपने गठबंधन के नेता नीतीश कुमार के संबंध में एक शब्द भी नहीं कहे। जबकि उस समय आप भी नीतीश जी के साथ बिहार में सत्ता के साझेदार थे। इधर-उधर की बात करने वाले प्रधानमंत्री जी आप बिहार का जिसे शहजादा कह रहे हैं वो आपके लिए उपहास का विषय हो सकता है लेकिन बिहार के आम-आवाम और जनता के लिए नौकरी मैन और रोजगार देने वाला क्रांतिकारी सोच का नेता यूथ ऑइकॉन श्री तेजस्वी प्रसाद यादव हैं, जिसको जनता का जनविश्वास मिला हुआ है और आप उस नौजवान से मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं जिस कारण ऐसी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं।

लोकसभा चुनाव के बीच PK का बड़ा ऐलान - 2025 विधानसभा चुनाव में 243 में से 75 सीटों पर अति-पिछड़ा समाज को चुनाव लड़ाया जाएगा, पूरी ताकत और व्यवस्था लगाएंगे ताकि आप जीत कर आगे आ सकें

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा कि गरीबों का हक हर उस सरकार ने मारा है जो पिछड़ों की बात कर पिछड़ों से सिर्फ वोट लेते आया है। बिहार में आज सबसे अशिक्षित बच्चे पिछड़ों के समाज से हैं। आपने भागीदारी मांगी सत्ता में, आपको भागीदारी मिली गरीबी और भुखमरी में। आज इस मंच से मैं आप सब से हाथ जोड़कर विनती करने आया हूं कि किसी दल किसी नेता का झंडा ढोने के जगह अपना फायदा देखिए अपने बच्चों का फायदा देखिए तभी जाकर आपकी उन्नति हो सकेगी। साल 2025 के विधानसभा चुनाव में पहली बार आप देखेंगे कि किसी राजनीतिक प्लेटफॉर्म से कम से कम 75 लोग आपके समाज से विधायक का चुनाव लड़ेंगे। पिछड़े समाज के लोगों को अगर चुनाव लड़ाएंगे तो चुनाव लड़ाने की तैयारी भी कराएंगे और उसके पीछे जन सुराज अपनी पूरी ताकत और व्यवस्था लगाएगा ये आपको मैं आश्वासन दे रहा हूं।

प्रधानमंत्री खुद अपने अतीत का ध्यान नहीं रखते और दूसरे को अतीत का ध्यान रखने को कहते हैं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। राजद प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने कहा है कि प्रधानमंत्री जी आज दरभंगा में कह रहे थे कि " जरुरी है कि हम अतीत का ध्यान रखें " । पर वे खुद अतीत में दरभंगा एम्स के बारे में कही अपनी बातों को भूल गए हैं। इसी प्रकार सभी को 2022 तक पक्का मकान देने की बातों को भी भूल गए हैं और आज फिर तीन करोड़ पक्का मकान देने का सपना दिखा कर चले गए। राजद प्रवक्ता ने कहा कि 15 सितम्बर 2020 को हीं प्रधानमंत्री जी ने ट्वीट कर दरभंगा में एम्स निर्माण की बात कही थी चुकी बिहार में विधानसभा का चुनाव होने वाला था। 28 अक्टूबर 2020 को वे बिहार विधानसभा चुनाव के प्रचार के सिलसिले में जब दरभंगा आये थे तो अपने भाषण में उन्होंने कहा था कि अगले वर्ष मैं दरभंगा एम्स का उद्घाटन करने के लिए हीं दरभंगा आऊंगा। इतना हीं नहीं 2 अगस्त 2023 को पं बंगाल के एक कार्यक्रम में तो उन्होंने बजाप्ता यह दावा भी कर दिया था कि दरभंगा में एम्स खुल चुका है। आज फिर 28 अक्टूबर 2020 को दरभंगा में कही अपनी उन्हीं बातों को दूहरा कर चले गए। आज दरभंगा में उन्होंने यह भी कहा कि तीन करोड़ पक्का मकान गरीबों के लिए बनाया जाएगा। जबकि अतीत में कही अपनी उन बातों को वे भूल गए जब उन्होंने कहा था कि 2022 तक सभी के मकान पक्के बन जाएंगे। राजद प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री जी दूसरों को तो अतीत का ध्यान रखने को कहते हैं पर खुद अतीत में कही अपनी बातों को भूल जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

नए भारत के लिए मोदी और नए बिहार के लिए नीतीश की जरूरत : ललन

पटना। जदयू के वरिष्ठ नेता, विधान परिषद के सदस्य और पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष ललन सर्राफ ने शनिवार को झंझारपुर लोकसभा क्षेत्र से एनडीए उम्मीदवार रामप्रीत मंडल के समर्थन में लगातार तीसरे दिन सघन जनसंपर्क अभियान किया। आज उन्होंने मधेपुर, तमुरिया और लौकही बाजार का दौरा किया और लोकतंत्र के महायज्ञ में व्यवसायी समाज से सक्रिय सहयोग मांगा। इससे पहले उन्होंने जयनगर, खजौली, बाबूबरही, नरहिया, लौकहा और खुटौना बाजार जाकर व्यवसायी समाज से एनडीए के पक्ष में मतदान की अपील की थी। इस दौरान कंचन गुप्ता, कमल नोपानी, गणेश कानू, नगीना चौरसिया, टिंकू कसेरा, अजय टिबरेवाल, सुजित पाठक, धर्मेन्द्र साह, शिव गुप्ता, शशिकांत गुप्ता, ललित शारदा, अब्दुल कयूम, दिनेश गुप्ता, राम इकबाल चौधरी, वैद्यनाथ साह, मानिक साह, रामबाबू चौधरी, दीपनारायण साह, प्रदीप साह, क्रांति कुमारी, सुबोध कुमार ठाकुर, समेत बड़ी संख्या में जदयू के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ-साथ प्रतिष्ठित व्यवसायीगण भी उनके साथ रहे। इस मौके पर ललन सर्राफ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र के बिना आत्मनिर्भर भारत और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बिना विकसित बिहार की कल्पना नहीं की जा सकती। नए भारत के लिए हमें नरेन्द्र मोदी और नए बिहार के लिए नीतीश कुमार की जरूरत है। बिहार का व्यवसायी समाज डबल इंजन की सरकार के काम को जानता है। यह समाज विकासविरोधियों के भ्रमजाल में हरगिज नहीं फंसेगा और एनडीए के पक्ष में पूरे उत्साह से मतदान करेगा। झंझारपुर से श्री रामप्रीत मंडल की जीत सुनिश्चित है।

नीतीश सरकार के शासन में बिहार में शांति बहाल हुईः उमेश

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा शनिवार को गोपालगंज लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी डॉ आलोक कुमार सुमन एवं सिवान लोकसभा से विजयलक्ष्मी कुशवाहा के नामांकन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार को देशभर में कुशासन और जंगलराज की संज्ञा दी जाती थी। 2005 से पहले का बिहार कैसा था और आज का बिहार कैसा है, इससे हम सभी परिचित हैं। जंगलराज के उस काले दौर में कोई वापस लौटना नहीं चाहता है। उन्होंने कहा कि तत्कालीन राजद सरकार के गोद में बैठे अपराधियों ने सिवान को जंगलराज का अड्डा बना दिया था। यहाँ की मताएं-बहनों ने 15 सालों तक अपनी जिंदगी घुटन में बिताने पर मजबूर रहीं लेकिन 2005 में जब नीतीश कुमार के नेतृत्व में नई सरकार बनी तो सिवान में शांति और सुशासन का सूर्योदय हुआ। उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने माफियाराज को जड़ से समाप्त कर सिवान सहित पूरे बिहार को भयमुक्त बनाया। आज घर की बहन-बेटियाँ निर्भीक होकर स्कूल-कॉलेज जाती है और अपने सपनों को पूरा कर रही है। बिहार में आधी आबादी के लिए जो कार्य हुए, उसका देश और दुनिया में कोई मुकाबला नहीं। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश के सर्वांगीण विकास को भी नई गति प्रदान की। आज बिहार जंगलराज के अंधकार से निकलकर तरक्की के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। नीतीश सरकार ने समाज के सभी वर्ग को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 18 वर्षों के कार्यकाल में सम्पूर्ण बिहार ने विकास के सुनहरे दौर को देखा है तो दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भर और विकसित भारत का स्वप्न साकार करने में लगे हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि राजद-कांग्रेस ने अपने-अपने शासनकल में जनता को सिर्फ ठगने का काम किया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता की आँखों में धूल झोंकने वाली राजनीतिक दलों से आगाह रहने की जरूरत है। विपक्षी पार्टियां सिर्फ अपने स्वार्थ की राजनीति करती है। उनकी प्राथमिकता सिर्फ परिवार तक सीमित है। जबकि हमारे नेता देशवासियों एवं बिहारवासियों को अपना परिवार मानते हैं।

भाकपा नेता ब्रजकुमार पाण्डेय नहीं रहे

पटना। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिवमंडल ने पार्टी के वरिष्ठ नेता डा. ब्रज कुमार पाण्डेय के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है उनका निधन आज 04 मई को अहले सुबह हो गया। ब्रजकुमार पाण्डेय भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के पुरानी पीढ़ी के वरिष्ठ नेता थे। बिहार विश्व विद्यालय के राजनीतिक विज्ञान के वे ख्याति प्राप्त व्याख्याता थे। पाण्डेय अखिल भारतीय शांति एकजुटता संगठन की बिहार इकाई के अध्यक्ष, अखिल भारतीय सांस्कृतिक सहयोग एवं मैत्री संघ बिहार के पूर्व महासचिव तथा बिहार राज्य प्रगतिशील लेखक संघ के वर्त्तमान अध्यक्ष थे। आज 04 मई को अहले सुबह तीन बजे के लगभग उनका निधन हाजीपुर के समता कॉलोनी स्थित निवास पर हो गया। वे 90 वर्ष के थे। उनका जन्म 16 जनवरी, 1937 को बक्सर जिला के ब्रह्मपुर प्रखंड के गायघाट गांव में हुआ था। वे बक्सर जिला के ही मूल निवासी थे और डुमरांव के खिरौली में उनकी शादी हुई थी। उन्हें दो पुत्र एवं एक पुत्री हुई थी। बड़े पुत्र का पूर्व में ही आकस्मिक निधन हो गया था। छोटा पुत्र मनोज पाण्डेय, पुत्री स्मृति गौतम, धर्मपत्नि शांति पाण्डेय एवं दामाद पी एन कॉलेज परसा के प्रिंसिपल डा. पुष्पराज गौतम उनके परिवार के रूप में अब रह गये हैं।डा. ब्रजकुमार पाण्डेय एक विद्वान लेखक थे। उनकी सामाजिक आर्थिक एवं वैचारिक विषय पर 80 के लगभग पुस्तकें प्रकाशित है।पार्टी के राज्यसचिव रामनरेश पाण्डेय सहित राज्य सचिवमंडल ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा है कि पाण्डेय जी के निधन से बिहार के सम्पूर्ण कम्युनिस्ट और जनवादी-धर्मनिर्पेक्ष एवं प्रगतिशिल आंदोलन को बड़ी क्षति हुई है जो अपूरणीय है। राज्य सचिवमंडल ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है तथा शोक-संतप्त परिवार को संवेदना प्रेषित किया है।

नए पशु चिकित्सालय के लिए उपलब्ध कराएं जमीनः प्रधान सचिव

गया। जिला अतिथि गृह के सभाकक्ष में शुक्रवार को पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और कई आवश्यक निर्देश दिए। इस बैठक में गया के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम भी मौजूद रहे। इस बैठक में जिला के सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से एम्बुलेन्ट्री वैन का परिचालन और चिकित्सा शिविर आयोजन कराने का निर्देश दिया गया। इस दौरान जिला में सम्पन्न और चल रहे टीकाकरण, एफएमडी/एलएसडी/पीपीआर की गहन समीक्षा की गई। साथ ही आपदा के संबंध में चारा दर निर्धारण को निविदा प्रकाशन का भी निर्देश दिया गया। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने कहा कि जिले के सभी पशु चिकित्सालयों में प्रर्याप्त मात्रा दवाईयां उपलब्ध है और आपदा में विशेष परिस्थिति से निपटने को जिले के सभी प्रखण्डों में चिकित्सीय दल का गठन कर लिया गया है। बताया गया कि जिले में कुल 27 कैटल ट्रफ का निर्माण कराया गया है, जिसमें 07 कार्यरत हैं और 20 अक्रियाशील है। अक्रियाशील कैटल ट्रफ की मरम्मति के लिए लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, गया को पत्र भेजा गया है। नया पशु चिकित्सालय के भवन निर्माण को जमीन उपलब्ध कराने के लिए अग्रेतर कारवाई का निर्देश जिला पशुपालन पदाधिकारी, गया को दिया गया। कृत्रिम गर्भाधान केन्द्रों के निरीक्षण का आदेश इसके बाद मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार, पटना के द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें भ्रमण दर्शण, प्रशिक्षण, मुख्यमंत्री तालाब मात्स्यिकी विकास योजना अंतर्गत उन्नत इनपुट योजना की शत प्रतिशत उपलब्धि हुई। पठारी क्षेत्र तालाब निर्माण, तालाब मात्स्यिकी विशेष सहायता योजना, यांत्रिक एरेटर योजना में अपेक्षित उपलब्धि प्राप्त करने का निर्देश दिया गया।

इंडिया गठबंधन ने किया जनसंवाद, जीत के लिए झोंकी ताकत

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर। राजापाकर प्रखंड अंतर्गत जाफरपट्टी पंचायत के अलीपुर मंझीपुर गांव में वार्ड सदस्य एवं युवा राजद के जिला महासचिव सुबोध पटेल के दरवाजे पर आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर इंडिया महागठबंधन प्रत्याशी शिवचंद्र राम के पक्ष में राजद के वरिष्ठ नेता इंजीनियर सुनील सिंह, युवा राजद के जिलाध्यक्ष संजय पटेल एवं राजद के जिला प्रधान महासचिव संजय राय के नेतृत्व में जोर-शोर से चुनाव प्रचार अभियान चलाया गया। इस चुनाव प्रचार अभियान में बड़ी संख्या में युवा साथियों के साथ जनसंवाद किया और ज्यादा से ज्यादा वोट देकर जिताने का आग्रह किया गया। युवा साथियों ने सहयोग व समर्थन के साथ हर संघर्ष में हमेशा साथ खड़ा रहने का भरोसा दिलाया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अभिषेक शर्मा उर्फ मंटू जी, गुड्डू राय, राम प्रवेश राय, चंदन सिंह, विजय सिंह, मुखिया संजय राम, वार्ड सदस्य लक्ष्मण पटेल, चंदेश्वर सिंह, दर्शन सिंह, उमेश सिंह, विनोद सिंह, अभय सिंह, वार्ड सदस्य सोनू कुमार, पंच सदस्य सुनील सिंह, छोटन सिंह, सुशील कुमार, रामप्यारे कुमार, तुलसी कुमार, गुड्डू कुमार, सुकेश कुमार, बिपिन कुमार, पिन्टु कुमार, गोपाल कुमार, ज्वाला सिंह, राजा कुमार, विपुल सिंह, जैकी कुमार, विक्की कुमार, सुबोध सिंह, सिट्टू पटेल, नवीन पटेल, गुड्डू कुमार, राजेश कुमार, अजय कुमार, चुन्नू कुमार, सुभाष कुमार, विजय कुमार, गुलशन कुमार, शिवकुमार, बिरू कुमार, अंकित कुमार, अजीत कुमार सहित सैकड़ों लोग उपस्थित हुए।

दर्द के बहाने लोगों को गुमराह न करें तेजस्वीः सेतु

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के प्रदेश महासचिव और मीडिया पैनलिस्ट ओम प्रकाश सिंह सेतु ने राजद नेता तेजस्वी यादव को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुथकामनाएं देते हुए नसीहत दी है कि यदि कमर में दर्द है तो आराम करें और नहीं करना है तो कम से कम इसको लेकर राजनीति न करें। नेता विपक्ष लोगों को गुमराह न करें। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत जदयू - भाजपा के सभी नेता देश के विकास और जनता के हित की चिंता औतर उनकी उम्मीदों और सपनों को पूरा करना ही है। नीतीश कुमार ठंड, गर्मी और बरसात की परवाह न करते हुए, विकास यात्रा, न्याय यात्रा, विश्वास यात्रा के जरिए लोगों के बीच जा चुके हैं। श्री सेतु ने कहा है कि लालू -राबड़ी राज के दौरान किसानों और खेती की क्या हालत बिहार में थी, उसके बारे में भी तेजस्वी जी बताएं। जंगलराज से भयभीत होकर कितने मजदूर, किसान, कारोबारी और डाक्टर बिहार से पलायन कर गए, इसके बारे में भी बताना चाहिए। तब बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाएं, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की क्या हालत थी, इसके बारे में भी लोगों को खासकर आज की युवा पीढ़ी को बताएं। लालू परिवार ने अपने स्वार्थ में जितने गरीबों की आह ली है, वह जाया नहीं जाने वाला। तेजस्वी यादव के माता-पिता के जंगलराज के दौरान कई बेगुनाह जान से हाथ धो बैठे। उनके परिजनों ने जो उनसे उम्मीद लगा रखी थी, जो सपने देख रखे थे, वह सारे बुझ गए।

हनुमान चालीसा दुनिया की सबसे सरल और शक्तिशाली स्तुति है - इसकी हर चौपाई अलग अलग रूप से शक्तिशाली है

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारतीय संस्कृति में श्री राम भक्त हनुमान जी का बहुत महत्व है। हनुमान जी का नाम आते ही शरीर में एक अद्भुत शक्ति का संचार होने लगता है।दुनियाँ में लोगों की आस्था हनुमान जी के प्रति अवर्णनीय है। कहा जाता है कि अगर किसी को कभी भी-कहीं भी, डर या भय लगता है तो हनुमान जी का नाम लेने से भय और डर दूर हो जाता है। इतना ही नहीं, यदि हनुमान चालीसा का कोई पाठ करता है तो सोने में सुहागा होता है क्योंकि जीवन की हर समस्या का समाधान हनुमान चालीसा द्वारा किया जा सकता है। हनुमान चालीसा दुनिया की सबसे सरल और शक्तिशाली स्तुति है। इसकी हर चौपाई अलग अलग रूप से शक्तिशाली है। शास्त्रों के अनुसार, माता सीता के वरदान के प्रभाव से बजरंगबली को अमर बताया गया है। ऐसा माना जाता है आज भी जहां रामचरित मानस या रामायण या सुंदरकांड का पाठ पूरी श्रद्धा एवं भक्ति से किया जाता है वहां हनुमान जी अवश्य प्रकट होते हैं। बुरी आत्माओं को भगाने, साढ़े साती का प्रभाव कम करने, पाप से मुक्ति पाने, कष्ट-बाधा हटाने के लिए हनुमान चालीसा का नियमित पाठ करना चाहिए। मान्यता है कि हनुमान जी अत्यंत बलशाली हैं इसलिए हनुमान जी को भगवान माना जाता है और हर बुरी आत्माओं का नाश कर लोगों को उससे मुक्ति दिलाते हैं। साढ़ेसाती का प्रभाव कम करने के लिए हनुमान चालीसा पढ़ना चाहिए, इससे शनिदेव खुश होते है। इस संदर्भ में कहा जाता है कि हनुमान जी ने शनिदेव की जान की रक्षा की थी, और फिर शनि देव, खुश हो कर यह कहा था कि आज के बाद से, किसी भी व्यक्ति को , जो हनुमान भक्त रहेगा, उसको कोई नुकसान नहीं करेगें। पाप से मुक्ति पाने के लिए व्यक्ति को प्रतिदिन रात के समय हनुमान चालीसा का 8 बार पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से सभी प्रकार के पाप से मुक्ति मिलती है। इतना ही नहीं बल्कि कभी ना कभी जानबूझकर या फिर अनजाने में ही गलतियां होती है उसकी भी माफी हनुमान चालीसा पढ़ने से मिल जाता है। जो भी व्यक्ति हनुमान चालीसा का पाठ रात को करता है, उसे हनुमान जी स्वयं आ कर सुरक्षा प्रदान करते है। इसलिए बचपन से ही सिखाया जाता है कि अगर कभी भी मन अशांत लगे या फिर किसी चीज से डर लगे तो, तुरंत हनुमान चालीसा पढ़ना शुरू कर देना चाहिए। ऐसा करने से मन शांत होता है और डर भी नहीं लगता। हिन्दू धर्म में हनुमान चालीसा का बड़ा ही महत्व है। हनुमान-चालीसा एक ऐसी कृति है, जो हनुमान जी के माध्यम से व्यक्ति को उसके अंदर विद्यमान गुणों का बोध कराती है। इसके पाठ और मनन करने से बल बुद्धि जागृत होती है। हनुमान-चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति खुद अपनी शक्ति, भक्ति और कर्तव्यों का आंकलन कर सकता है। जिन लोगों को रात में डर लगता है या फिर डरावने विचार मन में आते रहते हैं, उन्हें रोज हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिये। हनुमान चालीसा का पूरा पाठ करने में लगभग 10 मिनट लगता है। इसके लिए हनुमान जी और इनके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी के फोटो को रख कर, उनके समक्ष जल से भरा पात्र रखना चाहिए और सबसे पहले भगवान राम और फिर हनुमान जी का ध्यान करने के बाद हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। पाठ के बाद जल को प्रसाद की तरह ग्रहण करना चाहिए। हमेशा प्रयास करना चाहिए कि हनुमान चालीसा के पाठ करने का समय प्रतिदिन एक ही हो। ऐसे तो चालीसा का पाठ विशेष परिस्थिति में यात्रा और सोते समय भी किया जा सकता है। हनुमान चालीसा की हर चौपाई और दोहे चमत्कारी हैं, लेकिन कुछ चौपाइयां ऐसे हैं जो बहुत जल्द असर करता है। इसे सिद्ध भी किया जा सकता है। हनुमान चालीसा का पाठ सिद्ध कर लेने से साधक चमत्कारी हो जाता है क्योंकि इसे सम्पूर्ण रूप से बहुत प्रभावशाली माना गया है। शारीरिक कमजोरियों से मुक्ति के लिए "रामदूत अतुलित बल धामा। अंजनिपुत्र पवनसुत नामा।", सुबुद्धि की प्राप्ति के लिए "महाबीर बिक्रम बजरंगी। कुमति निवार सुमति के संगी।।", विद्या धन की प्राप्ति के लिए "बिद्यबान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।", शत्रुओं से परेशान होने और कोई रास्ता दिखाई न देने पर "भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।", भयंकर बीमारियों से मुक्ति के लिए "लाय संजीवन लखन जियाये। श्रीरघुबीर हरषि उर लाये।।", यह सभी मंत्र प्रमाणित है। ऐसे भी देखा जाय तो सभी देवी-देवताओं की प्रमुख स्तुतियों में सम्भवतः चालिस ही दोहे होते हैं। विद्वानों के मतानुसार चालीसा यानि चालीस, हमारे देवी-देवताओं की स्तुतियों में चालीस स्तुतियां ही सम्मिलित किया गया है। जैसे हनुमान चालीसा, दुर्गा चालीसा, शिव चालीसा आदि। चालीस चौपाइयां हमारे जीवन की संपूर्णता का प्रतीक होता हैं, इसलिए इनकी संख्या चालीस निर्धारित की गई है, क्योंकि मनुष्य का जीवन 24 तत्वों से निर्मित है और संपूर्ण जीवन काल में इसके लिए कुल 16 संस्कार निर्धारित किए गए हैं। इन दोनों का योग 40 होता है। इन 24 तत्वों में 5 ज्ञानेंद्रिय, 5 कर्मेंद्रिय, 5 महाभूत, 5 तन्मात्रा, 4 अन्तःकरण शामिल होता है। भगवान श्रीराम के परम भक्त हनुमान जी सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवताओं में से एक हैं।

अग्निशमन कर्मियों ने आग से बचाव की जानकारी दी

नई सोच एक्सप्रेस

राजापाकर। बिहार अग्निशमन सेवा विभाग द्वारा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न चौक चौराहे पर नुक्कड़ सभा कर लोगों को आग से बचाव की विभिन्न प्रकार की जानकारी दी जा रही है। महुआ के अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी ओंकारनाथ सिंह सहित अग्निशमनकर्मी राजू कुमार, संतोष कुमार, मोहन कुमार, तनुजा कुमारी, रागिनी कुमारी, सौरभ कुमार द्वारा प्रखंड के विभिन्न चौक चौराहे पर केन नदी ओपी के माध्यम से शनिवार से बचाव की जानकारी लोगों को दी जा रही है। लोगों को बताया जा रहा है कि बीड़ी सिगरेट पीकर इधर-उधर नहीं फेंके। घर में गैस सिलेंडर का प्रयोग करते समय यह ध्यान रखें की गैस की महक नहीं आ रही है यदि ऐसा होता है तो तुरंत अपने नजदीकी गैस एजेंसी पर खबर करें । झुग्गी झोपड़ी बनाने में इस्तेमाल समान ज्वलनशील नहीं हो इसका खास ध्यान रखें। झोपड़ी के बाहर एवं अंदर मिट्टी का लेप करने से आग से बचाव किया जा सकता है। मिट्टी के तेल स्टॉप, चूल्हे का इस्तेमाल कम से कम करें। आग लगने पर तुरंत लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में मदद करें। फायर ब्रिगेड बिहार अग्निशमन सेवा के 101 नंबर पर डायल करें यह सेवा मुफ्त उपलब्ध है। गैस सिलेंडर उपयोग के बाद रेगुलेटर को अच्छी तरह बंद कर दें ।घर से बाहर जाते समय घर के सभी बिजली के उपकरण को बंद कर दें। विभिन्न तरीकों को बताया गया ताकि आम लोगों को आग से सुरक्षा के संबंध में जानकारी मिल सके।

बिहार खादी माल में प्रेरणा प्रशिक्षण के दौरान भ्रमण

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।प्रेरणा प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कला, संस्कृति एवं युवा विभाग,बिहार सरकार के नव नियुक्त अधिकारियों का बिहार खादी मॉल में आगमन। अधिकारियों ने खादी मॉल का भ्रमण किया। साथ ही उन्होंने बिहार निर्मित उत्पादों की खरीदारी की व खादी मॉल में प्रदर्शित उत्पादों से प्रभावित होकर प्रशंसा करते हुए कहा कि देसी उत्पातों की बढ़ती माँग आज देश की तरक्की में अहम योगदान दे रही है। आर्थिक विकास का यह मॉडल सबसे अधिक लोगों को रोजगार देने में सक्षम है। खादी मॉल में बिहार के हस्तशिल्प, हैंडीक्राफ्ट और ग्राम उद्योगों का विशाल रेंज है जिससे शहरी लोगों को आसानी से गांव की सुभाषित माटी से युक्त प्रोडक्ट प्राप्त हो जाते हैं। वही गर्मियों में भी खादी निर्मित कपड़े काफी आरामदेह होते है जिससे प्रभावित होकर आज के युवा पीढ़ी भी खादी से निर्मित कपड़े को अपनी पहली पसंद बना रहे है। बिहार के छोटे बुनकरों, जीविका दीदी और कलाकारों को सीधा लाभ पहुँचाने के साथ बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड विशेष अवसरों पर हमेशा अपने ग्राहकों को विशेष छूट देती है।

मिथिला के मूलभूत सवालों से हर बार मुंह मोड़ते हैं पीएम मोदीः राजेश राठौड़

नई सोच एक्सप्रेस

- **हर बार अनुत्तरित रह जाते हैं मिथिलांचल के मूलभूत सवाल, पीएम दे जवाबः राजेश राठौड़**

पटना। बिहार के दरभंगा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बिहार प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कड़े सवाल किए हैं। उन्होंने पूछा है कि प्रधानमंत्री को अपने जनसभा में यह बताना चाहिए कि आखिर दरभंगा एम्स का निर्माण पर प्रधानमन्त्री मौन क्यों हैं? साथ ही उन्होंने सवाल किया कि मोदी सरकार कोसी और बागमती नदी की बाढ़ नियंत्रण पर क्या काम किया गया और मैथिली भाषा की उपेक्षा पर प्रधानमंत्री ने क्या किया? बिहार कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि दरभंगा में एम्स की स्थापना ऐसा वादा है जिसे पीएम मोदी भूल गए हैं। 2020 में मंजूरी मिलने के बाद से स्थानीय लोग 2,100 बिस्तरों वाले अस्पताल का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। हाल ही में, स्वास्थ्य मंत्रालय ने अंततः एक कमिटी को नियुक्त किया जो इस अस्पताल को डिज़ाइन करेगी। दरअसल ऐसा करना महज़ मतदाताओं को यह दिखाने के लिए है कि उन्होंने लोकसभा चुनावों से पहले कुछ प्रगति की है। यह परियोजना इतने लंबे समय तक क्यों रुकी हुई है? साथ ही पिछले 20 वर्षों में, भाजपा ने मैथिली भाषा के विकास, संरक्षण या इसके प्रचार-प्रसार के लिए कुछ नहीं किया है। यह संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल है। वर्ष 1968 में राजभाषा संकल्प ने केंद्र और राज्यों को अनुसूचित भाषाओं के "पूर्ण विकास" के लिए "ठोस उपाय" करने के लिए बाध्य किया था, ताकि वे तेजी से समृद्धि हों और आधुनिक ज्ञान के संचार का प्रभावी साधन बनें। भाजपा ने केंद्र में अपने 10 साल और बिहार में 13 साल के शासन काल के दौरान इस संकल्प की पूरी तरह से अवहेलना की है। उन्होंने प्राथमिक विद्यालयों में इस भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने से इंकार कर दिया है। राज्य की मैथिली अकादमी एक भूतिया संगठन में तब्दील होकर रह गई है, जिसके पास वर्षों से न तो कोई धन है, न कोई अध्यक्ष है और न ही कोई कर्मचारी या प्रकाशन है। प्रधानमंत्री और भाजपा ने इस भाषा की उपेक्षा क्यों की? साथ ही उन्होंने सबसे अहम सवाल किया कि हर मानसून में, कोसी, बागमती, और कमला बालन नदी बाढ़ से इस इलाके में तबाही लाती है। भाजपा के पसंदीदा ठेकेदारों को हर बार तटबंध के पुनर्निर्माण के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिलते हैं। भाजपा और जदयू की सरकार इस समस्या के समाधान के लिए कोई प्रयास किए बिना, बैराज गेट खोलने के लिए नेपाल को दोषी ठहराना पसंद करती है। मोदी सरकार लाखों बाढ़ पीड़ितों की दुर्दशा को नजरअंदाज क्यों कर रही है? क्या मिथिलांचल और कोसी में लोगों की दुर्दशा भाजपा के लिए लाभ कमाने का एक और अवसर बनकर रह गई है? उन्होंने कहा कि अगली बार जब भी बिहार में चुनावी लाभ को जनसभा करने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आयेंगे तो इन अनुत्तरित सवालों के जवाब भी लेकर जरूर आएं।

अब तक 78 लाख 70591 रुपए और करीब 30 करोड़ का ड्रग्स भी बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। लोकसभा चुनाव के दौरान बिहार में भारी मात्रा में कैश जब्त की जा रही है। चुनाव की घोषणा के बाद 78 लाख 70591 रुपए जब्त किए जा चुके हैं। हर दिन औसतन 12 लाख रुपए बरामद हुए हैं। शराबबंदी वाले बिहार में अब तक 30 करोड़ 23 लाख 18 हजार 591 रुपए का ड्रग्स भी बरामद हुआ है। नशा मुक्त बिहार में चुनाव के दौरान हर दिन लाखों रुपए का नशीला पदार्थ जब्त किए जा रहे हैं। निर्वाचन विभाग से मिले आंकड़ों के मुताबिक 30 करोड़ 23 लाख 18 हजार 561 रुपए का ड्रग्स जब्त किया गया है। दूसरे चरण के मतदान से पहले यह आंकड़ा 28 करोड़ 86 लाख रुपए था। पिछले एक सप्ताह के दौरान 1 करोड़ 36 लाख रुपए से अधिक का ड्रग्स जब्त हुआ है। दूसरे चरण के मतदान के ठीक दो दिन बाद सबसे ज्यादा 26 लाख रुपए 62 हजार रुपए का ड्रग्स बरामद हुआ था। जबकि 28 अप्रैल को यह आंकड़ा 14 लाख का था।निर्वाचन विभाग की ओर से बताया गया है कि लोकसभा चुनाव के बाद कैश जांच के लिए राज्य सरकार की पुलिस के साथ सेंट्रल एजेंसी को एक्टिवेट किया गया है। पुलिस विभाग, आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय, आबकारी विभाग, सीजीएसटी, डीआरआई, एनसीबी, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, आरपीएफ, भारतीय विमानन प्राधिकरण, राज्य विमानन विभाग इस काम में लगी हुई है। स्वच्छ और भय मुक्त मतदान के लिए राज्य कर (एसजीएसटी), राज्य परिवहन विभाग, भारतीय डाक विभाग, वन विभाग, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट लेवल बैंकिंग कमेटी और फाइनेंशियल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया शामिल किया गया है।

अग्नि कांड स्थल पर पहुँचे तारिक अनवर, मुवाबजे की माँग

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। कांग्रेस कार्यसमिति सदस्य व पूर्व सांसद तारिक अनवर दो दिवसीय सघन दौरा कर जिले के अग्नि कांड स्थल पर पहुँच कर घटना की जानकारी लिया।अग्नि पीड़ितों से मिले।जिले के बारसोई, प्राणपुर, अमदाबाद, मनिहारी, मानसाही प्रखंड अंतर्गत बंगुरूवा, चिल्हनिया, बबलाबन्ना, करीमुल्लापूर, किशनपुर पंचायत के गारद टोला, नवाबगंज, दिलारपुर के विभिन्न अग्नि पीड़ित क्षेत्रों का मुआयना कर वहां के सभी अग्नि पीड़ित के परिवारजनों से मिलकर हालात का जायजा लिया। पूर्व सांसद ने सभी पीड़ित परिवारों

• बारसोई, प्राणपुर, अमदाबाद, मनिहारी, मानसाही प्रखंड के अग्नि पीड़ितों से मिले

को ढांढस बंधाया। पीड़ितों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए पूर्व सांसद श्री अनवर ने सभी पीड़ित परिवारों को सरकारी सहायता मुहैया कराने का आश्वासन दिया। श्री अनवर ने कहा कि वे जिला प्रशासन से बात करेंगे। यहां के लोगो को काफी क्षति हुई है। आगलगी से सभी प्रभावितों को आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराई जाए साथ ही मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाए। जिला प्रशासन से मांग है की अविलंब चापाकल, चिकित्सा शिविर, कम्युनिटी किचन की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए। आगलगी से प्रभावित परिवारों को काफी परेशानी से जूझना पड़ रहा है एवं काफी क्षति हुई है। अग्नि पीड़ितों का सबकुछ जलकर खाक हो गया। श्री अनवर ने कहा कि जिला पदाधिकारी से वे विस्तारपूर्वक बात करेंगे। श्री अनवर के साथ कटिहार जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कुमार यादव, काँग्रेस विधायक मनोहर सिंह,बी के ठाकुर, चंद्रभानु गुप्त, सऊद मुखिया, निरंजन यादव, युधिष्ठिर मंडल, मुनेंद्र यादव, बदरुद्दीन, अताउर मुख्य रूप से मौजूद थे।

चिराग पासवान दलितों, वंचितों और शोषितों के राष्ट्रीय नेता है

नई सोच एक्सप्रेस

हाजीपुर। चिराग पासवान दलितों, वंचितों और शोषितों के राष्ट्रीय नेता है। ताड़ी पर से प्रतिबंध हटाने, पासवान जाति को महादलितों की सुविधा देने, गरीबों को बेहतर शिक्षा, स्वास्थ मुहैया कराने के लिए निरंतर संघर्ष चिराग पासवान ने किया है। उक्त बातें आज परमानन्दपुर, चेहराकला में जनसंवाद कार्यक्रम में बोलते हुए, लोजपा-(रा) के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सत्यानंद शर्मा एवं युवा लोजपा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने बोलते हुए कहा कि चिराग पासवान बाबू जगजीवनराम और पद्मभूषण रामविलास पासवान के बाद दलितों के राष्ट्रीय स्तर पर सबसे बड़े नेता है। अभी हाजीपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहें है।चिराग पासवान अपने पिता पद्मभूषण रामविलास पासवान के बचे हुए कार्यों को पूरा करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पंकज कुमार साह ने किया। कार्यक्रम में सुरेश पासवान,दीपक गुप्ता,विनोद पासवान, चंदन पासवान,विशेषर ठाकुर ने अपने विचार व्यक्त किया।

लेट्स इंस्पायर बिहार

राहुल कुमार सिंह
मुख्य कोऑडिनेटर, लेट्स इंस्पायर, बिहार

युवाओं को दक्ष नहीं किया जाना और लघुवाद की ओर मोड़ना चौंकाता है

[देश कई भौगोलिक क्षेत्रों में चरम गरीबी और निम्न विकास की स्थिति का अनुभव कर रहा है, जहाँ युवाओं में उत्पादक रोज़गार एवं आजीविका के लिये आवश्यक कौशल मौजूद नहीं है और गतिशील बाज़ार की बदलती मांगों के अनुरूप प्रमुख दक्षताओं के अभाव के साथ ही कार्यबल में तैयारी व उत्साह की कमी है। के बावजूद, युवाओं को दक्ष नहीं किया जाना और लघुवाद की ओर मोड़ना चौंकाता है।]

भारत की समस्या केवल बेरोज़गारी नहीं है, बल्कि रोज़गार पा सकने की अयोग्यता भी है। 650 मिलियन भारतीय 25 वर्ष से कम आयु के हैं, जो विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी है, यह एक अनूठी स्थिति को प्रकट करता है। अगले तीन दशकों में वृद्धिशील वैश्विक कार्यबल का लगभग 22% भारत से उत्पन्न होगा। उपयुक्त हस्तक्षेप के साथ इस जनसांख्यिकीय लाभांश को सरलता से एक संवहनीय/सतत् अवसर में परिवर्तित किया जा सकता है। स्वतंत्रता के बाद की कालावधि में भी भारत में असमानता और बहिर्वेशन की स्थिति बनी रही, जिसका कारण गहराई से अपनी जड़ें जमा चुकी सामाजिक (जैसे जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक और लिंग) और वर्ग आधारित संरचनाएँ हैं। ये लोगों के लिये अवसरों को स्थिर एवं सीमित करती हैं, उन्हें व्यवस्थित रूप से उन अधिकारों, अवसरों और संसाधनों का लाभ उठाने से रोकती हैं जो आमतौर पर समाज के सभी सदस्यों के लिये उपलब्ध होते हैं। इन समूहों के भीतर, बालिकाओं के साथ लैंगिक आधार पर और भी अधिक भेदभाव किया जाता है। इन असमानताओं का स्तर विभिन्न क्षेत्रों और भू-भागों में पर्याप्त रूप से भिन्न-भिन्न भी है। जीवन कौशल युवाओं को अपने समुदायों में भागीदारी करने, निरंतर सीखने की प्रक्रिया से संलग्न होने, स्वयं की रक्षा करने और स्वस्थ एवं सकारात्मक सामाजिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिये सकारात्मक कार्रवाई करने हेतु सशक्त बनाता है। बच्चों के लिये समय प्रबंधन कौशल, विद्यार्थियों के लिये आत्म-जागरूकता संबंधी कौशल, पारस्परिक संबंध कौशल आदि परिस्थितियों के अनुकूल स्वयं को ढालने, दृढ़ बने रहने और जीवन का लगातार पुनर्मूल्यांकन एवं पुनर्संरचण करने की दक्षता प्रदान करते हैं। आलोचनात्मक चिंतन में किसी समस्या की रूपरेखा तैयार करने और प्रभावी समाधान विकसित करने के लिये तथ्यों, सूचनाओं एवं अन्य डेटा को व्यवस्थित और संसाधित करना शामिल है। रचनात्मक चिंतन कौशल (Creative Thinking Skills) हमें किसी भी विषय पर नए परिप्रेक्ष्य और नए दृष्टिकोण से पुनर्विचार करने का अवसर देता है। यूनिसेफ द्वारा वर्ष 2019 में जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया कि वर्ष 2030 में दक्षिण एशिया के आधे से अधिक युवाओं के पास न तो ऐसी शिक्षा होगी और न ही कौशल कि वे रोज़गार पा सकें। यह आकलन हमारे भविष्य की गंभीर वास्तविकता को उजागर करता है। देश कई भौगोलिक क्षेत्रों में चरम गरीबी और निम्न विकास की स्थिति का अनुभव कर रहा है, जहाँ युवाओं में उत्पादक रोज़गार एवं आजीविका के लिये आवश्यक कौशल मौजूद नहीं है और गतिशील बाज़ार की बदलती मांगों के अनुरूप प्रमुख दक्षताओं के अभाव के साथ ही कार्यबल में तैयारी व उत्साह की कमी है। के बावजूद, युवाओं को दक्ष नहीं किया जाना और लघुवाद की ओर मोड़ना चौंकाता है। जीवन कौशल के बड़े पैमाने पर वितरण के लिये मौजूदा स्कूल प्रणालियों और व्यावसायिक प्रशिक्षण अवसंरचना का लाभ उठाया जाना चाहिये। भारत में 10 मिलियन से अधिक शिक्षक और 1.5 मिलियन से अधिक स्कूल मौजूद हैं, जो एक महत्त्वपूर्ण संपत्ति आधार और वितरण चैनल है जिसका दोहन किया जा सकता है। हालाँकि यह ध्यान रखना भी महत्त्वपूर्ण है कि शिक्षक पहले से ही कार्य बोझ से दबे हैं और कोविड काल में हुई शिक्षा की हानि की भरपाई का दबाव तंत्र पर अत्यधिक भार डाल रहा है। इसलिये, यह आवश्यक है कि हम मुख्यधारा के पाठ्यक्रम के भीतर जीवन कौशल प्रशिक्षण के वितरण को सक्षम करने के लिये शैक्षणिक ढाँचे, पाठ योजनाओं और मूल्यांकन उपकरणों के साथ शिक्षकों की पर्याप्त सहायता, समर्थन और मार्गदर्शन करें। आईपीएस विकास वैभव का मानना है कि जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए युवाओं को लाइफ स्किल में परिपूर्ण होना जरूरी हैं। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के माध्यम से आईपीएस विकास वैभव बिहार में स्किल्ड शिक्षा को अपनाने के पक्षधर है। बिहार में शिक्षा नीति ऐसी बने कि मैट्रिक से पहले ही विद्यार्थियों को स्किल्ड शिक्षा में दक्ष कर देना चाहिए, ताकि भविष्य में उन्हें उद्यमी बनने में मदद मिल सके। अपने बिहार के लिए और आने वाली पीढ़ियों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि स्किल्ड शिक्षा के बल पर युवा शक्ति लाइफ स्किल को अपना कर, अपना मार्ग प्रशस्त कर सकें। लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान आईपीएस विकास वैभव के मार्गदर्शन में युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतनशील हैं। आइए, मिलकर बिहार को प्रेरित करते हैं।

खगड़िया एनडीए लोकसभा प्रत्याशी राजेश वर्मा के समर्थन में उतरा भारतीय विश्वकर्मा महासंघ

नई सोच एक्सप्रेस

खगड़िया। शनिवार को भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के द्वारा 25 खगड़िया लोकसभा क्षेत्र से एनडीए समर्थित प्रत्याशी राजेश वर्मा के समर्थन में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन मंडप विवाह भवन में किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मुनिरंजन शर्मा एवम संचालन दिवाकर शर्मा ने किया।वही मौके पर भारतीय विश्वकर्मा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकुल आनंद ने समाज को संबोधित करते हुए कहा की आजादी के 77 वर्ष के उपरांत लोजपा रामबिलास के सुप्रीमो चिराग पासवान ने विश्वकर्मा वंशी राजेश वर्मा को खगड़िया से प्रत्याशी बनाकर विश्वकर्मा समाज की मान सम्मान बढ़ाया है। इनके लिए हम विश्वकर्मा समाज उनका आभार व्यक्त करते है। श्री आनंद ने खगड़िया लोकसभा के पूरे विश्वकर्मा वंशी सोनार, लोहार, बढई, प्रजापति, कसेरा, ठठेरा सबों से अपील किया कि हम विश्वकर्मा वंशी एक मुश्त अपना वोट राजेश वर्मा को देकर सांसद

• विश्वकर्मा समाज के लोगों के साथ अन्याय नहीं होने दूंगा : राजेश वर्मा

भेजने का काम करे।वही लोकसभा प्रत्याशी राजेश वर्मा ने कहा कि विश्वकर्मा समाज मेरा परिवार है। परिवार के साथ कही भी अन्याय होगा तो मैं इनके साथ खड़ा हूं एवम खड़ा रहूंगा। वही मौके पर संजीव पोद्दार ने कहा आजादी के बाद पहली बार विश्वकर्मा वैश्य से एक युवा चेहरा खगड़िया को मिला है। हम सब सांसद ही नही मंत्री बनायेंगे एनडीए का हाथ मजबूत करेंगे।जिला अध्यक्ष मुनीरंजन शर्मा ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा की विश्वकर्मा समाज का जो सम्मान करेगा हमलोग उसके साथ है।प्रेस वार्ता में स्वर्णकार संघ के सचिव संजय पोद्दार, बासुकी पोद्दार, उमेश शर्मा, समदर्शी शर्मा, नीरज विश्वकर्मा, पप्पू पंडित, नकुल देव पंडित, राजकिशोर शर्मा, छोटू शर्मा प्रभात शर्मा दिगंबर शर्मा बिरजू शर्मा आदि सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

राहुल मान मनौव्वल के एक घंटे बाद भरा पर्चा, रायबरेली से भी हारेंगे - डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल गांधी को रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए मान मनौव्वल कर राजी किया गया था। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि सोनिया गांधी राज्यसभा के लिए चुनी गई है,रायबरेली एक पुराना निर्वाचन क्षेत्र है जो राजीव गांधी, फिरोज गांधी और उनके कई पारिवारिक सदस्यों की सीट रही है। उन्होंने कहा कि डरने का कोई सवाल ही नहीं है। भाजपा मीडिया प्रभारी डॉक्टर लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया। उन्होंने अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के अंतिम दिन समय सीमा समाप्त होने से मुश्किल से एक घंटा घर पहले पता दाखिल किया। बताया जाता है कि राहुल गांधी हार

कर लोगों के सामने नहीं आना चाहते थे। रायबरेली लोकसभा सीट 2004 से उनकी मां सोनिया गांधी की निर्वाचन क्षेत्र रहा है, उनसे पहले यह सीट से फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी सांसद रहे, नामांकन पत्र दाखिल करते समय राहुल के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का निर्वाचन क्षेत्र रहा है उससे पहले इस सीट से फिरोज गांधी और इंदिरा गांधी सांसद रहे। नामांकन पत्र दाखिल करते समय राहुल के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे,और प्रियंका गांधी,उनके पति राबर्ट थे। बताया जाता है कि इसी तरह पटना साहिब से कोई लड़ना नहीं चाह रहा था। कोइ भी जानबूझ कर हारने के लिए कौन खड़ा होना चाहेगा। बताया जाता है कि पटना साहिब लोकसभा सीट से मीरा कुमार के पुत्र से कोई टक्कर नहीं दे। रविशंकर प्रसाद का विरोध काफी है परंतु हराने वाला विरोध नहीं है बल्कि पहले से और ज्यादा वोट जितेंगे। बक्सर लोकसभा चुनाव जीत काफी मुश्किल है।जो भी वोट मिलेगा मोदी जी के व्यक्तित्व पर, वहां से उम्मीदवार मीथलेश तिवारी बनाए गए हैं।यदि मोदी जी द्वारा चलाई जा रही योजनाएं घर घर तक पहुंचा देते तो मोदी जी को इतना परेशानी झेलनी नहीं पड़ती। मोदी जी द्वारा लगभग तीन सौ से ज्यादा योजनाएं चलाई जा रही है अधिकांश योजनाएं सरकारी फाइलों में दफन हो रही है।

लोकसभा चुनाव में उपयोग करने के लिए 12 लाख 90 हजार के जाली नोट के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी। लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल के लिए लाए गए भारतीय जाली नोट के साथ दो तस्कर को मोतिहारी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। तस्कर के पास से 12 लाख 90 हजार रुपए के भारतीय जाली नोट बरामद हुआ है। गिरफ्तार दोनो तस्कर यूपी के रहने वाला है। दोनो तस्कर की गिरफ्तारी कोटवा थाना क्षेत्र के राजापुर मठिया के पास से हुई है। मोतिहारी एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया की गुप्त सूचना मिली कि जाली नोट के खेप की डिलेवरी देने आ रहा है। जिसके बाद सदर 2 डीएसपी के नेतृत्व में टीम का गठन कर जाली नोट के खेप पकने का निर्देश दिया, इसी बीच टीम ने कोटवा थाना क्षेत्र के राजापुर मठिया kr पास से बाइक से जा रहे तो को पकड़ा, जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से 12 लाख 90 हजार रूपये जाली नोट बरामद हुआ है। पूछताछ में उसने अपना नाम बताया यूपी का मुकेश राजेश भट और जीमेल अख्तर दोनो ने बताया कि वह जाली नोट का खेप ले कर कही और जाने की तैयारी में था, उसके किसी और ने खेप दिया था, इस तस्करी के खेल और कौन कौन जुटा है उन सभी की तलाश की जा रही है। चुनाव में बाटने के लिए लाया जा था पैसा सूत्रों से

मिली जानकारी के अनुसार लोक सभा चुनवा को में पैसा बाटने के लिए लाया गया था, किस पार्टी के द्वारा पैसा मंगाया गया था इस बात की जानकारी अभी तक नहीं चल पाया है। जाली नोट में यूपी का गिरोह सक्रिय,जांच कर रही टीम से मिली जानकारी के अनुसार जाली नोट के तस्करी में यूपी का गैंग सक्रिय हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार सभी खुद से भी जाली नोट प्रिंट कर रहे है। वही बाहर से भी जाली नोट का खेप बढ़ा रहे है। सूत्र से मिली जानकारी के अनुसार लोक सभा चुनवा को लेकर जाली नोट का डिमांड बढ़ भी गया।

एनडीए उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी की जीत चार लाख पार : मंजी पासवान

नई सोच एक्सप्रेस

बक्सर लोकसभा के विधानसभा के बगेन मंडल अंतर्गत एनडीए उम्मीदवार श्री मिथिलेश तिवारी को भारी मतों से जीत दिलाने के लिए जन संपर्क एवं नमाकान मे शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हुए कांट शक्ति केंद्र के रहथूआ , भर खर , कैथी शक्ति केंद्र के धरोली , कैथी गावों मे जन संपर्क कर लोगों को आमंत्रित किया गया l बगेन मंडल के महामंत्री मंजी पासवान ने रहथूआ मे लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार मिथिलेश तिवारी पिछले रिकार्ड को तोड़ते हुए उस से अधिक वोट से जीत कर रिकार्ड बनाएंगे और इंडिया गठबंधन के पास कोई न सिधांत न कोई विजन है उसे केवल परिवार की चिंता है मंडल उपाध्यक्ष सुनिल कुमार सिंह ने धरोली मे कहा हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी ईमानदारी और ईस देश के के विकास पर वोट देना है इस देश के इतिहास मे पहला प्रधानमंत्री है जिनके कार्यकाल मे किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, गरीब कल्याण योजना, जैसे अनेकों कार्यक्रम चल रहा है आप लोग माननीय प्रधानमंत्री जी के हाथो को मजबूत करने के लिए एनडीए उम्मीदवार को रिकार्ड मतों से जिता कर भेजे lबगेन मंडल के महामंत्री मंजी पासवान, मंडल महामंत्री रितेश चौधरी, मंडल उपाध्यक्ष सुनिल कुमार सिंह, आइटी सेल बगेन के संयोजक संजय कुमार राय, कांट शक्ति केंद्र प्रमुख कुंज बिहारी पांडे, कैथी शक्ति केंद्र प्रमुख सूमेन्द्र कुशवाहा रघुनाथपूर शक्ति केंद्र के प्रमुख रविकांत सिंह, कांट पंचायत के पंचायत समिति सदस्य हरेंद्र पांडेय भी शामिल रहे l

रणधीर सिंह ने कर दिया साफ लड़ाई सियासत की नहीं आत्म सम्मान की

नई सोच एक्सप्रेस

महाराजगंज की धरती को वर्ग संघर्ष का आखड़ा नहीं बनने दिया जाएगा चुनाव जीतने से ज्यादा जरूरी है महाराजगंज के मन स्वाभिमान की रक्षा करना कहा महाराजगंज के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह के पूर्व विधायक पुत्र और निर्दलीय प्रत्याशी रणधीर सिंह ने। आर्यावर्त के साथ एक विशेष बातचीत में रणधीर सिंह ने कहा कि एक बड़ी साजिश के तहत महाराजगंज को वर्ग संघर्ष के तरफ ढकेला जा रहा है। सामाजिक समरसता बिगड़ने की कोशिश हो रही है जिसकी शुरुआत इसी लोकसभा क्षेत्र के माझी से पूर्व में हो चुकी है भविष्य में किसी भी तरह की घटना ना हो इसके लिए महाराजगंज के लोगों को सचेत किया जा रहा है चुनाव आता है जाता है पर यहां के लोगों को आपस में मिलजुल कर रहना है। रणधीर सिंह ने कहा कि वह चुनाव नहीं लड़ रहे बल्कि महाराजगंज की जनता चुनाव लड़ रही है उन्होंने पहले ही घोषणा कर रखी है कि नामांकन के अंतिम दिन क्षेत्र के अभिभाव को से मिले आदेश के बाद वे नामांकन करेंगे पर क्षेत्र में दौर जारी है कार्यकर्ताओं को जागरूक किया जा रहा है कई सारी कमिटी का गठन किया गया है सभी 6 विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ता चुनावी अभियान में पूरे जोश खरगोश के साथ लगे हुए हैं रणधीर सिंह कहते हैं कि उनके वोटरों को पता है कि बार

की लड़ाई किसी दल या सरकार के लिए नहीं बल्कि स्वाभिमान के लिए है। एक सवाल के जवाब में रणधीर सिंह ने कहा की रिकॉर्ड उठा कर देख लीजिए निर्दलीय चुनाव जीतने में उनके परिवार का रिकॉर्ड 100% रहा है जब कभी भी मान स्वाभिमान की बात आई है लोगों ने आगे बढ़कर हौसला प्रदान किया है। रणधीर सिंह ने कहा कि जिस दल को हम लोगों ने बुरे वक्त में मजबूती प्रदान की उन्हीं लोगों ने छल किया इसका जवाब सिर्फ महाराजगंज छपरा तक में ही नहीं पूरे बिहार में हमारे समर्थक उस दल को देंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह सदैव सत्ता विरोध वाली राजनीति करते रहे कभी भी सत्ता के लिए अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं किया है। उन्होंने महाराजगंज के अपने समर्थ को से अपील की कि संयम बनाए रखें जी अभियान में सबको लगाया गया है पूरी एक जुट के साथ उसे अभियान में लगे रहना है कि जब 4 जून को परिणाम आए तो उसकी चर्चा सिर्फ महाराजगंज छपरा पटना ही नहीं पूरे देश में हो

राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ करुणा सागर कांग्रेस में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। पुलिस महानिदेशक(सेवानिवृत्त) राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ करुणा सागर राष्ट्रीय जनता दल छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हो गये। डॉ सागर को कांग्रेस में आने से कांग्रेसियों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। विशेष कर जहानाबाद में जो उनकी कर्मभूमि है। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इनके जैसे साफ सुथरे छवि वाले सुपर कॉप आइ.पी.एस अधिकारी जिन्होंने अपने सरकारी सेवा अवधि में कई उपलब्धियां प्राप्त की है। उन्हें देश के लिए समर्पित भाव से कार्य करने के लिए अनगिनत सम्मान मिला साथ ही राष्ट्रपति से सम्मानित होने का अवसर भी मिला। सेवानिवृत्ति

उपरांत खुलकर जनता सेवा के लिए समर्पित भाव से राजनीति में आ गये और अब लगातार जनमानस के साथ खड़े हैं। जिलाध्यक्ष एवं मीडिया प्रभारी राकेश शर्मा ने सोनिया गांधी तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिका अर्जुन खड़गे एवं राहुल गांधी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि डॉ करुणा सागर जैसे उर्जावान व्यक्ति के कांग्रेस में आने से बिहार में पार्टी मजबूत होगी। कार्यकर्ताओं का उत्साह भी बढ़ेगा। किसी भी पार्टी का रीढ़ उनके कार्यकर्ता ही होते हैं। बधाई देने वाले में सभी प्रखंड के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता इत्यादि लोग शामिल थे।

बहेरवा में इलेक्ट्रॉनिक व दवा की दुकान में लगी आग, लाखों की क्षति

नई सोच एक्सप्रेस

पंचदेवरी। प्रखंड क्षेत्र के बहेरवा बाजार में शुक्रवार की देर रात एक इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में आग लग गयी। दूसरे पार्ट में दवा की दुकान थी, उसमें भी आग पकड़ ली। अगलगी की घटना में दवाओं के साथ-साथ सभी इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गये। व्यवसायी पवन कुमार मिश्र को लाखों का नुकसान हुआ

• शुक्रवार की देर रात शार्ट-सर्किट के कारण हुई घटना
• काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर पाया काबू

ह। शार्ट-सर्किट से आग लगने की सूचना ह। बताया जाता है कि बहेरवा गांव निवासी पवन कुमार मिश्र की बहेरवा बाजार में इलेक्ट्रॉनिक

व दवा की दुकान है। दोनों दुकानें एक दूसरे से सटी हुई हैं। शुक्रवार की शाम पवन मिश्र रोज की तरह अपनी दुकान बंद कर घर चले गये। रात में करीब 10:30 बजे शार्ट-सर्किट से इलेक्ट्रॉनिक की दुकान में अचानक आग लग गयी. धुंआ निकलते देख आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना व्यवसायी को दी. पूरे बाजार में अफरा-तफरी मच गयी। कुछ ही देर में घटना स्थल पर काफी संख्या में लोग पहुंच गये, लेकिन दुकानों से सामान नहीं निकाले जा सके. दोनों दुकानों को आग अपने चपेट में ले चुकी थी. मोबाइल, डीजे सेट, इन्वर्टर, बैट्री समेत लाखों के इलेक्ट्रॉनिक सामान जल गये। दवा दुकान में भी काफी क्षति हुई। देर रात तक काफी मशक्कत करने के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया। पीड़ित व्यवसायी द्वारा इसकी सूचना अंचल कार्यालय को भी दी गयी है।

संक्षिप्त समाचार

पीडीसीए क्रिकेट लीग में बीएचपीसीएल की जीत में चमके तुषारकांत

पटना। पटना जिला सीनियर डिवीजन क्रिकेट लीग में बीएचपीसीएल ने अपना विजय क्रम जारी रखते हुए 4 मई यानी शनिवार को मूनलाइट सीसी को 5 विकेट से पराजित किया। ग्रुप ए में खेल रही बीएचपीसीएल की टीम की यह लगातार दूसरी जीत है जबकि मूनलाइट सीसी की लगातार छठी हार है। मूनलाइट सीसी का इस सत्र में यह अंतिम लीग मुकाबला था।स्थानीय ऊर्जा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस मूनलाइट सीसी ने जीता और पहले बैटिंग करते हुए विक्रमादित्य चौधरी के 68 रन (85 गेंद, 5 चौका) की मदद से 40 ओवर में 8 विकेट पर 197 रन बनाये। शिवम सिंह ने 40 (68 गेंद, 2 चौका) रन बनाये।बीएचपीसीएल की ओर से प्रदीप कुमार ने 2 और हसनैन ने 1 विकेट चटकाये।जवाब में बीएचपीसीएल ने 22.5 ओवर में पांच विकेट पर 200 रन बना कर मैच अपने नाम कर लिया। बीएचपीसीएल की ओर से तुषारकांत ने 36 गेंदों में 5 चौका की मदद से 60, सौरभ तिवारी ने 26 गेंद में 4 चौका की मदद से 48 रन, अभिलाष कुमार ने 19 गेंद में 4 चौका व 3 छक्का की मदद से 38, यशस्वी शुक्ला ने 20 गेंद में 5 चौका व 1 छक्का की मदद से 31 रन बनाये। मूनलाइट सीसी की ओर से मुन्ना कुमार ने 4 विकेट चटकाये। विजेता टीम के तुषारकांत (60 रन, 1 विकेट) को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

सुमित्रा दयाल वनडे फाइनल वीमेंस क्रिकेट टूनार्मेंट 7 मई को

पटना। क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार (सीएबी) के तत्वाववधान में आगामी 7 मई को एकेडमी के ग्राउंड पर सुमित्रा दयाल वनडे फाइनल महिला क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी क्रिकेट एकेडमी ऑफ बिहार के निदेशक सह भारतीय युवा क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अमिकर दयाल ने दी। उन्होंने बताया कि इस मैच में दो टीमें खेलेंगी। टीम के प्लेयरों का चयन स्ट्रेट ड्राइव वीमेंस क्रिकेट टूनार्मेंट के दौरान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मैच के विजेता व उपविजेता टीमों को चमचमाती ट्रॉफी के अलावा खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कार भी दिये जायेंगे। साथ ही बेस्ट बॉलर, बेस्ट बैट्समैन, बेस्ट फील्डर, बेस्ट विकेटकीपर समेत कई अन्य पुरस्कार दिये जायेंगे।उन्होंने कहा कि पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान पटना व बिहार की क्रिकेट हस्तियों के अलावा कई गणमान्य लोग पधार कर खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करेंगे। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के संतोष तिवारी की देखरेख में टूनार्मेंट की तैयारी चल रही है।

पीपीयू यूजी द्वितीय सेम का फार्म भरने की तिथि तीन दिन बढ़ी

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने स्नातक द्वितीय सेमेस्टर का परीक्षा फार्म भरने की तिथि तीन दिन बढ़ा दिया है। कुलपति प्रो. आरके सिंह के निर्देश के बाद परीक्षा नियंत्रक डा. मनोज कुमार ने अधिसूचना जारी कर दी। परीक्षा नियंत्रक डा. मनोज कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से चार मई तक परीक्षा फार्म भरने की तिथि निर्धारित थी। इसके बाद भी कुछ छात्रों का परीक्षा फार्म नहीं भरा जा सका है। अब लेट फाइन के साथ सात मई तक तिथि विस्तारित किया गया है। च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के तहत चार वर्षीय पाठ्यक्रम में वर्तमान में द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा 14-15 मई से संभावित है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एक सौ रुपये लेट फाइन के साथ सात मई तक अंतिम रूप से फार्म भरने की तिथि बढ़ाया गया हैं, इसके बाद किसी भी स्थिति में अवधि विस्तार नहीं होगा।

बाबा के मनोकामना मन्दिर में पीएम की जीत के लिए आए दीप श्रेष्ठ

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरे बार सफलतपूर्वक प्रधानमंत्री बनाने और भारत के विकास के लिए अभिनेता निर्देशक दीप श्रेष्ठ ने बाबा बैधनाथ धाम देवघर मन्दिर मे पुजा अर्चना अभिषेक किया। इस बार 400 पार की सफलता और फिर मोदी जी प्रधानमंत्री बने ऐसी कामना के साथ दीप श्रेष्ठ ने देवघर मन्दिर में पूजा की। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी जी एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो हर प्रकार का निर्णय लेने में सक्षम हैं। वो एक कर्मठ ईमानदार छवि वाले पीएम हैं। जो हमेशा देश का विकास चाहते हैं। उसकी भलाई के लिए काम करने वाले हैं। दीप श्रेष्ठ ने बताया की पीएम मोदी ने कई प्रकार की विकास योजनाएं चलाई। उन्होंने धारा 370 हटाया, राम मन्दिर अयोध्या में स्थापित किया। जो कोई नहीं कर सका। काशी विश्वनाथ मंदिर का कॉरीडोर बनवाया, विन्ध्याचल मन्दिर कॉरीडोर बनगया है। कई मन्दिरों का पुनः सौन्दर्यीकरण हो रहा है। देश की सुरक्षा के लिए आधुनिक हथियार और फाईटर प्लेन पीएम मोदी जी के शासनकाल में खरीदा गया है। आज विदेशीं में भारत का नाम पीएम मोदी की वजह से है।

11 मई को होगी रिलीज गुड्डू जान निर्देशित म्यूजिक वीडियो " मैं आवारा हूं तेरा "

मुंबई। बॉलीवुड के नवोदित निर्देशक गुड्डू जान के निर्देशन में निर्मित हिंदी म्यूजिक वीडियो " मैं आवारा हूं तेरा " 11 मई को " जान रिकॉर्ड्स " यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा।जबकि,ऑडियो सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा चुका हैं।ज्ञात रहें " जान रिकॉर्ड्स " पर इससे पूर्व भी कई म्यूजिक वीडियो जारी किया जा चुका हैं।जो काफी सफल रहा हैं।श्रोताओं और दर्शकों ने गीत काफी पसंद किया और सराहा। " मैं आवारा हूं तेरा " के गायक राज बर्मन हैं।जो बॉलीवुड में काफी लोकप्रिय व चर्चित हैं।साथ ही राज बर्मन के म्यूजिक वीडियो लोगों द्वारा पसंद किए जाते हैं।गाना कर्णप्रिय व मधुर हैं।गीत संगीत मो. इरफान अली का हैं।म्यूजिक वीडियो में टीवी सीरियल जोधा अकबर फेम कलाकार रवि भाटिया और कनक सूर्यवंशी ने अभिनय किया हैं।कोरियोग्राफर वीर चौधरी, डीओपी व एडिटर प्रदीप यादव,प्रोडक्शन मैनेजर मनमोहन तिवारी, पीआरओ युधिष्ठिर महतो,निर्माता विजय जुमनानी,निर्देशक गुड्डू जान,प्रोडक्शन मैनेजमेंट मनीष रॉय,प्रोडक्शन कंट्रोलर शीला दास,कास्टिंग रोहित आरके हैं। गुड्डू जान ने बताया कि यह एक रोमांटिक म्यूजिक वीडियो हैं।जो मुंबई में शूट की गई हैं।बेहतरीन तरीके से वीडियो को फिल्माया गया हैं और कलाकारों ने शानदार अभिनय किया हैं।उम्मीद हैं श्रोताओं और दर्शकों को म्यूजिक वीडियो पसंद आयेगी।ज्ञात रहें गुड्डू जान बहुत जल्द बॉलीवुड फिल्म करने की तैयारी में भी हैं।

मगध महिला कॉलेज मे विदाई समारोह आयोजित

पटना। मगध महिला कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग के अंतर्गत बैचलर ऑफ सोशल वर्क के छठे सेमेस्टर की आज विदाई थी। जिसमें मगध महिला कॉलेज की प्राचार्या प्रो. (डॉ.) नमिता कुमारी, विभागाध्यक्ष डॉ. बिनय कुमार बिमल, डॉ. माधवी, डॉ. अंजू कुमारी, डॉ. प्रियंका एवं सभी शिक्षक उपस्थित थे। समृद्धि सिन्हा को मिस फेयरवेल चुना गया। फर्स्ट रनरअप वर्षा सिन्हा और सेकेंड रनरअप अंजलि सिंह रहीं।

आईएफडब्ल्यूजे की जयपुर में दो दिवसीय अधिवेशन राष्ट्रीय कार्यकारणी का चुनाव संपन्न हुआ

नई सोच एक्सप्रेस

जयपुर। मुख्य निर्वाचन अधिकारी शंकर दत्त शर्मा द्वारा कार्यकारिणी के लिए चुने 27 राष्ट्रीय पार्षदों (ने.कां.) में से राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुमार शर्मा ने जंगारेड्डी पिसाती (तेलंगाना) को राष्ट्रीय महासचिव पद पर नियुक्त किया।तत्पश्चात मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कार्यसमिति के लिए निर्वाचित हुए पदाधिकारियों की घोषणा की।जिनमे राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष पद पर सुनील थपलियाल व सचिव पद पर मनोज सैनी उत्तराखंड के साथ ही चार उपाध्यक्ष पद सहित कार्यकारणी सदस्यों की घोषणा की ,जिसका देशभर से आये पत्रकारों ने समर्थन करते हुए नवीन कार्यकारणी से पत्रकार हित मे कार्य करने की उम्मीद जताई। बैठक में देशभर के सैकड़ो पत्रकारों ने हिस्सा लिया। बैठक में भारतवर्ष के पत्रकारों की मौजूदा स्थिति को देखते हुए ये निर्णय लिया गया है कि आने वाले दिनों में भारत के माननीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के साथ राज्य के मुख्यमंत्रियों को पत्र सौपकर पत्रकारों की स्थिति के बारे

में अवगत कराया जाएगा साथ ही भारत के अलग-अलग राज्यों में पत्रकारों के ऊपर हो रहे अत्याचार व अन्याय को लेकर भारत सरकार से पत्रकार सुरक्षा कानून विधेयक लाये इस बारे में खास विचार-विमर्श किया गया। अधिवेशन के पहले दिन संपन्न हुए चुनाव में महामंत्री श्री रेड्डी व कोषाध्यक्ष थपलियाल के अलावा उपाध्यक्ष पद पर राजस्थान के शरद गौड़,आंध्रप्रदेश के विरूति श्रीनिवास राव,छत्तीसगढ़ के बी डी राय ,दिल्ली के खुशीराम तथा सचिव पद पर आंध्रप्रदेश के डी अपन्ना,बिहार

• देश का प्रथम, अग्रणी और सबसे विस्तृत इकाइयों वाला पत्रकार संगठन

के राजीव रंजन,कर्नाटक के सी प्रकाश, उत्तरप्रदेश के भाष्कर दुबे,उत्तराखंड के मनोज सैनी आदि निर्वाचित हुए जबकि कार्यकारणी सदस्यों में अरुण सक्सेना,स्नेहलता,रिया जासवानी,शनि कुलश्रेष्ठ राजस्थान,ज्ञान शंकर, रविशंकर बिहार,तुकाराम गोआ,अजय राजपूत हरियाणा,मनोज मिश्रा, लक्ष्मीकांत जायसवाल छत्तीसगढ़, त्रिभुवन उनियाल उत्तराखण्ड,रोशन जी कदम महाराष्ट्र, टिट्टी प्रवीन कुमार आंध्रप्रदेश, रेणु चौहान ,लोकेश कुमार ,राजेन्द्र कुमार दिल्ली चुने गये। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश कुमार शर्मा ने देश के सभी पत्रकारों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि सभी पत्रकारों के हित मे कार्य करना पहली प्राथमिकता रहेगी, उन्होंने कहा कि अंतिम पायदान पर कार्य करने वाले पत्रकार साथी की समस्या के निदान के लिए संगठन हमेशा तत्पर रहेगा। राजस्थान श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष अशोक भटनागर ने कहा कि सभी राज्यों में पत्रकार सुरक्षा कानून, जीवन बीमा सहित पत्रकार पेंशन सम्मान निधि सहित अन्य मुद्दों पर गंभीरता से कार्य किया जायेगा। राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक में 13 राज्यों की प्रतिनिधि शामिल हुए। सभी साथियों ने मिलकर पत्रकारों की आवाज को मजबूती देने एवम् लोकाशाही को सही मायने में प्रस्थापित करने में अपनी भूमिका का नैतिकतापूर्ण वहन करने की शपथ ली और राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक संपन्न हुई है। इस अवसर पर आई एफ डब्ल्यू जे के मुख्य निर्वाचन अधिकारी व उत्तराखंड प्रदेश अध्यक्ष शंकर दत्त शर्मा, प्रदेश महामंत्री लक्ष्मी विष्ट, राजस्थान यूनियन महामंत्री राजकुमार मलोहत्रा, आंध्र प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्णा, गोवा अध्यक्ष भरत बेतकेकर, दिल्ली अध्यक्ष अभिमन्यु पाण्डेय,हरियाणा यूनियन अध्यक्ष संजय जैन, महामंत्री संजीव त्यागी,दिलीप शाह,उपेंद्र असवाल सहित सैकड़ो पत्रकार मौजूद थे।

इंडिजीन लिमिटेड ने 36 एंकर निवेशकों से 452 प्रति इक्विटी शेयर के अपर प्राइस बैंड पर जुटाए 548.77 करोड़

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इंडिजीन लिमिटेड ने 36 एंकर निवेशकों को अंकित मूल्य 2 प्रति शेयर वाले 1,21,41,102 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं और कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ से पहले 452 प्रति इक्विटी शेयर (452 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के अपर प्राइस बैंड पर 548.77 करोड़ जुटाए हैं। एंकर बुक में अनेक प्रमुख निवेशकों की भागीदारी देखी गई। इनमें शामिल हैं - दुनिया की सबसे बड़ी निवेश प्रबंधन फर्मों में से एक कैपिटल ग्रुप, फिडेलिटी इन्वेस्टमेंट, लूमिस सेल्स एंड कंपनी, जुपिटर एसेट मैनेजमेंट, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, एसबीआई म्यूचुअल फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड, डीएसपी म्यूचुअल फंड, प्रेमजी इन्वेस्ट, कस्टडी बैंक ऑफ जापान, व्हाइटओक कैपिटल मैनेजमेंट, यूटीआई म्यूचुअल फंड, बंधन म्यूचुअल फंड, इनवेस्को म्यूचुअल फंड, एडलवाइस म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परिबास म्यूचुअल फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज आलियांज लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भारती एक्सा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, ईस्ट ब्रिज कैपिटल मास्टर फंड लिमिटेड, कोटक फंड्स और कॉप्थॉल मॉरीशस इन्वेस्टमेंट लिमिटेड। एंकर निवेशकों को आवंटित कुल 12,141,102 इक्विटी शेयरों में से, 48,05,156 इक्विटी शेयर (यानी एंकर निवेशकों को आवंटित कुल शेयरों का 39.58:) कुल 18 योजनाओं के माध्यम से 10 घरेलू म्यूचुअल फंडों को आवंटित किए गए। इस ऑफर में 7,600 मिलियन तक के इक्विटी शेयरों का एक फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और 23,932,732 इक्विटी शेयरों (ऑफर किए गए शेयर) की बिक्री का प्रस्ताव शामिल है, जिसमें बेचने वाले धारक मनीष गुप्ता द्वारा 1,118,596 इक्विटी शेयर, डॉ. राजेश भास्करन नायर द्वारा 3,233,818 इक्विटी शेयर, अनीता नायर द्वारा 1,151,454 इक्विटी शेयर (मनीष गुप्ता और डॉ. राजेश भास्करन नायर के साथ, इंडीविजुअल सेलिंग होल्डर), ग्रुप लाइफ स्प्रिंग के भागीदार के रूप विडा ट्रस्टीज प्राइवेट लिमिटेड (फिग ट्री ट्रस्ट के ट्रस्टी) द्वारा 3,600,000 तक इक्विटी शेयर, बीपीसी जेनेसिस फंड I एसपीवी लिमिटेड द्वारा 2,657,687 इक्विटी शेयर, बीपीसी जेनेसिस फंड आईए एसपीवी, लिमिटेड द्वारा 1,378,527 इक्विटी शेयर और सीए डॉन इन्वेस्टमेंट्स द्वारा 10,792,650 इक्विटी शेयर हैं (सामूहिक रूप से विडा ट्रस्टीज प्राइवेट लिमिटेड, बीपीसी जेनेसिस फंड प् के साथ बीपीसी जेनेसिस फंड I एसपीवी, लिमिटेड और बीपीसी जेनेसिस फंड I-। एसपीवी, लिमिटेड, इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर और सामूहिक रूप से इंडीविजुअल सेलिंग शेयरहोल्डर और ऐसे इक्विटी शेयर ऑफर्ड शेयर हैं)। इस ऑफर में एलिजेबल एम्प्लॉई (एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन) द्वारा सदस्यता के लिए कुल मिलाकर 125 मिलियन रुपए तक की संख्या में इक्विटी शेयरों का रिजर्वेशन शामिल है। एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन को घटाकर इस ऑफर को इसके बाद नेट ऑफरष्कहा जाएगा। एम्प्लॉई रिजर्वेशन पोर्शन (एम्प्लॉई डिस्काउंट) में बोली लगाने वाले एलिजेबल एम्प्लॉई को प्रति इक्विटी शेयर 30 रुपए की छूट की पेशकश की जा रही है। कंपनी का इरादा फ्रेश इश्यू की आय का उपयोग अपनी सामग्री सहायक कंपनियों में से एक आईएलएसएल होल्डिंग्स, इंक. की ऋणग्रस्तता के पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और इसकी सामग्री सहायक कंपनियों में से एक, इंडिजीन इंक के वित्तपोषण के लिए करना है। साथ ही सामान्य कॉपरिट उद्देश्यों और इन ओर्गेनिक विकास के लिए फ़ंड जुटाना है। कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और नोमुरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड ऑफर के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बुक रनिंग लीड मैनेजर्स या बीआरएलएम) हैं।

कलर्स ने अपने नवीनतम शो लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट की घोषणा की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। दर्शकों के लिए कुकिंग की गड़बड़ियों से सजा हुआ लाफ्टर से भरा प्लैटर परोसा जाएगा, जिससे उन्हें और भी ज्यादा लाफ्टर की भूख लगेगी! कलर्स ने अपने नवीनतम शो, लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट की घोषणा की है। फुल मनोरंजन की गारंटी देते हुए, यह नया शो आपके पसंदीदा टीवी कलाकारों को रीयूनाइट करता है, जो दर्शकों को डिनर के समय अपनी मज़ेदार केमिस्ट्री, हरकतों, और दिलचस्प बातों से अपने जीवन के बारे में बातें बताएंगे। रेसिपीज़ के कुलिनरी सफर से आगे बढ़ते हुए, यह पेशकश परिवार के लिए मनोरंजन की दावत है, जहां 13 लोकप्रिय सितारे बेस्ट कहानियां बनाएंगे, भले ही वे बेस्ट शेफ न हों। किचन के नौसिखियों से लेकर कुकिंग के शौकीनों तक, ये सेलिब्रिटीज़ लाफ्टर का स्वाद बढ़ाते हुए अनोखे स्वाद पेश करेंगे। मेज़बान की भूमिका में शो की कमान संभालने वाली कोई और नहीं बल्कि खुद कॉमेडी क्वीन भारती सिंह हैं। अपनी हाज़िरजवाबी और सेंस ऑफ ह्यूमर के साथ, वह यह सुनिश्चित करेगी कि लाफ्टर की रेसिपी में हंसी के नमक की कमी न हो, और शुरू से अंत तक दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हो। सितारों से सजी कास्ट में शामिल होने वाले हैं, सेलिब्रिटी शेफ कोच - हरपाल सिंह सोखी, जो किचन की गड़बड़ के दौरान अपनी विशेषज्ञता देंगे। इस अजीबोगरीब किचन में कृष्णा अभिषेक - कश्मीरा शाह, विक्की जैन - अंकिता लोखंडे, राहुल वैद्य - एली गोनी, रीम समीर शेख - जन्नत जुबैर, करण कुंद्रा - अर्जुन बिजलानी, और सुदेश लहरी - निया शर्मा जैसे फैंस के पसंदीदा सेलेब्रिटी शामिल होंगे। तो तैयार हो जाइए क्योंकि मनोरंजन में उबाल आने वाला है, टीवी पर बवाल आने वाला है। लाफ्टर शेफ्स अनलिमिटेड एंटरटेनमेंट जल्द ही कलर्स पर प्रसारित होगा।

दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष का दिल्ली के आम नागरिक के नाम एक संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

दिल्ली। तीर के वीर पार्टी के सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार जी के पदचिन्हों पर सदैव अग्रसर जद(यू.) दिल्ली के कुशल नेतृत्वकर्ता सभी जद(यू.) सिपाहियों के मार्गदर्शक सरल स्वभाव, मृदुभाषी,मिलनसार व्यक्तित्व जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार का दिल्ली के आम नागरिक के नाम एक संदेशः- हमारे प्यारे दिल्लीवासियों मैं जनता दल यूनाइटेड दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार आप सभी से यह प्रार्थना करता हूं। जैसा कि आप सभी जानते हैं हमारे पार्टी के सर्वमान्य नेता आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी समाजवादी विचारधारा के संरक्षक हैं।जेपी और लोहिया के सच्चे अनुयायी हैं उनके नीतियों और

सिद्धान्तों को सदैव अमलीजामा पहनाने के लिए प्रयासरत हैं।हिंदुस्तान की राजनीति में अगर किसी भी राजनेता की छवि साफ सुथरी है तो उसमें हमारे मार्गदर्शक नीतीश कुमार जी अग्रगण्य हैं।उनके द्वारा किये गए कार्यों एवं लागू की गयी योजनाओं को अगर मीडिया दिखाने लगे तो सर्वाधिक कार्य करने वाले मुख्यमंत्री की सूची में उनका नाम सुर्खियों में आते समय नहीं लगेगा।खैर आप सभी भलीभांति अवगत होंगे वर्तमान समय में मीडिया पर किस प्रकार से पाबंदियाँ हैं जगजाहिर है। स्थिति एवं परिस्थिति कैसी भी हो पार्टी के सर्वमान्य नेता आदरणीय नीतीश कुमार जी ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है।हम दिल्लीवालों के सहयोग एवं समर्थन से अपने पार्टी के कर्मठ समर्पित सिपाहियों के बल पर पार्टी के दिल्ली इकाई को धारदार व मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे जिसमें आप सभी के सहयोग एवं समर्थन प्रार्थनीय है आइये हम सभी संगठित होकर जद(यू.) दिल्ली को मजबूत करें।

जहानाबाद के हुलासगज निवासी के घर से देशी अग्नेयास्त्र बरामद

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद। जिला के पुलिस कप्तान ने यह तय कर लिया है कि इस ज़िला से अपराधियों को सलाखों के पीछे कर के ही यहाँ शान्ति व्यवस्था क़ायम की जा सकती है। हुलासगज थाना की पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजीव कुमार सिंह ने बताया कि लोक सभा चुनाव को लेकर पुलिस अधीक्षक द्वारा असामाजिक तत्वों एवं अपराधकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। उन्होंने बताया कि हुलासगज थाना अध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि हुलासगज निवासी रजनीकांत पासवान अवैध रुप से देशी अग्नेयास्त्र घर में छुपाकर रखे हुए है। इस गुप्त सूचना के आधार

पर एक टीम गठित कर रजनीकांत पासवान के घर पर छापामारी की गई। इस दौरान घर के छप्पर में छुपा कर रखा एक देशी रायफल,एक देशी कट्टा,दो 315 बोर का जिन्दा गोली तथा एक मिसफायर 315 बोर का गोली बरामद किया गया। वही उन्होंने बताया कि पुलिस की भनक लगते ही रजनीकांत घर से फरार हो गया। वहीं उसके पिता सहदेव पासवान को हिरासत में लेकर पूछताछ किया गया। उसने पूछताछ के क्रम में कोई सतोषजनक उत्तर नहीं दिया। इसके सतोषजनक उत्तर न देने के कारण हुलासगज थाना में आर्म्स एक्ट के तहत इसके विरुद्ध मामला दर्ज कर सहदेव पासवान को हिरासत में ले लिया गया।

अपराधियों ने युवक की हत्या कर गोबर के ढेर में छुपाया

नई सोच एक्सप्रेस

बेगूसराय। बेगूसराय में खेत में गोबर में छुपा कर रखे गए एक किशोर का शव को पुलीस ने बरामद किया है। घटना मंझौल थाना क्षेत्र के पवड़ा गांव की है। मृतक की पहचान नावकोठी थाना क्षेत्र के पहसारा वभनगामा निवासी हरेराम सिंह के 13 वर्षीया पुत्र दिपांशु कुमार उर्फ भुल्ला के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि दिपांशु उर्फ भुल्ला शुक्रवार की शाम आठ बजे से अपने घर से थोड़ी देर में आने की बात कहकर निकला था, लेकिन रात में घर नहीं पहुंचा। उसके बाद परिजन सब जगह तलाश कर रहे थे, आज सुबह नावकोठी थाना को सूचन मिलने के बाद पुलिस उसकी खोजबीन कर रही थी। इसी दौरान जब पवड़ा गांव के किसान एक खेत के बगल से जा रहे थे तो खेत में रखे गोबर के ढ़ेर से किसी का पैर निकला देखा। इसके

बाद हल्ला मच गया, मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही मंझौल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद नावकोठी थाना को सूचना दिया गया, वहां से पुलिस और परिजन पहुंचे इसके बाद में मृतक की पहचान हो सकी। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। घटनास्थल के बगल में खेत में खून बिखरा पड़ा है। मंझौल डीएसपी नवीन कुमार एवं बखरी डीएसपी कुंदन कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटे हुए हैं। शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

कांग्रेस ने किया बाबा साहेब के संविधान को बदलने का दुस्साहस : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू प्रदेश कार्यालय में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रदेश प्रवक्ता निहोरा प्रसाद यादव, प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम और अंजुम आरा ने संयुक्त तौर पर मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान प्रवक्ताओं ने तेजस्वी यादव पर तथ्यों की जानकारी नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आज जिस कांग्रेस की गोद में बैठकर तेजस्वी आरक्षण और संविधान पर खतरे को लेकर अनाप शनाप बयानबाजी कर रहे हैं उसे लेकर तेजस्वी यादव को पहले एक बार तथ्यों को जांच लेना चाहिए। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि तेजस्वी यादव को बोलने से पहले अपना ज्ञानवर्धन कर लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस की ही सरकार थी, जिसकी मुखिया स्व. इंदिरा गांधी ने संविधान में बदलाव को लेकर शिक्षाविदों, कानूनविदों और संविधान विशेषज्ञों से राय ली थी। बाद में उनकी असहमति के बाद उन्होंने संविधान में जबरन संशोधन कराए और न्यायपालिका के अधिकारों को कतरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के हिटलरशाही रवैये के चलते लोगों ने उस समय बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के लिखे संविधान को गलत कहना शुरू कर दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दलितों और पिछड़ों को सालों आरक्षण से वंचित रखा और उनके अधिकारों पर कुंडली मारकर बैठी रही।

अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण

हाल में एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के तेजी से बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका है। बढ़ते कृषि उत्पादन और ग्रामीण बाजारों में मांग बढने से निजी खपत में भी तेजी आ रही है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) और प्रमुख मौसम एजेंसी स्काईमेट ने कहा है कि अनुकूल मानसूनी मौसम के कारण इस वर्ष 2024 में भारत में अच्छी वष्रा के स्पष्ट संकेत खेती और भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। इसी प्रकार हाल में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि वर्ष 2024 में दक्षिण-पश्चिम मानसून के सामान्य रहने की उम्मीद है, जिससे कृषि गतिविधियों में और तेजी आएगी। ग्रामीण बाजारों में भी मांग बढने से अर्थव्यवस्था को तेज गति मिलेगी। गौरतलब है कि विभिन्न रिपोटरे में कहा जा रहा है कि भारत के ग्रामीण अधिक खर्च कर रहे हैं। गांवों में न केवल कृषि संबंधी संसाधनों की अधिक बिक्री हो रही है, वरन फ्रिज, दोपहिया वाहन और टीवी की खरीदारी भी उच्च स्तर पर है। यह सब ग्रामीण भारत में भविष्य के प्रति उत्साह और वर्तमान के बेहतर परिणामों का प्रतीक है। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत में पिछले एक दशक में शहरी परिवारों के मुकाबले ग्रामीण परिवारों का खर्च तेजी से बढ़ा है। ग्रामीण भारत के विकास के लिए सरकारी योजनाओं के तहत किए गए भारी व्यय, ग्रामीणों के रोजगार की मनरेगा योजना तथा स्वरोजगार की ग्रामीण योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आमदनी में तेज इजाफे के साथ उनकी क्रय शक्ति और मांग में भारी इजाफा हुआ है। इससे ग्रामीण भारत की आर्थिक ताकत में वृद्धि हुई है। यद्यपि अभी आम चुनाव के बाद जून, 2024 में गठित होने वाली नई सरकार के मूर्त रूप लेने में कोई दो माह बकाया हैं, लेकिन उच्च प्रशासनिक स्तर पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के मकसद से जिन क्षेत्रों के लिए आगामी पांच सालों के लिए प्रभावी रणनीति बनाई जाना शुरू की गई है, उनमें कृषि भी प्रमुख है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि इस समय पूरी दुनिया में भारत को खाद्यान्न का नया वैश्विक कटोरा माना जा रहा है। भारत दुनिया का तीसरा बड़ा खाद्यान्न उत्पादक है।

नेहरू जी और मोदी जी में है मौलिक अंतर

आरती कुमारी

जब जब कांग्रेस के नेताओं पर भाजपा के नेताओं और विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी की ओर से हमला बोला जाता है और किसी बात को लेकर कहा जाता है कि अमुक गलती नेहरू के जमा जमाने में हुई थी, तब तब कांग्रेस को बड़ी मिर्ची लगती है । कांग्रेस को आज भी यह लगता है कि नेहरू जी एक देवदूत थे और उन्होंने जो कुछ सोचा था – वह सही था, जो कुछ किया- वह भी सही था। जिस समय देश आजाद हुआ उस समय देश में अशिक्षा बहुत अधिक थी। बहुत लोग थे जो अशिक्षित होने के कारण यह मानते थे कि नेहरू के बिना देश नहीं चलेगा। जबकि सच यह है कि सनातन राष्ट्र भारत की यदि किसी कारण से कभी गोद खाली भी हो जाए तो कोख कभी खाली नहीं होती। कांग्रेस के लोगों ने नेहरू जी को 'बेताज का बादशाह' कहना आरंभ किया था, जो कि कांग्रेस के लोगों की सामंती सोच को झलकाता था। नेहरू के जमाने में यह माना जाता था कि यदि वह किसी खंबे को भी चुनाव में खड़ा कर देंगे तो वह भी चुनाव जीत जाएगा। नेहरू के प्रशंसकों ने उन्हें देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा करने का श्रेय दिया। यह बताने का प्रयास किया कि उनसे बड़ा कोई लोकतांत्रिक नेता उस समय नहीं था। जबकि सच यह है कि नेहरू जी के रहते हुए कई चुनावी धांधलियां होती रही थीं। पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के अबुल कलाम आजाद रामपुर से चुनाव लड़ रहे थे, जबकि हिंदू महासभा से विशन चंद्र सेठ चुनाव मैदान में थे। नेहरू जी ने अपने मित्र अब्दुल कलाम आजाद को संसद में लाने के लिए जीते हुए विशन चंद्र सेठ को जिलाधिकारी पर दबाव बनवाकर जबरदस्ती हरा दिया था। नेहरू जी भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोधी थे। उन्होंने संविधान में पहला संशोधन करके अपने विरुद्ध हो रही आलोचनाओं पर रोक लगाने का काम किया था। जबकि मोदी जी को ऐसा कुछ करने की आवश्यकता अनुभव नहीं हुई है। उनके विरोधी उन पर कितना कीचड उछालते हैं, इसके उपरांत भी वह कीचड़ में कमल की भांति खिले रहते हैं। नेहरू जी अपने आपको एक विश्व नेता दिखाने के लिए अधिक चिंतित रहते थे। उन्होंने अपने आप को अंतरराष्ट्रीय नेता दिखाने के लिए ही कश्मीर का भी अंतरराष्ट्रीयकरण कर दिया था। उन्होंने गुटनिरपेक्ष आंदोलन में रुचि दिखाई तो केवल अपने आप को बड़ा नेता दिखाने के लिए। इसके उपरांत भी वह रूस और अमेरिका के बीच चल रहे शीत युद्ध को समाप्त नहीं कर पाए थे। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के हितों की रक्षा करने में भी वह असफल रहे। उन्होंने कश्मीर की समस्या का समाधान संविधान में धारा 370 को स्थापित करके ही मान लिया था। देश को और अपने मंत्रिमंडल को बिना विश्वास में लिए धारा 35 ए को चोरी से संविधान में स्थापित कराया। इधर मोदी जी हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय नेता बनने की चिंता नहीं है। इसके उपरांत भी वह विश्व नेता के रूप में अपने आप स्थापित हो गए हैं । वह काम करने में विश्वास रखते हैं । उन्हें देश के हितों को गिरवी रखकर किसी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार को लेने की आवश्यकता नहीं है।उनके लिए देश के हित सबसे पहले हैं। इसलिए उन्होंने धारा 370 को समाप्त किया और संयुक्त राष्ट्र में भी भारत के हितों की रक्षा के लिए नई नीति रणनीति बनाकर सारे विश्व को आश्चर्यचकित कर दिया। नेहरू के भीतर बड़े बाप का बेटा होने का घमंड था। इसलिए वह लोगों के साथ जुड़ते नहीं थे। उनकी बात को सुनते भी नहीं थे। जबकि मोदी जी लोगों के साथ घुल मिल जाते हैं और उनकी बातों को बड़े गौर से सुनते हैं। इतना ही नहीं देश को आगे बढ़ाने के लिए लोगों के पास जितने भी विचार होते हैं उन्हें भी वह सुनना चाहते हैं। मोदी देश विरोधियों के साथ किसी भी प्रकार के तुष्टीकरण के विरोधी हैं। वह देश विरोधियों से और देश के शत्रुओं से उन्हीं की भाषा में जवाब देने में विश्वास रखते हैं। जबकि नेहरू जी एक काल्पनिक गांधीवाद की छाया से घिरे रहे और देश विरोधी शक्तियों का भी वह तुष्टीकरण करते रहे। जिस प्रकार गांधी जी के ऊपर एक काल्पनिक और वाहियात आदर्शवाद का साया मंडराता रहता था, जिसके भंवर जाल से कभी वह निकल नहीं पाते थे उसी प्रकार उनके शिष्य नेहरू पर भी एक काल्पनिक आदर्शवाद का साया बना रहा और वह उसी के भंवरजाल में फंसे रहे। नेहरू जी आदर्शवादी बनते बनते संयुक्त राष्ट्र संघ में सुरक्षा परिषद में भारत को मिलने वाली स्थाई सीट को दुनिया के सबसे बड़े राक्षस देश चीन को परोस देते हैं । वह अपने पड़ोसी देश तिब्बत की परवाह नहीं करते और उसे चीन को हड़प लेने देते हैं। वह नेपाल ,तिब्बत, भूटान के उस प्रस्ताव को भी अस्वीकार कर देते हैं जो इन देशों ने आजादी की बेला में भारत के साथ मिलने के लिए दिया था। जबकि मोदी दूसरी सोच के नेता हैं। वह भारत को मित्रविहीन बनाए रखकर या गुटनिरपेक्षता के नाम पर अलग थलग करने की सोच के खिलाफ हैं । जब सारी दुनिया ईसाई और मुस्लिम देशों में बंटी हो तब वैश्विक मंचों पर मित्र ढूंढना बड़ा मुश्किल होता है। नेहरू जी जहां अपने समय में भारत को धर्मनिरपेक्षता के नाम पर ईसाई और मुस्लिम समाज का शिकार होने देने के समर्थक थे वहीं मोदी जी सावधानी के साथ देश के बहुसंख्यक समाज की सुरक्षा के लिए खड़े दिखाई देते हैं। नेहरू जी जहां प्रधानमंत्री के पद को अपने आने वाले वंशजों के लिए सुरक्षित कर देना चाहते थे वहीं मोदी जी इस प्रकार की सोच के विरोधी हैं। नेहरू जी स्वयं को 'एक्सीडेंटल हिंदू' कहा करते थे। जबकि मोदी जी अपने आप को हिंदू कहने में गर्व की अनुभूति होती है। नेहरू जी दिखाने के लिए लोकतांत्रिक थे परंतु उन्होंने देश में पूंजीवादी लोकतंत्र को बढ़ावा दिया। जिससे देश की पूंजी का 70% हिस्सा मुट्ठी भर लोगों के हाथों में आ गया। मोदी जी इस प्रकार की विचारधारा के भी विरोधी हैं। नेहरू जी के समर्थक उन्हें मोदी जी की अपेक्षा अधिक लोकतांत्रिक दिखाने के लिए और साथ ही मुसलमानों की सहानुभूति प्राप्त करने के लिए (राम मंदिर निर्माण को दृष्टिगत रखते हुए)आज भी यह कहते हैं कि उन्होंने मंदिर मस्जिद के निर्माण पर ध्यान नहीं दिया। इसके विपरीत उन्होंने औद्योगिक संस्थानों, स्कूलों, कॉलेजों और बांध आदि को बनाने पर ध्यान दिया । उनके लिए कहा जाता है कि वह औद्योगिक संस्थानों को ही आधुनिक भारत के मंदिर कहा करते थे। इसके विपरीत मोदी जी भारत की आत्मा के साथ सहकार स्थापित कर उसकी आध्यात्मिक चेतना को उकेरने का काम भी उतनी ही शिद्दत से करते हैं जितनी शिद्दत से वह औद्योगिक संस्थानों या कॉलेज आदि के निर्माण और स्थापना की ओर ध्यान देते हुए करते हैं। वास्तव में, नेहरू जी ने जिन मंदिरों का निर्माण किया वह हृदयहीन मंदिर थे। नेहरू जी ने व्यक्ति को लेकर यह मान लिया कि उसे किसी प्रकार की आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। निरा भौतिकवाद नेहरू जी पर हावी था। इसलिए वह मनुष्य को हृदयहीन मशीनों कल कारखानों में लगाए रखने में विश्वास करते रहे। एक प्रकार से नास्तिक बने नेहरू जी ने मनुष्य की आध्यात्मिक भूख को मिटाने का काम किया। जिससे सारा समाज अस्त व्यस्त हो गया। इसके विपरीत मोदी जी व्यक्ति को किसी आध्यात्मिक शक्ति के साथ जोड़कर चलने में विश्वास रखते हैं। जिससे वह नैतिकता को अपनाकर समाज व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों पर ध्यान देने वाला बने। वास्तविक सामाजिक समरसता इसी प्रकार के दृष्टिकोण से पैदा होगी। इससे स्पष्ट है कि मोदी जी कहीं व्यावहारिक दृष्टिकोण को अपनाने वाले नेता हैं, जबकि नेहरू जी इस क्षेत्र में भी कल्पना लोक में काम करने वाले नेता ही साबित हुए। नेहरू भारतीयता के विरोधी हैं। उन्होंने भारतीय इतिहास का विकृतिकरण करने में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। अपने आप को अधिक विद्वान दिखाने के चक्कर में उन्होंने भारतीय इतिहास के तथ्यों को तोड़ मरोड़ कर इतिहास का ही गुड़ गोबर कर दिया। 'हिंदुस्तान की खोज' नामक पुस्तक को कांग्रेस आज भी देश के युवाओं के लिए गीता के रूप में प्रचारित करती है पर वास्तव में वह भारतीय इतिहास का कूड़ा ही है। इसके विपरीत मोदी जी भारतीय इतिहास के गौरवपूर्ण पक्ष को दोबारा लिखने के समर्थक हैं। वह भारतीयता के साथ जुड़े रहने में गर्व और गौरव की अनुभूति करते हैं। वह अपने देश के महान पुरुषों के त्याग, तपस्या, साधना ,पुरुषार्थ को समय-समय पर सराहते हैं। जबकि नेहरू जी बाहरी लोगों को अपने लिए प्रेरणा का स्रोत मानते थे। वह हिंदू इतिहास को भुला देना चाहते थे और मुगल इतिहास को ही इस देश की सबसे बड़ी विरासत मानने में विश्वास रखते थे। नेहरू जी भारतीय भाषा, भूषा , खान-पान रहन-सहन सबको भूल कर अंग्रेजी और इस्लामी संस्कृति को हम पर लाद देना चाहते थे, जबकि मोदी जी इन सभी क्षेत्रों में भारतीयता के समर्थक हैं।

डर के कारण या रणनीति के कारण राहुल अमेठी छोड़ी ?

अशोक भाटिया

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन किया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमलावर हो गए। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड में अपनी हार भांप ली है, इसलिए उन्हें रायबरेली का रुख करना पड़ा है।प्रधानमंत्री मोदी ने राहुल पर हमला बोलते हुए कहा, 'अमेठी सीट से हारने के बाद वायनाड जाने वाले कांग्रेस के 'शहजादे' अब रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्हें पता है कि इस बार वह वायनाड भी हारेंगे।' राहुल ने अपनी मौजूदा संसदीय सीट वायनाड से भी नामांकन भरा था। इस सीट पर मतदान दूसरे चरण में ही संपन्न हो चुका है। सवाल उठता है कि क्या प्रधानमंत्री का यह दावा ठोस तर्कों पर आधारित है? क्या इस बार वायनाड से राहुल गांधी हार जाएंगे और क्या रायबरेली में वो अपनी मां सोनिया गांधी की विरासत को संभालने में कामयाब रहेंगे? सवाल है कि अगर राहुल वायनाड और रायबरेली, दोनों जीत गए या फिर दोनों जगह से हार गए तो क्या होगा? बताया जाता है कि राहुल गांधी का अमेठी सीट छोड़कर रायबरेली से चुनाव लड़ने का फैसला चुनाव हारने के डर से नहीं बल्किभाजपा की रणनीति को फेल करने की मंशा माना जा रहा है। 2024 का चुनावी माहौल पूरी तरह से मोदी बनाम राहुल के इर्द-गिर्द ही नजर आ रहा है। ऐसे में अगर राहुल गांधी अमेठी सीट से चुनाव लड़ते तो यह नैरेटिव बदलकर राहुल बनाम ईरानी हो जाता. इस तरह की कहानी गढ़ने से रोकने के लिए कांग्रेस ने अमेठी की जगह राहुल गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारने का फैसला किया. अगर राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ते तो प्रियंका गांधी रायबरेली सीट से उम्मीदवार बनने को मजबूर हो जातीं। प्रियंका गांधी को लोकसभा चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं थी। इसके पीछे वजह यह थी कि अगर प्रियंका गांधी चुनावी मैदान में उतरती हैं तो भाजपा को भाई-भतीजावाद के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने का मौका मिल जाएगा। इतना ही नहीं अगर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी दोनों चुनाव लड़ते तो उन्हें अपनी-अपनी सीटों पर व्यस्त रहना पड़ता। ऐसे में देश के अन्य हिस्सों में भी कांग्रेस का चुनाव प्रचार प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही थी। अगर राहुल और प्रियंका अपने इलाकों में कम समय देते हैं तो इलाके के प्रति उदासीनता के आरोप लगने लगेंगे. रणनीति के तहत कांग्रेस ने राहुल गांधी को रायबरेली से मैदान में उतारा है ताकि उन पर प्रदेश से भागने का आरोप न लग सके और प्रियंका अन्य क्षेत्रों में चुनाव प्रचार के लिए भी उपलब्ध रहें। प्रियंका गांधी के अब उम्मीदवार नहीं होने सेभाजपा औरप्रधानमंत्री मोदी के लिए कांग्रेस पर भाई-भतीजावाद के आरोपों को गहरा करना मुश्किल होगा। इसीलिए राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली सीट से मैदान में उतारा गया है ताकि चुनाव मेंभाजपा को कोई मौका न मिले। स्मृति ईरानी एक बार फिर भाजपा के टिकट पर अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही हैं। वे पिछले चार महीनों से डेरा डाले हुए हैं। अगर राहुल गांधी अमेठी से स्मृति ईरानी के खिलाफ चुनाव लड़ते और किसी कारणवश दोबारा चुनाव हार जाते तो कांग्रेस के साथ-साथ गांधी परिवार को भी इसका संदेश राजनीतिक रूप से बहुत गलत होता। इससे उत्तर भारतीय राजनीति में राहुल के लिए राजनीतिक राह बहुत मुश्किल हो जाती। माना जा रहा है कि इस दुविधा से बचने के लिए अमेठी की जगह रायबरेली सीट को चुना गया है। रायबरेली में राहुल गांधी की हार का दावा करते हुए प्रधानमंत्री ने संसद में अपने भाषण की याद दिलाई। उन्होंने सोनिया गांधी पर तंज कसते हुए कहा, 'ओपिनियन पोल' या फिर 'एक्जिट पोल' की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि मैंने संसद में बहुत पहले उनकी (कांग्रेस) हार की बात कह दी थी। जब उनके वरिष्ठ नेता अपनी लोकसभा सीट छोड़कर राजस्थान से राज्यसभा जा रहे हैं तो यह इस बात का सबूत है कि उन्होंने हार भांप ली है।' यह सच है कि रायबरेली में सोनिया गांधी की जीत का अंतर घटता जा रहा था। 2014 में सोनिया गांधी ने अपनी पारिवारिक सीट पर 3,52,713 (42.7) वोटों के अंतर से भाजपा कैंडिडेट अजय अगरवाल को हराया था। तब सोनिया गांधी को 5,26,434 (63.8%) वोट मिले थे जबकि अगरवाल को 1,73,721 (21.1%) वोटों से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन 2019 के चुनाव में सोनिया गांधी की जीत का अंतर सिमटकर 1,67,178 (17.44%) वोटों तक रह गया। तब सोनिया को 5,34,918 (55.78%) वोट मिले जबकि भाजपा कैंडिडेट दिनेश प्रताप सिंह ने 3,67,740 (38.4%) वोट हासिल करने में सफलता पाई। यानी एक चुनाव के अंतर में भाजपा ने रायबरेली में 17 प्रतिशत से ज्यादा वोट बढ़ा लिया जबकि कांग्रेस पार्टी 8% वोट घट गया। क्या इस बार भाजपा इस 17% वोट का अंतर पाट लेगी? आइए इस सवाल का जवाब उत्तर प्रदेश में ही गांधी परिवार के एक और गढ़ अमेठी में ढूंढने की कोशिश करते हैं। पहले तो इस सवाल को ही परखें कि आखिर राहुल गांधी के वायनाड से जीतने पर संदेह क्यों जताई जा रही है? इसके पीछे बड़ी वजह है वायनाड में पिछली बार के मुकाबले इस बार राहुल के सामने खड़ी कैंडिडेट। राहुल गांधी ने पिछली बार मुस्लिम और ईसाई मतदाताओं के दबदबे वाले वायनाड लोकसभा सीट को सुरक्षित समझा था। अमेठी में हार की आशंका के बीच राहुल का यह फैसला सही साबित हुआ था और वो वायनाड में भाकपा प्रत्याशी को हराकर संसद पहुंच गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में राहुल गांधी को वायनाड में 7,06,367 (64.7%) जबकि प्रतिद्वंद्वी सीपीआई प्रत्याशी 2,4,597 (25.1%) वोट ही मिले थे। इस बार हालात अलग हैं। प्रदेश के सत्ताधारी वाम गठबंधन ने इस बार अपना प्रत्याशी बदल दिया है। इस बार राहुल का भाकपा महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा से मुकाबला है। हालांकि, पिछली बार की तरह ही इस बार भी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) का समर्थन राहुल गांधी को प्राप्त है। वायनाड के मुस्लिम मतदाताओं पर आईयूएमल का बहुत प्रभाव है, लेकिन एनी राजा का अपने सपोर्ट बेस है। इसलिए वहां राहुल के लिए जीत आसान नहीं बताई जा रही है। वैसे देखा जाय तो कांग्रेस और नेहरू-गांधी परिवार का रिश्ता अमेठी और रायबरेली से काफी पहले ही स्थापित हो गया था। रायबरेली के साथ नेहरू-गांधी परिवार का रिश्ता चार पीढ़ियों पुराना है और आजादी से पहले का है, जबकि अमेठी सीट से गांधी परिवार का लगाव 1977 से है, जब संजय गांधी ने चुनाव लड़ा था। सोनिया गांधी की सास इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी ने रायबरेली से चुनाव लड़ा था और जीतकर सांसद बने थे, उसके बाद इंदिरा गांधी ने अमेठी सीट को अपना कर्मस्थान बनाया था। 1967 के आम चुनाव में इंदिरा गांधी ने यहां से जीत दर्ज की। इसके बाद वह 1971 और 1980 में सांसद बनीं। सोनिया गांधी 2004 से रायबरेली सीट से सांसद हैं। रायबरेली लोकसभा सीट मोतीलाल नेहरू, पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और फिर सोनिया गांधी से जुड़ी है। आजादी से पहले किसान आंदोलन के दौरान 7 जनवरी 1921 को मोतीलाल नेहरू ने पंडित जवाहर लाल नेहरू को अपना प्रतिनिधि बनाकर भेजा था. इसी तरह 8 अप्रैल 1930 को यूपी में दांडी मार्च के लिए रायबरेली को चुना गया था और उस समय जवाहरलाल नेहरू कांग्रेस के अध्यक्ष थे, उन्होंने अपने पिता मोतीलाल नेहरू को रायबरेली भेजा था। इसके बाद से ही रायबरेली सीट से नेहरू-गांधी परिवार जुड़ा हुआ है। इसीलिए जब राहुल गांधी को रायबरेली और अमेठी में से किसी एक को चुनना था तो उन्होंने रायबरेली को चुना। गांधी परिवार रायबरेली सीट नहीं छोड़ना चाहता, क्योंकि उससे उसका चार पीढ़ियों पुराना रिश्ता है। अमेठी सीट 1977 में बनी थी और संजय गांधी ने पहली बार यह चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। इसके बाद 1980 में वह जीतने में कामयाब रहे, उसके बाद से राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी चुनाव लड़े। अमेठी में राजीव और सोनिया अजेय थे, लेकिन राहुल गांधी लगातार तीन चुनाव जीतने के बाद 2019 में हार गए। सोनिया गांधी 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ रही हैं, क्योंकि वह राज्यसभा सांसद हैं और प्रियंका चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं हैं। ऐसे में राहुल गांधी वायनाड सीट से चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन जब अमेठी या रायबरेली से चुनाव लड़ने की बारी आई तो उनके लिए रायबरेली को चुना गया। वायनाड सीट से राहुल गांधी चुनाव लड़ रहे हैं, जहां से उनकी जीत तय मानी जा रही है। राहुल गांधी पर रायबरेली या कांग्रेस की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ने का दबाव था। ऐसे में राहुल ने साफ कर दिया था कि उन्हें चुनाव लड़ने और हारने का डर नहीं है, लेकिन अगर वह चुनाव जीतते हैं तो वायनाड सीट नहीं छोड़ेंगे। ऐसे में कांग्रेस ने अमेठी की जगह रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया, क्योंकि गांधी परिवार के लिए अमेठी से ज्यादा अहम रायबरेली है। इसीलिए राहुल गांधी को अमेठी की जगह रायबरेली सीट से उम्मीदवार बनाया गया है और अमेठी से किशोरी लाल शर्मा को टिकट दिया गया है। जानकर लोगों का कहना है कि अमेठी की जगह रायबरेली सीट से चुनाव लड़ने के पीछे खास रणनीति ये भी है कि अगर राहुल गांधी दोनों सीटों से जीत जाते हैं तो उन्हें एक सीट से इस्तीफा देना होगा. अगर राहुल गांधी लोकसभा चुनाव के बाद दोनों सीटों से जीतने में सफल रहते हैं, अगर वह रायबरेली या वायनाड सीट छोड़ देते हैं तो प्रियंका गांधी वहां से वैकल्पिक उम्मीदवार के तौर पर उपलब्ध होंगी. जिस तरह राहुल गांधी किसी भी सूरत में वायनाड सीट नहीं छोड़ना चाहते हैं, उसी तरह माना जा रहा है कि वह रायबरेली सीट छोड़ देंगे। ऐसे में प्रियंका गांधी उपचुनाव लड़कर सांसद बन सकती हैं।

विश्व नेता की साख पर आघात हैं दुराचारी नेताओं के कारनामे!

मनोज कुमार अग्रवाल

राष्ट्रवाद के परचम को लेकर सबका साथ सबका विकास और बेटी पढाओ बेटी बचाओ के नारी सम्मान व सुरक्षा के नारे को शिरोधार्य कर भाजपा नीत राजग सरकार दस साल पूरे कर एक बार फिर जनमत हासिल करने के लिए प्रयत्नशील है। लेकिन राजग में में शामिल जनता दल सेकुलर के एक मोजूदा सांसद प्रज्वल रेवन्ना की सैक्स टेप कांड से तहलका मचा है। पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा के सांसद पोत्र प्रज्वल रेवन्ना पर सैकड़ों महिलाओं से दुष्कर्म करने और उनके अश्लील वीडियो बनाने के गंभीर आरोप हैं। देवेगौड़ा जनता दल सेक्यूलर के संरक्षक हैं और रेवन्ना इसी पार्टी से कर्नाटक के हासन से सांसद है। इस बार भी वह जद (एस) के टिकट पर हासन से चुनाव मैदान में है, जहां 26 अप्रैल को मतदान हुआ। मतदान के अगले दिन ही दर्जनों अश्लील वीडियो वारयल हो गए, जिनमें कथित तौर पर अलग-अलग महिलाओं के साथ रेवन्ना नजर आ रहे हैं। उसी दिन से इस प्रकरण पर राजनीतिक बवाल मचा हुआ है।आपको बता दें कि मामले की जांच एसआईटी को सौंप दी गई है एसआइटी ने पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा के पुत्र कर्नाटक के पूर्व मंत्री व मौजूदा विधायक एचडी रेवन्ना और मौजूदा सासंद पोत्र प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ अपहरण बलात्कार समेत महिला सम्मान को आघात पहुचाने व आइटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कराया है। रेवन्ना के खिलाफ लुकाउट नोटिस जारी किया गया है। इस बेहद शर्मसार करने वाले प्रकरण से विपक्ष को मौका मिला तो कांग्रेस आरोप लगा रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐसे व्यभिचारी के लिए वोट मांगे, उन्हें माफी मांगनी चाहिए। साथ ही, कांग्रेस यह भी आरोप लगा रही है कि केंद्र सरकार ने आरोपित को विदेश भागने में मदद की। दूसरी ओर, भाजपा आरोप लगा रही है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार क्या कर रही थी? वीडियो वायरल होने के बाद उसने कोई संज्ञान लेकर कार्रवाई क्यों नहीं की?दोनों दलों के आरोप अपनी-अपनी जगह सही प्रतीत हो रहे हैं। अब कर्नाटक सरकार ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है और रेवन्ना के विरुद्ध लुकआउट नोटिस जारी कर दिया है। लेकिन नेताओं की शर्मनाक हरकत यही सीमित नहीं हैं कर्नाटक की कांग्रेस सरकार के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर ने दुष्कर्म के आरोपी रेवन्ना की तुलना भगवान श्री कृष्ण से कर ने विवाद को जन्म दिया है। बहरहाल राजनीतिक बयानबाजी अलग विषय है, किन्तु यह अत्यंत गंभीर मामला है कि इतने दुष्कर्म के आरोपों से घिरा व्यक्ति भारत की संसद का एक माननीय सदस्य है।और दोबारा लोकसभा की सदस्यता का दावेदार भी है। 26 अप्रैल को उस का भाग्य ईवीएम में दर्ज हो चुका है। हालांकि रेवन्ना के पिता सफाई दे रहे हैं कि सीडी में कैद उस की कथित दुराचार भरी करतूतें कई साल पहले की है जब वह इस हद दर्जे का अय्याश और दुराचारी है तो ताज्जुब की बात यह है कि राजनीतिक हैकडी दबंगई सत्ता की हनक के बूते पर रेवन्ना सैकड़ों युवतियों महिलाओं के साथ व्यभिचार कर उनकी रोते बिलखते और बख्श देने के लिए गिड़गिड़ाते हुए कई सीडी बनाकर व्यभिचार करता रहा। इस सारे मामले पर विचार करेंगे तो प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि प्रज्वल रेवन्ना महिलाओं का यौन शोषण कर अपने अहम की तुष्टि करने की मानसिक बीमारी से ग्रस्त है क्योंकि बताया गया है कि कुल 2976 क्लिप विभिन्न सीडी में दर्ज है करीब चार सौ युवतियों महिलाओं के दैहिक शोषण का शिकार बनाया गया है। सबसे दुखद घटना के इस दुराचारी किरदार का मामले का भांडा फूटते हीआसानी से देश से विदेश भाग जाना भी शर्मनाक है । न कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने उसे रोका और न ही केंद्र की भाजपा सरकार ने। जाहिर है कि सत्ता राजनीतिक पहुंच रखने वाले दबंग लोग कानून को पैरों तले रोंदते हैं मानो यदि किसी के पास पैसा व पहुंच है तो वह जो मर्जी अपराध करके भाग सकता है क्या ,कानून बाद में लकीर पीटने के लिए बना है? गौरतलब है कि हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व उनकी सरकार की अपेक्षाकृत छवि साफ मानी जाती है, किन्तु उनकी पार्टी के नेताओं पर भी समय समय पर महिलाओं से दुराचार दुष्कर्म के गंभीर आरोप लग रहे हैं चाहे वह उत्तर प्रदेश का विधायक कुलदीप सेंगर हाँ, गोंडा के भाजपा सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह हो साक्षी महाराज हो या फिर अब भाजपा की सहयोगी पार्टी जेडीएस के सांसद रेवन्ना हों, सब पर एक ही जैसे अत्यंत गंभीर आरोप लगे। पार्टी ने तब तक उनके विरुद्ध कोई कदम नहीं उठाया जब तक कि अदालत ने सजा न सुना दी। सेंगर को सजा होने के बाद ही पार्टी से निलंबित किया गया। ब्रजभूषण पर देश का नाम रोशन करने वाली अंतरराष्ट्रीय पहलवानों ने शोषण के गंभीर आरोप लगाए, लेकिन सरकार ने उसे कुश्ती महासंघ के पद से हटाना तक जरूरी नहीं समझा। अब महिला पहलवानों के व यौन शोषण का मुद्दा पुनः जोर न पकड़ ले और चुनाव में नुकसान न हो जाए, इसलिए उसका टिकट तो काट दिया, लेकिन उसके बेटे को ही टिकट दे दिया। इसी तरह, कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से कार्यकाल पूरा होने के बाद ब्रजभूषण तो हट गये, पर उन के अपने बिजनेस पार्टनर को ही अध्यक्ष बनवा दिया। क्या ये दुराचार के आरोपी नेता राजनीतिक रूप से इतने दबंग हैं कि उन पर हाथ डालने की हिम्मत ही नहीं है? या उनके सहयोग के बिना सत्ता में लौटना सम्भव नहीं है। फिर बाकी दलों में और भाजपा में क्या अंतर रह जाता है? यदि हालात ऐसे हैं तो 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं जैसे नारे निरर्थक हैं। इसी तरह, चुनाव में वोट बटोरने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी भले ही रेवन्ना को लेकर आक्रामक हों, किन्तु जब राजस्थान में उनकी सरकार थी और हर दूसरे दिन बच्चियों से दुष्कर्म के मामले आते थे तब प्रियंका राहुल और सोनिया के मुंह से एक शब्द नही निकला। आपको याद होगा कि बलात्कार करने वालों पर समाजवादी पार्टी के तत्कालीन मुखिया मुलायम सिंह यादव ने तो कह दिया था बच्चे हैं, गलती हो जाती है।उनके इस बयान की बहुत समय तक आलोचना की गई। यूपी, मध्य प्रदेश, बंगाल, बिहार, कर्नाटक... सब जगह तो ऐसे मामले सामने आए हैं। यह किस तरह की मानसिकता है? ऐसे में हम किस मुहं से दो माह से संदेशखाली के दबंग के खिलाफ हर मंच से दुराचार और दबंगई के आरोप में आवाज उठा रहे थे। कुकर्म दबंगई करने वाला नेता संदेश खाली का शेख शाहजहां हो या कर्नाटक का पूर्व पीएम का पोता प्रज्वल रेवन्ना दोनों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जानी चाहिए। ऐसे सभी दुराचारियो को एक ही इंसाफ के तराजू पर तोल कर कड़ी सजा देना चाहिए। वहीं भाजपा जैसे कैडर बेस दलों के नेतृत्व को विशेष रूप से ऐसे दुराचारियो और उनके दलों के साथ गठबंधन करने से पहले पूरी तसल्ली बख्श जांच कर लेनी चाहिए कि कहीं कोई कालिख से सना दुरात्मा चरित्र उनके कथित चरित्रवान दल को अपनी कालिमा से दूषित न कर देवे। प्रज्वल रेवन्ना की करतूत से भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी गहरा धक्का लगा है कि एक संसद का माननीय सदस्य कैंचुली उतरने पर इतना वीभत्स दुराचारी कुकर्म शैतान बतौर सामने आ सकता है यह हैरानी के साथ साथ विश्वगुरु का सपना संजोने वाले दुनिया में मोदी मोदी के डंके से आत्ममुग्ध प्रधानमंत्री के लिए भी गहरा आघात भरा धक्का है कि आखिर प्रज्वल रेवन्ना तक्षक बनकर मोदी के इंद्र सिंहासन तक कैसे पहुँचा?

मेष राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको कोई नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं जिसे आप पूरी लग्न और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे, आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान रहेगा। इस राशि के जो लोग खेल जगत से जुड़े हैं वे आज अपनी प्रैक्टिस में व्यस्त रहेंगे। आज आर्थिक मामलो में माता-पिता का सहयोग मिलता रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। समाज हित में किये गये कामों की तारीफ हो सकती है। आज आपको उच्चाधिकारी के सामने बात रखने पर पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिलेगा। महिलाए अपने जीवनसाथी को आज कुछ मीठा बना कर खिला सकती है, दोनों के बीच रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। स्वास्थ्य फिट रखने के लिए योग की रूटीन अपनाएं, फायदा मिलेगा। धार्मिक कामों में मन लगाने से आपको मानसिक शांति मिलेगी।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहने वाला है। आज आप कार्यक्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और अधिकारियों का दिल जीतने में कामयाब भी होंगे। आज के दिन आप अपनी उर्जा को सही काम में लगाएं। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उन्हें किसी संस्था से जुडक़र नाम कमाने का मौका मिलेगा। आज आपको किसी परिजन की तरफ से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से व समय से पूरा हो जाएगा। आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज किसी प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो सफलता दिलाने में मददगार साबित होगा। आज कुछ ऐसे विचार आ सकते हैं जो वाकई जबरदस्त और सृजनात्मक होंगे। छात्र आज अपना

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज किसी भी कानूनी मामलों में जल्दबाजी न दिखाएं। अपने खर्चों पर नियंत्रण बनाए रखेंगे तो भविष्य में आने वाली परेशानियों से भी बच जायेंगे। आज अपने काम को सामान्य गति से पूरा करेंगे। किसी नए काम की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो दिन शुभ है आप कर सकते हैं आपको काम में सफलता मिलने के अच्छे योग बनते दिख रहे हैं। आज आपके जीवनसाथी को सफलता मिल सकती है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है। आज परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी धार्मिक यात्रा पर जाने की प्लानिंग कर सकते हैं। आज आप मित्रों के साथ कोई निवेश संबंधी योजना बनाएंगे, जिसमें आपको बहुत ही सोच विचार कर आगे बढना होगा। आज आपको यदि कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़े, तो बहुत ही सोच विचार कर लें।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज किसी मामले में अपनी समझ से काम करना होगा, तभी काम का परिणाम अच्छा मिलेगा। आज बड़ो का आशीर्वाद मिलेगा जिससे आपकी सकारात्मकता बढ़ेगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज घर में शुभ समाचार मिलने की सम्भावना बन रही है, दांपत्य जीवन का सुख मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी। आमोद-प्रमोद में आपका ज्यादा मन लगेगा। अर्थराईटिस की परेशानी से जुड़े लोगों को आज राहत मिलेगी। आज परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

धनु राशिः आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। स्वास्थ्य के लिहाज से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके बढ़ते खर्चे परेशानी का कारण बन सकता है, इसीलिए बजट बनाकर चलने का प्रयास करें। किसी संपत्ति का सौदा जल्दबाजी में न करें। राजनीतिक से जुड़े लोगों को बड़े नेताओं से मिलने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति का मार्ग प्रसस्त होगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपकी योजनाओं को गति मिलेगी। आज आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपको बड़ों का साथ व सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आज आपकी शिक्षा में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा, आपको ख़ुशी होगी।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप एक से अधिक स्रोतों से आय प्राप्त करेंगे। शासन व प्रशासन के मामले में सावधानी बरतें। आज निवेश संबंधी मामलों को गति मिलेगी। आज किसी अजनबी पर सोच समझकर भरोसा करें। विद्यार्थियों को किसी टॉपिक को समझने में आ रही परेशानी से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आप आगे बढ़ेंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन आपके लिए परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए। जिस व्यक्ति की आपने कभी मदद की थी वह आज आपके काम आएगा।

वानखेड़े में केकेआर ने पहली जीत दर्ज की, मुंबई को 24 रन से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली।

आईपीएल 2024 में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला हुआ। इस मैच में केकेआर के आधे बल्लेबाज 57 रन बनने तक पैवेलियन लौट चुके थे तो वहीं मुंबई ने 71 रन पर 7 विकेट गंवा दिए थे। इस मैच में गेंदबाजों का दबदबा रहा। इस मुकाबले में सूर्यकुमार यादव के बल्ले ने रन बरसाए तो टिम डेविड ने भी अपना जलवा दिखाया, लेकिन आखिर में बाजी केकेआर ने मारी। केकेआर ने मुंबई को 145 रन ही बनाने दिए। यह केकेआर की मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 12 साल में पहली जीत थी। केकेआर ने यह मैच 24 रन से जीत लिया। मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम शानदार मुकाबला हुआ। दोनों टीमों के प्रशंसकों ने खूब आनंद उठाया। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। मुंबई के गेंदबाजों ने केकेआर को 169 रन ही बनाने दिए, लेकिन बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन के कारण मुंबई को इस मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने इस मुकाबले में 57 रन पर 5 विकेट गंवा दिए। इसके बाद केकेआर के मनीष पांडे की एंट्री हुई। मनीष पांडे ने 31 गेंद पर 42 रन बनाकर वेंकटेश अय्यर का साथ दिया। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले वेंकटेश अय्यर ने 52 गेंद पर 70 रन बनाए। वेंकटेश अय्यर और मनीष पांडे की बदौलत केकेआर टीम 169 रन का स्कोर बना सकी। आईपीएल के मौजूदा सीजन में वानखेड़े स्टेडियम में 200 से बड़े स्कोर बने हैं। इस कारण 170 रन का लक्ष्य मुश्किल नहीं माना जा रहा था, लेकिन केकेआर की गेंदबाजी ने मुंबई इंडियंस के 7 विकेट 71 रन के अंदर ही गिरा दिए, लेकिन सूर्यकुमार यादव ने हार नहीं मानी। उन्होंने एक समय ऐसा आया कि मुंबई इंडियंस के खेमे में जीत की उम्मीद जगा दी लेकिन एक खराब शॉट ने उनकी जीत पर पानी फेर दिया। मुंबई को जीत के लिए 28 गेंद पर 50 रन चाहिए थे और क्रीज पर सूर्या जमे हुए थे। टिम डेविड उनका साथ दे रहे थे, लेकिन 16वें ओवर की तीसरी गेंद, जो फुलटॉस थी, उसे सूर्या नहीं खेल पाए। आंद्रे रसेल की यह गेंद सूर्या के बल्ले का बाहरी किनारा लेकर फाइन लेग की ओर काफी ऊंची पर गई, जिसे लपकने में विकेटकीपर फिल सॉल्ट ने कोई गलती नहीं की। मुंबई इंडियंस ने 18 ओवर के बाद 7 विकेट पर 132 रन बना लिए थे।

क्रीज पर टिम डेविड थे इसलिए जीत की उम्मीद बाकी थी। टिम डेविड ने 19वें ओवर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर इस उम्मीद को और पक्का कर दिया, लेकिन मिचेल स्टार्क ने अगली ही गेंद पर उन्हें बोल्ड कर इस उम्मीद पर पानी फेर दिया। स्टार्क ने अगली ही गेंद पर पीयूष चावला को भी चलता कर दिया। टीम के आखिरी बल्लेबाज गेराल्ड कोएत्जी भी इसी ओवर में आउट हो गए इस तरह स्टार्क ने एक ही ओवर में 3 विकेट लेकर मुंबई इंडियंस को हार का मजा चखाया।

हार की वजह ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा : हार्दिक पंड्या

एजेंसी, मुंबई । आईपीएल मे शुक्रवार को मुंबई इंडियंस को कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 रन से हरा दिया। केकेआर के 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम 145 रन पर ढेर हो गई। इस हार से कप्तान हार्दिक पंड्या काफी परेशान दिखे। उनसे हार का कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हार की वजह ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा। मुंबई इंडियंस के लिए सिर्फ सूर्यकुमार यादव और टिम डेविड ने थोड़ा संघर्ष किया। बाकी बल्लेबाज नाकाम रहे। पंड्या ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा कि हम साझेदारियां नहीं बना सके और विकेट गंवाते गए। बहुत सारे सवाल हैं और इन सब के जवाब ढूंढ़ने में थोड़ा समय लगेगा। हार्दिक पंड्या केकेआर के खिलाफ सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि, इससे पहले उन्होंने मैच में 2 विकेट लिए। हार्दिक पंड्या ने केकेआर की पारी को 169 रन तक रोकने के लिए गेंदबाजों की तारीफ की। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। अगर मैं गलत नहीं हूं तो दूसरी पारी में ओस के कारण विकेट बेहतर हो गया। हमें देखना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं। खेल में संघर्ष जारी रखा जाता है। मैं भी अपनी टीम के खिलाड़ियों से यही कहता हूं। बता दें कि मुंबई की टीम आईपीएल 2024 की प्लेऑफ रेस से लगभग बाहर हो गई है। वह अपने 11 में से 8 मैच हार चुकी है और 6 अंक के साथ पॉइंट टेबल में नौवें नंबर पर है। सिर्फ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ही टेबल में उससे नीचे हैं, लेकिन बेंगलुरू को मुंबई से एक मैच ज्यादा खेलना है। बेंगलुरू की टीम 10 में 7 मैच हार चुकी है देखना है कि वह प्लेऑफ में खेलती है या नहीं।

'टी20 विश्व कप टीम का चयन फॉर्म के आधार पर नहीं हुआ'

कोहली को ओपनिंग तो रोहित को तीसरे नंबर पर उतारें

एजेंसी, नई दिल्ली

टीम इंडिया के पूर्व ऑलराउंडर अजेय जडेजा ने टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का चयन पर सवाल उठाए हैं। जडेजा ने कहा है कि चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप में विराट कोहली को ओपनिंग में उतारने की सलाह दी है जबकि रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर खिलाने का आग्रह किया है। अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई की सीनियर चयन समिति ने 30 अप्रैल को टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दी है। भारतीय टीम रोहित शर्मा की कप्तानी में पहला मैच 5 जून को आयरलैंड के साथ खेलेगी। इसके बाद टीम इंडिया का सामना उसके खास प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। यह मैच 9 जून को न्यूयॉर्क में खेला जाएगा। टीम चयन को लेकर अजय जडेजा ने कहा कि विराट कोहली को पारी की ओपनिंग करना चाहिए। रोहित को तीसरे नंबर पर उतारा जाना चाहिए। उसे थोड़ा समय मिल जायेगा क्योंकि बतौर कप्तान उसके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। विराट शीर्षक्रम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है और पावरप्ले में उसे जमने का मौका मिल जाएगा। जडेजा ने खराब फॉर्म से जूझ रहे हार्दिक पंड्या के चयन का भी समर्थन किया है। जडेजा ने कहा कि चोट के बाद पंड्या ने आईपीएल में वापसी की लेकिन वह ना तो बल्ले से और ना ही गेंद से अभी तक अपने आप को मजबूत साबित कर पाए हैं। मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हार्दिक पंड्या की टीम पर आईपीएल से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अजेय जडेजा ने कहा कि वह कई कारणों से सुर्खियों में हैं। वह खास खिलाड़ी है और भारत में इस तरह के हरफनमौला खिलाड़ी कम ही मिलते हैं। चयन फॉर्म के आधार पर नहीं किया गया। यह इस पर निर्भर है कि आप कैसे खेलना चाहते हैं। आपके पास टीम में स्थापित खिलाड़ी हैं। अब देखना यह है कि रोहित क्या सोचते हैं।

4 गेंदों में 3 विकेट ले मिचेल स्टार्क ने केकेआर के पैसे वसूल कराएं

एजेंसी, नई दिल्ली।

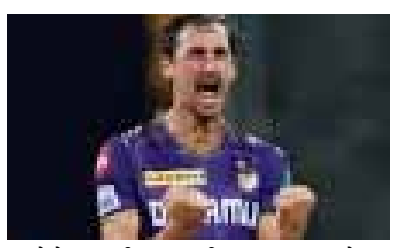

वानखेड़े स्टेडियन में खेले गए आईपीएल के एक मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराकर प्लेआफ में जगह बना ली है। केकेआर ने मुंबई को 170 रन का लक्ष्य दिया था. इसके जवाब में मुंबई ने 18 ओवर में 7 विकेट पर 132 रन बना लिए थे। क्रीज पर टिम डेविड जमे थे उनसे मुंबई को जीत की उम्मीद थी, लेकिन 19वां ओवर में मिचेल स्टार्क ने चार गेंदों में तीन विकेट लेकर मुंबई की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मिचेल स्टार्क आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। केकेआर ने उन्हें 24.75 करोड़ रुपए देकर अपनी टीम में शामिल किया है। स्टार्क पर केकेआर की इस उम्मीद पर खरा उतरने का दबाव है, जो शुरुआती मैचों नहीं दिखा। इससे उन्हें आलोचना का सामना भी करना पड़ रहा था, लेकिन मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में खेले मैच में उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मैच से मिचेल स्टार्क ने केकेआर के पैसे वसूल करा दिए। मिचेल स्टार्क जब मुंबई की पारी का 19वां ओवर लेकर आए तो टिम डेविड ने पहली गेंद पर छक्का जड़ दिया। मिचेल इससे पहले आरसीबी के खिलाफ आखिरी ओवर में 3 छक्के पड़वा चुके थे और केकेआर के फैंस के जेहन में वही यादें ताजा हो गई, लेकिन मिचेल बार-बार एक ही गलती नहीं करते। इस बार मिचेल अलग अंदाज में सामने थे और उन्होंने छक्का मारने वाले डेविड को अगली ही गेंद पर श्रेयस अय्यर के हाथों कैच करवा दिया। स्टार्क ने इसके बाद ओवर की तीसरी गेंद पर पीयूष चावला और पांचवीं गेंद पर कोएत्जी को बोल्ड किया। मिचेल स्टार्क ने अपने इस ओवर के स्पेल में 33 रन देकर 4 विकेट झटके। यह आईपीएल इतिहास में सिर्फ चौथा मौका है जब केकेआर के किसी गेंदबाज ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 4 विकेट लिए।

व्यापार

शेयर बाजार में तीन दिन तेजी, एक दिन गिरावट रही, सेंसेक्स 732 अंक फिसल 73,878 पर बंद

निफ्टी 172 अंक फिसलकर 22,475 पर बंद

एजेंसी, मुंबई

बीते सप्ताह शेयर बाजार के कम कारोबारी दिनो में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। सप्ताह की शुरुआत में तेजी के साथ खुलने वाला शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। हालांकि सेंसेक्स में एक फीसदी की तेजी रही और निफ्टी ने भी नया रिकॉर्ड बनाया। बाजार के विश्लेषकों का कहना है कि अमेरिका में लगातार चार महीनों तक महंगाई बाजार की उम्मीदों से अधिक रहने से मुद्रास्फीति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। मई के पॉलिसी में अमेरिकी फेड ने अपने मुद्रास्फीति लक्ष्य की दिशा में सीमित प्रगति को स्वीकार किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि महंगाई को लेकर अनिश्चितता बना हुआ है। इसका असर भी बाजार पर देखने को मिला। इसके अलावा लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर बाजार की अटकलों के कारण भी बाजार में बेतहाशा उतार-चढ़ाव बढ़ रहा है। विश्लेषकों का मानना है कि जैसे-जैसे 4 जून के चुनाव नतीजों की तारीख के करीब पहुंचेंगे, बाजार में अस्थिरता और भी बढ़ सकती है। बीते सप्ताह 1 मई बुधवार को मजदूर दिवस पर बंद रहे जिससे शेयर बाजारों में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई का सेंसेक्स 856.90 अंकों की बढ़त के साथ 74,587.06 के स्तर पर खुला और 941.12 अंकों की बढ़त के साथ 74,671.28 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 191.15 अंकों की मजबूती के साथ 22,611.10 पर खुला और 223.46 अंक मजबूत होकर 22,643.40 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 129.61 अंक की तेजी के साथ 74,800 पर खुला और 188.50 अंक की गिरावट के साथ 74,482.78 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 36.25 अंक की बढ़त के साथ 22,679 के लेवल पर खुला और 38.55 अंक टूटकर 22,604.85 के स्तर पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 150 अंक बढ़कर 74,639 पर खुला और 74611.11 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 41 अंक बढ़कर 22,646 पर खुला और 22,648 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सुबह मजबूती के साथ शुरू हुआ घरेलू शेयर बाजार बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 75,070 पर खुला और 732.96 अंक फिसलकर 73,878.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 135 अंक गिरकर 22,783 पर खुला और 172.33 अंक फिसलकर 22,475.85 पर बंद हुआ।

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा कोरियाई ब्यूटी ब्रांड की एंबेसडर बनी

एजेंसी, नई दिल्ली

मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा ने 2021 में प्रतिष्ठित फैशन ब्रांड सेल्फ-पोर्ट्रेट के लिए कैंपेन में भाग लेकर मॉडलिंग इंडस्ट्री में पहचान हासिल की। अब सारा ने मशहूर कोरियाई स्किनकेयर ब्रांड लैनेज की ब्रांड एंबेसडर के तौर पर ब्यूटी इंडस्ट्री में प्रवेश किया है। सारा ने लैनेज के उत्पाद का इस्तेमाल करते हुए अपनी एक आकर्षक तस्वीर शेयर की है। सारा ने कहा कि मैं लैनेज से जुड़कर रोमांचित हूं। यह एक ऐसा ब्रांड है जिसकी मैं इनोवेशन के प्रति समर्पण के लिए लंबे समय से प्रशंसा करती रही हूं। लैनेज के साथ साझेदारी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। लैनेज के साथ सारा की साझेदारी उनके करियर में एक नया चैप्टर है। सारा तेंदुलकर लैनेज में अपनी एंबेसडर की भूमिका में चमकदार सुंदरता का सार प्रस्तुत करती हैं। वह लोगों को आत्मविश्वास और प्रामाणिकता के साथ अपनी अनूठी चमक को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। अभिनेत्री या बड़ी मॉडल न होने के बावजूद सारा तेंदुलकर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फ्लॉइंग है। वह हमेशा ही अपनी खूबसूरती से सबको दीवाना बनाती रहती हैं। उनकी बेदाग त्वचा उन्हें ब्यूटी ब्रांड और स्कनिकेयर प्रोडक्ट एंडोर्समेंट के लिए मुफीद बनाते हैं। उनकी सादगी उनकी खूबसूरती में चार चांद लगा देती है। वह बनिा बहुत मेकअप के लोगों का ध्यान खींचती हैं।

सिंगापुर और हांगकांग भेजे जाने वाले मसालों की ईटीओ जांच अनिवार्य

एजेंसी, नई दिल्ली

सिंगापुर और हांग कांग में एमडीएच और एवरेस्ट के मसालों पर सवाल उठने के बाद भारत के स्पाइसेज बोर्ड ने दोनों देशों को निर्यात किए जाने वाले मसालों में एथिलीन ऑक्साइड (ईटीओ) की जांच अनिवार्य कर दी गई है। 6 मई से ऐसी जांच अवश्य करनी होगी और स्पाइसेज बोर्ड से इस बारे में सर्टिफिकेट मिलने पर ही इन दोनों देशों को मसाले भेजे जाएंगे। बोर्ड के मुताबिक सिंगापुर फूड एजेंसी के मुताबिक, मसालों में ईटीओ की मैक्सिमम रेजिड्यू लिमिट 50पीपीएम होनी चाहिए। हांग कांग में ईटीओ प्रतिबंधित है। लिहाजा रेडी टु ईट प्रोडक्ट्स सहित सिंगापुर और हांग कांग भेजे जाने वाले सभी स्पाइस कंसाइनमेंट्स के साथ स्पाइसेज बोर्ड की ओर से जारी एनालिटिकल रिपोर्ट होनी चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े मसाला निर्यातक भारत के लिए यह मामला काफी संवेदनशील है। स्पाइसेज बोर्ड के मुताबिक, 2022-23 में भारत से 3.95 बिलियन डॉलर का मसाला निर्यात हुआ था। एक रिपोर्ट में कहा है कि इस विवाद के चलते भारत के आधे मसाला निर्यात पर आंच आ सकती है। सिंगापुर और हांग कांग ने कथित तौर पर कीटनाशक ईटीओ होने का हवाला देकर एमडीएच और एवरेस्ट के 4 मसाला प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया था। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर के मुताबिक ईटीओ से कैंसर होने का खतरा होता है। एवरेस्ट और एमडीएच ने कहा था कि उनके उत्पादों की क्वॉलिटी बिल्कुल ठीक है।

हीरो ने अप्रैल में बेचे 5.33 लाख वाहन

मुंबई (ईएमएस)। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा है कि उन्होंने अप्रैल 2024 में 5,33,585 से अधिक यूनिट बेचकर नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत की है। यह अप्रैल 2023 की तुलना में 34.7 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है, जब निर्माता ने 3.96 लाख यूनिट बेचे थे और मार्च 2024 की बिक्री के 9 प्रतिशत की क्रमिक वृद्धि दर्ज की गई थी, जो 4,90,415 यूनिट थी। देशी दोपहिया निर्माता की मोटरसाइकिलों की बिक्री अप्रैल 2024 में 4,96,542 यूनिट और अप्रैल 2023 में 3,68,830 यूनिट रही। स्कूटरों की बिक्री अप्रैल 2024 में 37,043 यूनिट और अप्रैल 2023 में 27,277 यूनिट रही। कुल घरेलू बिक्री अप्रैल 2024 और अप्रैल 2023 के लिए क्रमशः 5,13,296 यूनिट और 3,86,184 यूनिट थी।

चुनाव के बाद टेलीकॉम कंपनियां महंगे करेंगी टैरिफ!

एजेंसी, नई दिल्ली

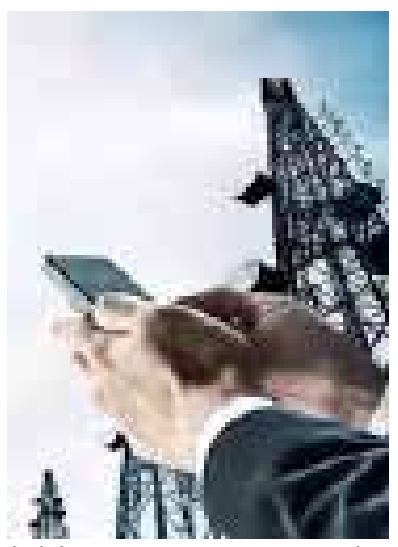

एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारतीय टेलीकॉम सेक्टर में टैरिफ में 20-25 फीसदी बढ़ सकता है। पहले अनुमानों में केवल 10-15 फीसदी बढ़ने की उम्मीद थी। टेलीकॉम कंपनियां अभी भारतीय बाजार में कोई खास हलचल नहीं मचा रही हैं। पिछले एक साल में शेयर बाजार में टेलीकॉम कंपनियों के शेयरों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आंकड़ों के अनुसार बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल देखी गई, जो 92 फीसदी है। वहीं सुनील भारती मित्तल की भारती एयरटेल के शेयरों में 65 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। टेलीकॉम क्षेत्र की दूसरी कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। इंडस टावर्स के शेयरों में 125 फीसदी की तेजी आई, तो एमटीएनएल के शेयरों में 93 फीसदी का उछाल देखा गया। टाटा कम्युनिकेशंस के शेयरों में 38 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र) के शेयरों में 32 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। बोफा सिक्योरिटीज का मानना है कि प्योर टेलीकॉम कंपनी के रूप में, वोडाफोन आइडिया टैरिफ बढ़ोतरी का सबसे ज्यादा फायदा उठा सकता है। उनकी रिपोर्ट के अनुसार, अगर प्रति यूजर औसत राजस्व में 5 फीसदी की बढ़ोतरी होती है, तो कंपनी की प्रति शेयर आय में 12 फीसदी तक का इजाफा हो सकता है। हालांकि, बोफा अभी भी वोडाफोन आइडिया के शेयर को खरीदने की सलाह नहीं दे रहा है। उनकी राय है कि फिलहाल कंपनी के स्पेक्ट्रम पेमेंट को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में धन जुटाने के बाद वोडाफोन आइडिया का वित्त वर्ष 2025-26 का अनुमानित ईपीएस 2.7 रुपये हो गया है, जो पहले 1.5 रुपये था। वहीं दूसरी ओर भारती एयरटेल के लिए भी बोफा ने वित्त वर्ष 2025-26 के ईपीएस अनुमान में 5-6 फीसद की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उच्च मूल्यह्रास और परिशोधन के कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए ईपीएस अनुमान में 2-3 फीसदी की कमी की संभावना है।

देश राज्यों से बड़ी ख़बरें

1 सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की बेल पर विचार करने को तैयार; राहुल का रायबरेली से नामांकन;मोदी बोलेः शहजादे को हार का डर
2 पीएम मोदी 14 मई को वाराणसी में नामांकन दाख़िल करेंगे,पहले काशी विश्वनाथ-काल भैरव के दर्शन करेंगे;13 मई को रोड शो
3 आज और कल यूपी को मथेंगे प्रधानमंत्री मोदी,सात लोकसभा सीटों पर करेंगे चुनाव प्रचार
4 तीसरे चरण के रण का आख़िरी दो दिन बाकी,चुनाव प्रचार-प्रसार में पार्टियों ने झोंकी ताकत
5 राहुल बोले:रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल,मां ने बड़े भरोसे से परिवार की कर्मभूमि सौंपी;अमेठी मेरे लिए अलग नहीं
6 सुप्रीम कोर्ट केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर विचार करने को तैयार,चुनाव के चलते 7 मई को फैसला;कहाः गिरफ्तारी पर सुनवाई में समय लग सकता है
7 राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू हिमाचल प्रदेश के पांच दिवसीय दौरे पर शिमला पहुंची,4 से 8 मई तक अपने परिवार के कुछ सदस्यों के साथ यहां रुकेंगी,8 मई को राष्ट्रपति वापस दिल्ली जाएंगी
8 रैली में नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल, हैदराबाद में अमित शाह सहित कई बीजेपी नेताओं के खिलाफ केस दर्ज
9 दलित नहीं थे रोहित वेमुला,मां ने बनवाया था फर्जी जाति प्रामणपत्र; तेलंगाना पुलिस ने सभी आरोपियों को दी क्लीन चिट
10 केजरीवाल के खिलाफ ईडी की शिकायत पर सुनवाई, दिल्ली शराब नीति में जांच एजेंसी के समन का पालन न करने का आरोप
11 लोकसभा चुनाव-2024:संजय निरुपम शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए,बोले:20 साल बाद घर वापसी कर रहा हूं
12 12 साल बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने वानखेड़े में रचा इतिहास,मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर!
13 शराब घोटाले में ईडी की बड़ी कार्रवाई, 205 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्ति कुर्क की
14 14 मई को नामांकन दाखिल करेंगे पीएम मोदी,13 मई को वाराणसी में करेंगे रोड शो
15 अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब,चीन की हालत हुई खस्ता,भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!
16 चंद्रयान को कॉपी करने निकला पाक,चीन संग लॉन्च किया मून मिशन;हुआ खेला
17 कनाडा पुलिस का बड़ा एक्शन, खालिस्तानी आतंकवादी निज्जर की हत्या में शामिल संदिग्धों को किया गिरफ्तार
18 अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट 7 मई को करेगा सुनवाई
19 तेलंगाना पुलिस का दावा:रोहित वेमुला दलित नहीं था,8 साल बाद केस बंद किया,कहाःजाति उजागर होने के डर से खुदकुशी की
20 केरल-तमिलनाडु के समुद्र में 1.5M तक लहरें उठ सकती हैं,21 घंटे का अलर्ट,मछुआरों से नावों को सुरक्षित जगहें ले जाने को कहा
21 चुनाव परिणाम से पहले तेरा परिणाम आ जाएगा,राजस्थान के मंत्री को मिली जान से मारने की धमकी
22 अमित शाह के डीपफेक वीडियो मामले में कांग्रेस नेता अरुण रेड्डी गिरफ्तार,फर्जी वीडियो बनाने का आरोप
23 अमेरिकी ड्रोन से 10 गुना कम लागत में भारत ने बनाया बम बरसाने वाला स्वदेशी UAV,कांप जाएगा दुश्मन
24 पांचवीं शादी में फंसे रामपुर सपा प्रत्याशी,धोखे से निकाह करने का आरोप लगाने वाली महिला की शिकायत पर जांच शुरू
25 प्रज्वल ने बंदूक की नोक पर किया रेप, वीडियो बनाया;जेडीएस वर्कर का आरोप
26 अमेरिका में फलस्तीन समर्थक आंदोलन का दमन जारी,40 शिक्षण संस्थाओं से 2300 से अधिक छात्र-छात्रा गिरफ्तार
27 भारत में लॉन्च हुई Ferrato Disruptor इलेक्ट्रिक बाइक,कीमत है 1.60 लाख रुपये
28 मुनाफा वसूली के कारण शेयर बाजार में भारी गिरावट,सेंसेक्स 732 अंक टूटकर 73,878 और निफ्टी 22,475 के स्तर पर बंद
29 आईपीएल 2024:वानखेड़े में 12 साल बाद जीती कोलकाता,मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर!
30 आईसीसी रैंकिंग्सःभारत से टेस्ट में छिना नंबर-1 का ताज,वनडे और टी20 में बादशाहत बरकरार
31 दिल्लीःओखला में 2 करोड़ कैश जब्त, चुनावों के बीच ECI का एक्शन
32 दरभंगा में बोले पीएम मोदीःलालू यादव ने रेल मंत्री रहते गोधरा कांड के आरोपियों को बचाने की कोशिश की
33 रोहित वेमुला की मां ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल,कहाः मैं दलित हूं तो मेरी संतान दलित कैसे नहीं?
34 AIMIM ने काराकाट से प्रियंका चौधरी को टिकट दिया,इसी सीट से उपेंद्र कुशवाहा और पवन सिंह भी मैदान में
35 आप ने लोकसभा चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की,सीएम केजरीवाल का नाम भी शामिल
36 अरविंदर सिंह लवली भाजपा में हुए शामिल,कुल 5 कांग्रेसी नेताओं ने जॉइन की बीजेपी
37 बीजेपी दफ्तर पहुंचे अरविंदर सिंह लवली,कुछ दिनों पहले ही छोड़ा है दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष का पद
38 7 मई तक ED की हिरासत में रहेंगे वकील विनोद चौहान,दिल्ली शराब नीति से जुड़ा है मामला
39 लखनऊः BSP की पूर्व विधायक मीता गौतम अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस में हुईं शामिल
40 झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री हरि नारायण राय ने थामा बीजेपी का दामन

यामी गौतम ने अपनी फिल्मों को लेकर बयां किया सच

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम इन दिनों नन्हें मेहमान की खुशी के स्वागत में बेहद खुश हैं और लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनकी प्रेग्रेंसी से जुड़ी कोई ना कोई खबर उन्हें चर्चा में बनाए रखती है। आर्टिकल 370 की दमदार सफलता का पूरा श्रेय यामी को जाता है। इस फिल्म ने दर्शकों के साथ क्रिटिक्स की वाहवाही भी बटोरी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की। फिल्मों को लेकर यामी ने एक इंटरव्यू में ऐसी बात कही जिसे सुनकर आप भी दंग रह जाएंगे।

यामी के दिल की बात

एक इंटरव्यू के दौरान यामी ने सिनेमाघरों और ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों और वेब सीरीज को लेकर कहा, मैंने कभी भी कोई फिल्म या सीरीज यह सोच कर नहीं कि वह ओटीटी या फिर सिनेमाघरों में अच्छी चलेगी। मैंने यह इसलिए चुनी है क्योंकि वो ऐसी फिल्में थीं, जिनमें मुझे मेरा रोल अच्छा लगता था।

खुद को फिल्मों में देखना अच्छा लगता है

यामी ने अपनी फिल्मों को लेकर एक और खुलासा किया है। उन्होंने कहा, खुदको फिल्मों में देखना शुरू से मेरा पहला प्यार रहा है। ओएमजी 2 , उरी द सर्जिकल स्ट्राइक, सनम रे, विक्की डोनर या फिर आर्टिकल 370, यामी गौतम ने बड़े पर्दे पर हमेशा अपनी काबिलियत साबित की है। वह भले ही ज्यादा लाइमलाइट में न रहती हों, लेकिन जब भी पर्दे पर आती हैं अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। बहरहाल, यामी गौतम इन दिनों अपनी किसी फिल्म के लिए नहीं बल्कि प्रेग्नेंसी के लिए सुर्खियों में रहती हैं। वह जल्द ही मां बनने वाली हैं। मां बनने के बाद कुछ एक्ट्रेसेज फिल्मों से ब्रेक ले लेती हैं, लेकिन यामी बी-टाउन की वर्किंग मदर्स में शुमार होने वालों में से हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में यामी ने कहा था कि वह मां बनने के बाद भी काम जारी रखेंगी और मैटरनिटी ब्रेक के दौरान भी फिल्मों में बिजी रहेंगी।

सलमान लापरवाह हैं, लेकिन काम को लेकर पाबंद हैं

सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस सीरीज में सोनाक्षी फरीदन का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने बॉलीवुड के दबंग खान यानी सलमान खान की खुलकर तारीफ की है। अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने साल 2010 में सलमान खान-स्टारर दबंग के साथ अपनी फिल्म की शुरुआत की। हाल ही में, एक साक्षात्कार में सोनाक्षी ने सलमान खान की तारीफ करते हुए कहा कि दर्शकों से जुड़ने के लिए उन्हें एक रास्ता मिल गया है। सोनाक्षी ने सलमान के साथ कई फिल्मों में काम किया है और उन्होंने कहा कि जहां सलमान काम में काफी बेफिक्र हैं। वहीं, वह काम को लेकर काफी सीरियस हैं। इस इंटरव्यू में सोनाक्षी ने सलमान जैसे सितारों की लोकप्रियता के बारे में बात की और कहा, मुझे लगता है कि यह उनके दर्शकों के साथ एक जुड़ाव है आपके जो लोकप्रियता मिलती है, वह काफी संघर्ष करने के साथ आता है। मुझे लगता है कि यही वह चीज है, जो मेरे दर्शक मेरे बारे में पसंद करते हैं और यही मेरी ताकत है और मैं बस उसी पर काम करने जा रही हूं। यही सलमान ने भी इतने सालों से किया है, यही वजह है कि लोग उनसे प्यार करते हैं। सलमान के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी ने कहा, वह बहुत लापरवाह हैं, लेकिन वह काम को लेकर बहुत पाबंद भी हैं। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं क्योंकि मैंने उन्हें देखा है और ऐसा लगता है कि उन्हें छोटी-छोटी बातों की परवाह नहीं

क्यों उड़ी हिना खान की नींद? बोलीं-परेशान हूं

हिना खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है, जिसने फैंस की चिंता बढ़ा दी है। अभिनेत्री ने अपनी एक तस्वीर साझा कर लिखा है, नींद उड़ी हुई है, थकी हुई हूं और परेशान हूं, लेकिन जिंदा हूं। हिना के फैंस जानना चाह रहे हैं कि आखिर ऐसा क्या हुआ है, जो वह इतनी मुश्किलों से गुजर रही हैं। बता दें कि हिना की जिंदगी में सबकुछ अच्छा है। सिर्फ काम की अधिकता और व्यस्तता के चलते अभिनत्री को आराम नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में लिखा है, जिंदगी मुश्किल है, संघर्ष जारी है। इसके अलावा हिना ने एक पोस्ट सवेरे तीन बजे साझा करते हुए लिखा, अब नौ घंटे की यात्रा करके नई लोकेशन पर जा रहे हैं, दिन-रात काम है, कठिन है, लेकिन इसकी कीमत है।

अनदेखी सीजन 3, दस मई ओटीटी पर देगी दस्तक

अनदेखी सीजन 2 को मिले भरपूर प्यार के बाद मेकर्स इस वेब सीरीज का तीसरा भाग जल्द लेकर आ रहे हैं। इस शो में हर्ष छाया और दिब्येंदु भट्टाचार्य मुख्य भूमिका में हैं। सोनी लिव पर स्ट्रीम होने जा रही इस वेब सीरीज की हाल ही में स्क्रीनिंग रखी गई, जिसमें सिनेमा जगत की कई मशहूर हस्तियों ने शिरकत की। इस कार्यक्रम में वेब सीरीज के मुख्य कलाकार दिब्येंदु अपनी पत्नी के साथ दिखे। कई फिल्मों और वेब सीरीज में अपनी अदाकारी का जादू दिखा चुके मियांग चैंग भी अलग अंदाज में कार्यक्रम में पहुंचे। वहीं, लाल रंग की बॉडीकॉन ड्रेस में आंचल सिंह बला की खूबसूरत लगीं। इनके अलावा कार्यक्रम में वरुण वडोला और हर्ष छाया भी दिखे। अनदेखी सीजन 3 की बात करें तो यह क्राइम ड्रामा थ्रिलर 10 मई 2024 को सोनी लिव पर रिलीज होगी। इसमें, दर्शकों को ढेर सारा रोमांच, रहस्य और रोंगटे खड़े कर देने वाले क्षण देखने को मिलेंगे। शो के ट्रेलर को भी लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी। दो सफल सीजन के बाद फैंस को इसके तीसरे भाग का बेसब्री से इंतजार है।

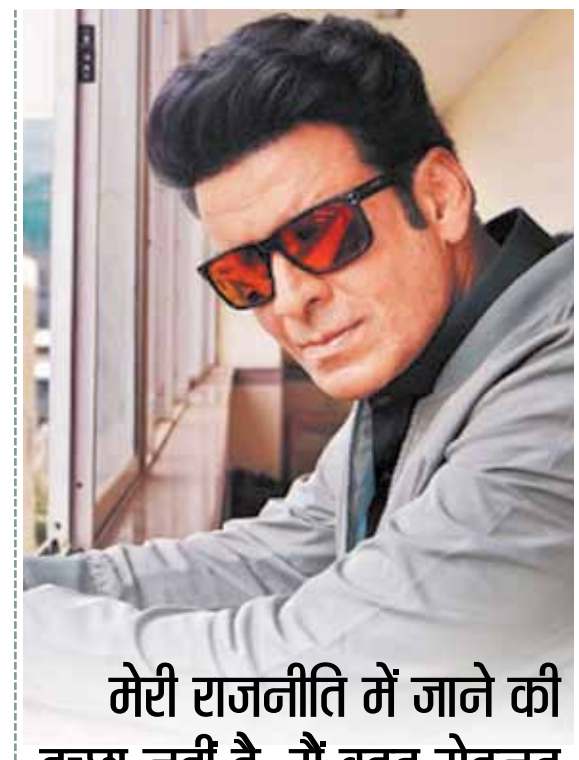

मेरी राजनीति में जाने की इच्छा नहीं है, मैं बहुत मेहनत करके यहां तक पहुंचा हूं

ऐक्टिंग की दुनिया में तीन दशक लंबी पारी खेल चुके मनोज बाजपेयी सिनेमा के बाद ओटीटी पर भी जबर्दस्त काम कर रहे हैं। वेब सीरीज फैमिली मैन व ओटीटी रिलीज एक बंदा काफी है के बाद उनकी हालिया रिलीज साइलेंस 2 को भी पसंद किया जा रहा है। उन्होंने खास बातचीत की।

आप ओटीटी पर काफी अच्छा कर रहे हैं। आपकी एक बंदा काफी है ओटीटी से सिनेमा पर आ गई। अब आपकी फिल्म साइलेंस 2 का सीजन 2 आया है। इस सफलता के बारे में आप क्या कहना चाहते हैं?

मैं काफी खुशकिस्मत हूं कि मेरा काम लोगों को इतना पसंद आ रहा है और मेरी फिल्मों को इतना सम्मान और प्यार मिल रहा है। इससे अच्छी बात और क्या हो सकती है। आखिर में दर्शक ही आपके काम को ही आगे बढ़ाते हैं।

आपने सिनेमा पर इतनी लंबी पारी खेली है और अब ओटीटी पर भी इतना अच्छा कर रहे हैं। आपको क्या लगता है कि ओटीटी आपको सिनेमा से ज्यादा सूट रहा है?

लोग धीरे-धीरे सिनेमा पर वापस जा रहे हैं। मेरी अगली फिल्म भैया जी थियेटर पर आने वाली है। मगर मैं चाहता हूं कि दोनों तरफ काम करूं। जहां पर अच्छा काम मिले, मैं वहां काम करूं। भैया जी एक अच्छी स्क्रिप्ट लगी और मुझे लगा कि ये थियेटर पर रिलीज होनी चाहिए। वैसे मैं सच कहूं तो हमने बहुत कोशिश करी थी कि एक बंदा काफी है सिनेमा घरों में रिलीज हो लेकिन वह ओटीटी प्लैटफॉर्म के पास थी और जब ओटीटी के पास फिल्म चली जाती है तो, वह सिनेमा पर नहीं आने वाली।

ओटीटी ने आपको घर-घर तक पहुंचा दिया है। क्या कहेंगे?

मैं घर-घर तक नहीं पहुंचा। मैं पूरब से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक, पहुंचा हूं। जब आप ओटीटी पर जाते हैं तो आप पैन इंडिया जाते हैं। विदेश में भी आपकी पहचान घर-घर तक हो जाती है। जैसे फैमिली मैन मैक्सिको में बहुत देखी गई और स्पेन में भी बहुत लोगों ने उसे देखा।

आपको लोग फैमिली मैन कहते हैं। असल जिंदगी की बात करें तो आप अपने परिवार को कितना समय दे पाते हैं?

आजकल समय निकालना थोड़ा मुश्किल हो पाता है। लेकिन अब बच्ची बड़ी हो गई है, तो जाहिर सी बात है अब वह उतना मिस नहीं करती। बस जब वह हॉस्टल से घर आती है, तो उसे अपनी मां चाहिए। बाकी मैं उसे कॉल करके पूछता रहता हूं कि तुमने मुझे फोन क्यों नहीं किया।

चुनाव का दौर है। आज तमाम स्टार्स राजनीति में करियर आजमा रहे हैं। क्या आपको भी कभी ऐसा कोई ऑफर मिला?

मिलते रहे हैं, कई साल तक मिलते रहे हैं। मैं बहुत मेहनत करके यहां तक पहुंचा हूं। मैंने यहां तक पहुंचने में कई साल लगाए हैं। अब सब छोड़ छोड़कर ऐसी जगह चला जाऊं, जिसका मुझे पता नहीं है कि वह क्या है। मुझे वहां जाने की इच्छा भी नहीं है। मैं जाना भी नहीं चाहता हूं। मुझे यहीं अच्छा लगता है। मेरी राजनीति में जाने की कोई इच्छा नहीं है।

करियर के तीन दशक में आपने एक से बढ़कर एक रोल किए। क्या आपके जेहन में कोई ऐसा किरदार है, जिसको करने की इच्छा अभी बाकी है?

वह पता नहीं चल पाता है, जब तक कोई चीज सामने ना आ जाए। जब सिर्फ एक बंदा काफी है का रोल मिला, तो मुझे लगा कि ये किरदार तो मैंने किया ही नहीं है, ऐसा कहानी और स्क्रिप्ट नहीं की है। फिर मैंने उसे किया। इसी तरह मुझे लगता है कि अभी कई किरदार करने बाकी हैं।

सिर्फ बहू वाले रोल मिलने का मलाल रहा, स्क्रीन पर बनना चाहती थी पुलिसवाली

दिव्यांका त्रिपाठी टेलीविजन की जानी-मानी और सफलतम ऐक्ट्रेसेज में से एक हैं। हालांकि, छोटे पर्दे पर दर्शकों ने उन्हें प्यारी, संस्कारी बहू की भूमिका में ही देखा है। खुद दिव्यांका को इस बात का मलाल है कि टीवी पर उन्हें सिर्फ बहू के ही रोल ऑफर होते रहे, लेकिन अब ओटीटी पर वह अपने किरदारों के साथ प्रयोग कर रही हैं। इसी कड़ी में वह इन दिनों वेब सीरीज अदृश्यम- द इनविजिबल हीरोज में अंडरकवर एजेंट पार्वती के रोल में नजर आ रही हैं, जो उनकी निजी पर्सनैलिटी से बिल्कुल अलग है।

हमेशा से करना था पुलिस का रोल

बकौल दिव्यांका, मेरे लिए पार्वती का यह किरदार मेरी असल जिंदगी से बहुत ही विपरीत है। पार्वती बिंदास है, निडर है, जो उसके दिल में है, वो जुबान पर आ जाता है। एक झटके में गुस्सा भी हो जाती है। जबकि, मेरी पर्सनैलिटी बिल्कुल इसके उलट है। इसलिए, यह रोल निभाना मेरे लिए बहुत चैलेंजिंग था लेकिन मैं ऐसा किरदार हमेशा से करना चाहती थी। मैं एक जमाने में एनसीसी में थी। मैं आर्मी ऑफिसर बनना चाहती थी। मैं राइफल शूटिंग में गोल्ड मेडलिस्ट रही हूं तो एक अरमान था कि कभी पुलिसवाले का रोल करूं लेकिन इतने सालों में मुझे एक भी ऐसा करैक्टर नहीं ऑफर हुआ। मुझे इस बात का हमेशा मलाल रहता था। अब जाकर इतने सालों के बाद में मुझे ऐसा किरदार मिला है। इसलिए ये किरदार मेरे दिल के बहुत करीब है लेकिन चैलेंजिंग भी बहुत था क्योंकि ऐक्शन बहुत था, जिसकी ट्रेनिंग मैंने इससे पहले कभी नहीं ली थी। मुझे बॉडी कॉम्बैट, सेल्फ डिफेंस ये सब सीखना पड़ा।

लोगों की जजमेंट से फर्क नहीं पड़ता

खतरों के खिलाड़ी के मेकर्स की तरह, लोगों ने दिव्यांका को उनकी प्यारी, शांत पर्सनैलिटी और स्क्रीन इमेज से हमेशा जज किया है। कभी उनके वेस्टर्न कपड़े नहीं पहनने पर बहन जी बुलाया तो कभी खतरों के खिलाड़ी में जाने पर उनके पति से पूछा कि दिव्यांका के बजाय आप क्यों नहीं गए? दिव्यांका लोगों के ऐसे जजमेंट का जवाब कैसे देती हैं? इस पर वह हंसते हुए कहती हैं, लोग विवेक (पति विवेक दहिया) को रोक-रोककर बोलते थे कि आप क्यों नहीं गए? दिव्यांका को क्यों भेज दिया? आपको जाना चाहिए था तो वह कहता था कि आप दिव्यांका को जानते नहीं है पर हम दूसरों की सोच नहीं बदल सकते। जरूरी ये है कि हम अपने पर इसका असर ना पड़ने दें और मैं इस मामले में थोड़ी मोटी खाल की हूं। मुझे नहीं फर्क पड़ता कि लोग क्या सोच रहे हैं क्योंकि मैं उनकी सोच नहीं रोक सकती। मेरा तरीका ये है कि मैं कहीं न कहीं अपने को बदलती रहूं, जो मुझे पसंद है वो करूं, जिस स्टेज पर जाकर उनको मेरी पर्सनैलिटी दिखनी होगी, दिख जाएगी।

शादी निभाने के लिए नीयत जरूरी

दिव्यांका और उनके पति विवेक दहिया अक्सर सोशल मीडिया पर कपल गोल्स देते रहते हैं। दिव्यांका एक सफल शादी की नींव किसे मानती हैं? इस पर उन्होंने कहा, अगर दो सही पार्टनर एक साथ हैं जो साथ मिलकर उस रिश्ते को निभाना चाहते हैं, तभी वो निभता है, क्योंकि कहीं न कहीं दोनों से ही गलतियां ही होते हैं। दोनों ही किसी न किसी जगह पर सही होते हैं। इसलिए, शादी के रिश्ते में निभाने की नीयत सबसे जरूरी है। इसके लिए एक सोची समझी कोशिश चाहिए होती है।

खतरों से खेली तो टूटी छवि

दिव्यांका स्टंट बेस्ड रिएलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 11 की रनरअप रही हैं। उस दौरान की ट्रेनिंग सीरीज में ऐक्शन करते वक्त कितनी काम आई? यह पूछने पर दिव्यांका ने बताया, खतरों के खिलाड़ी में ऐक्शन की कोई ट्रेनिंग नहीं थी। खतरों के खिलाड़ी से मुझे यही मदद मिली कि मेरे बारे में लोगों की सोच बदली है। मैं तो वैसे ही थी जैसे मैं पहले थी लेकिन लोगों को मालूम नहीं था कि दिव्यांका क्या-क्या कर सकती है? क्या वो एक ऑफिसर की तरह की नजर आ सकती है? तो मैं खुश हूं कि मैंने वह शो किया। उससे मेरी जो बहू वाली छवि थी, उसे तोड़ने में मदद मिली। उस शो में भी मेकर्स तक ने कल्पना नहीं की थी कि मैं तीसरे एपिसोड के आगे जा पाऊंगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **आरती कुमारी** द्वार अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना - 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना - 800006 से प्रकाशित। ***संपादक - अविनाश**। संपादकीय कार्यालय : 8वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना - 800001, RNI : BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।